मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.2	27.5
जमशेदपुर	35.1	25.7
डालटनगंज	35.4	24.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* *

www.lagatar.in | रांची, रविवार 07 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 89 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चैंबर के सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में हेमंत ने कहा- झारखंड का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता

अब स्टार्ट अप पर जोर

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य में जो भी उद्योग हैं और जो भी नए उद्योग आने वाले हैं, उनके प्रति सरकार की सकारात्मक सोच है. राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो. अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों. हमारी सरकार उद्योगों और उद्योग स्थापित करने वालों को पूरा सहयोग करेगी. सीएम शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि झारखंड में कई उद्योग हैं जो पुराने हैं. उद्यमियों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी यहां व्यवसाय कर रही. वे आर्थिक- सामाजिक और भौगोलिक स्थितियों से वाकिफ हैं. वे अच्छी तरह इस राज्य को समझ सकते हैं. दूसरे नहीं समझ सकते हैं. ऐसे में आपके साथ मिल कर राज्य का सर्वांगीण विकास करना हमारा उद्देश्य है. उन्होंने कहा, युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए अब सरकार स्टार्टअप पर पूरा जोर लगाएगी. कान्क्लेव में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, पूर्व सांसद महेश पोद्दार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव विप्रा भाल, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सचिव परेश गट्टानी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे.

मुख्यमंत्री को सम्मानित करते चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री. साथ में सांसद महुआ माजी भी हैं.

देश के नीति- निर्धारकों ने समझा था राज्य की अहमियत को

सीएम ने कहा कि आजादी के बाद देश के नीति-निर्धारकों ने इस राज्य की अहमियत को समझा था. इसी का नतीजा था कि हमारे राज्य में कई बड़े उद्योग स्थापित हुए. टाटा और बिरला जैसे कई उद्योग समूहों ने अपने उद्योग लगाए. इसी राज्य में कोल इंडिया की सबसे ज्यादा गतिविधियां संचालित हो रही है. देश का पहली फर्टिलाइजर इंडस्ट्री लेकर माइनिंग इंस्टीट्यूट एवं उद्योग जगत की जननी से मशहूर हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) भी हमारे राज्य में स्थापित है. लेकिन, जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया और परिस्थितियों कुछ ऐसी बनती गई कि यहां के कई उद्योग -धंधे बंद हो गए. जिन उद्योगों का विस्तार होना था, वे सिमटते गए. इस वजह से लोग बेरोजगार भी हुए. लेकिन, हमारी सरकार उद्योगों की ऐसी बुनियाद डालना चाहती है, जिसका लाभ लोगों को पीढ़ी-दर- पीढ़ी मिल सके. इसमें झारखंड चैंबर्स का जो भी सुझाव होगा, उस पर सरकार सकारात्मक अमल करते हुए पूरा सहयोग करेगी.

बोले सीएम

- उद्योग और उद्योगपतियों के प्रति सरकार की है सकारात्मक सोच
- अधिक से अधिक रोजगार सृजन के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- युवा स्टार्टअप शुरू करें, राज्य सरकार करेगी पूरा सहयोग

स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए सरकार करेगी सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप पॉलिसी बनाई है. हालांकि, इस राज्य में स्टार्टअप को जितना बढ़ावा मिलना चाहिए था, उसमें थोड़ा पीछे हैं. लेकिन, सरकार जल्द ही स्टार्टअप को मजबूती और बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाएगी. स्टार्टअप के जरिए युवा रोजगार से जुड़े और दूसरों को भी रोजगार दें, इस सोच के साथ सरकार आगे बढ़ेगी.

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आज

नेत्रदान के साथ भाई-बहन संग भगवान जगन्नाथ ने दिए दर्शन : नेत्रदान अनुष्ठान के बाद शनिवार की शाम दर्शन मंडप में भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग विराजे भगवान जगन्नाथ और भगवान की स्तुति कर जयघोष करते पुरोहित और श्रद्धालु. भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आज निकाली जाएगी. **(फोटो : सैयद जावेद रमीज)**

विश्वासमत से पहले सत्ता पक्ष के विधायकों की आज बैठक, कल की बनेगी रणनीति

कोई दिक्कत नहीं, हम एकजुट: ठाकुर

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा में सोमवार को विश्वास मत हासिल करने से पहले गठबंधन में शामिल दलों के विधायकों की बैठक रविवार को होगी. इस बैठक में फ्लोर टेस्ट के लिए रणनीति तय की जाएगी. फ्लोर टेस्ट के बाद उसी दिन कैबिनेट का विस्तार भी प्रस्तावित है. बैठक कांके रोड में सीएम आवास में होगी. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया, रविवार को फ्लोर टेस्ट में रणनीति तय करने के लिए सीएम आवास में बैठक बुलाई गई है. हम लोग पूरी तरह एकजुट हैं.

बीजेपी ने उठाए सवाल | हेमंत में नहीं है हिम्मत कि विश्वास मत से पहले कर लें कैबिनेट का विस्तार

इधर, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सीएम पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि हेमंत में हिम्मत नहीं है कि वे विश्वास मत से पहले कैबिनेट का विस्तार कर लें. नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन तो बस मुखौटा हैं. उनके पीछे सत्ता चलाने वालों से कुछ दिन भी रुका नहीं गया और उन्होंने तख्ता पलट करवा दिया. उन्होंने एक्स पर लिखा- सदन में विश्वास मत हासिल करने से पूर्व मंत्रिमंडल विस्तार आखिर क्यों नहीं? मैं चुनौती देता हूं कि चंपाई के साथ किए गए दुर्व्यवहार के बाद ऐसा करने की हेमंत हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे. जिस तरह से चंपाई सोरेन को हटाकर वे राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं, वो न्यायसंगत नहीं है. इस तरह का अनुचित कदम उठाने के बाद हेमंत सोरेन में इतना साहस नहीं रह गया है कि वो विश्वास मत से पहले किसी को मंत्री बना सकें. जिस प्रकार चंपाई सोरेन को बेइज्जत किया गया, उस पर सोरेन परिवार के प्रति पूरे राज्य भर से बेहद ही खराब प्रतिक्रिया आ रही है.

सूचना

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पर विशेष आयोजन देखें पेज 9 पर. आज आनेवाला 'आखर' पेज अब मंगलवार को आएगा.

ब्रीफ खबरें

केजरीवाल षडयंत्र के शिकार: सुनीता

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि केजरीवाल को गहरी साजिश का शिकार बनाया गया है और ईडी ने एक गवाह के झूठे बयान पर उन्हें गिरफ्तार किया. उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईडी ने केजरीवाल को तेदेपा के सांसद के बयान पर गिरफ्तार किया था. तेदेपा सत्तारूढ़ एनडीए का घटक दल है. सुनीता केजरीवाल ने लोगों से अपने पति का समर्थन करने का अनुरोध किया.

हाथरस भगदड़ कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)। यूपी के हाथरस में दो जुलाई को मची भगदड़ के मामले में मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर को हाथरस पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

बसपा नेता की हत्या में आठ पकड़े गए

चेन्नई। बसपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में कम से कम आठ संदिग्धों को पकड़ा गया है. इस बीच, बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने नेता की मौत पर गहरा दुख दुख व्यक्त किया है.

कश्मीर में आतंकी मुठभेड़, सैनिक शहीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया. सेना पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश में जुट गयी है.

मैं चुनावी दौड़ से बाहर नहीं: बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुई पहली बहस में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके चुनावी दौड़ से बाहर होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें मुकाबले से बाहर होने के लिए राजी कर सकते हैं. -पेज 12 भी देखें

1,84,268 कर्मी दूसरे स्थानों से, निजी क्षेत्र में 75% आरक्षण लागू करना चुनौती

राज्य के निजी क्षेत्रों में कार्यरत 2,30,156 कर्मचारियों में सिर्फ 45,887 ही स्थानीय

संडे खास

रवि भारती। रांची

झारखंड के निजी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों में से दो तिहाई बाहरी हैं. मात्र एक तिहाई लोग ही स्थानीय हैं. संख्या के हिसाब से बात करें, तो राज्य की विभिन्न कंपनियों काम कर रहे कुल 2,30,158 कर्मचारियों में से मात्र 45,887 कर्मचारी ही स्थानीय हैं. बाकी बचे 1,84,268 कर्मचारी दूसरे स्थानों के हैं.

बता दें कि राज्य सरकार ने निजी क्षेत्र की कंपनियों और प्रतिष्ठानों में नौकरी के लिए 75 फीसदी आरक्षण स्थानीय लोगों को देने के लिए एक्ट बनाया है, लेकिन इस नियम का पालन कहीं नहीं हो रहा है. जबकि यह नियम 12 सितंबर 2022 से राज्य में लागू है. इस नियम के तहत प्रावधान है कि वैसी निजी कंपनियां या प्रतिष्ठान जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, उन कंपनियों और प्रतिष्ठानों को झारनियोजन के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना आनिवार्य है. अगर इन संस्थानों में कोई भी वैकेंसी निकाली जाती है, तो 40 हजार तक के पदों पर नियुक्ति में 75 फीसदी स्थानीय को ही नियुक्त करना है.

झारखंड में हैं कुल 6998 नियोक्ता

बता दें कि झारखंड में कुल 6998 नियोक्ता हैं. इन नियोक्ताओं ने मौजूदा समय में सिर्फ 45,887 स्थानीय लोगों को ही नौकरी दी है. इसमें 36,677 स्थानीय पुरुष कर्मचारी हैं, जबकि महिला स्थानीय कर्मचारियों की संख्या 9210 ही है. बात करें दूसरे राज्यों के कर्मचारियों की, तो इस कटेगरी में पुरुष कर्मचारियों की संख्या 1,60,458 है. जबकि दूसरे स्थानों की महिला कर्मचारियों की संख्या 23,003 है.

निजी क्षेत्रों में किस साल कितने को मिली नौकरी

2017	1,242
2018	25,649
2019	10,500
2020	5,868
2021	6,954
2022	18,013
2023	85,179
2024	34,407

नोट : ये आंकड़े झारखंड के निजी क्षेत्रों के नौकरी के हैं

झारखंड के निजी क्षेत्रों में कैसा रहा है सैलरी का ट्रेंड

कैटेगरी	कर्मचारी
12 हजार से अधिक	81,234
14 से 16 हजार	33,937
16 से 18 हजार	19,848
18 से 20 हजार	13,309
20 से 25 हजार	16,585
25 से 30 हजार	14,973
30 से 35 हजार	9,719
35 से 40 हजार	6,010

क्या है निजी उद्योगपतियों का तर्क

निजी क्षेत्र में स्थानीय नियोजन में 75 फीसदी आरक्षण नियम को लेकर उद्योगपतियों के अपने तर्क हैं. इस नियम की वजह से कुशल मजदूर मिलने में कठिनाई हो रही है. नियम की वजह से लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों में छंटनी का डर सताने लगा है. जिससे ऐसे संस्थानों का कामकाज प्रभावित हो रहा है. स्थानीय कर्मचारी ज्यादा दिन तक श्रम कानूनों के मुताबिक काम नहीं करते हैं. जब तक झारखंड कुशल मजदूर तैयार करने में सक्षम नहीं होता, तब तक 75 फीसदी स्थानीय मजदूर रखने की बाध्यता शिथिल होनी चाहिए.

23 जुलाई को बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री

नयी दिल्ली। देश में 18वीं लोकसभा के गठन के बाद अब मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है. केंद्रीय बजट 2024 की तारीखों का ऐलान भी हो गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करेंगी. दरअसल, 18वीं लोकसभा का पहला सत्र समाप्त हो चुका है. इसमें नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण हुआ और संसद की संयुक्त बैठक हुई थी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया था.

- तारीखों का हुआ ऐलान, 22 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का बजट सत्र

अब सबकी निगाहें बजट सत्र पर टिकी हैं. 22 से 12 अगस्त तक संसद सत्र चलेगा. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बजट सत्र की जानकारी एक्स हैंडल पर दी. उन्होंने बताया, सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. केंद्रीय बजट 2024-25, 23 को लोकसभा में पेश किया जाएगा.

बजट से इसलिए भी अधिक उम्मीदें हैं क्योंकि राष्ट्रपति ने संसद के अपने संयुक्त संबोधन में कहा था कि इस बार कई ऐतिहासिक कदम देखने को मिलेंगे. उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में तेजी से सुधार होने की भी बात कही थी.

अहमदाबाद में प्रतिपक्ष ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अयोध्या में हराया, गुजरात में भी भाजपा को हराएंगे: राहुल

एजेंसी। अहमदाबाद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव में भाजपा को उसी तरह हराएगी, जैसे उसने हालिया लोकसभा चुनाव में अयोध्या में उसे हराया. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की.

गांधी ने कहा, भाजपा ने हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचा कर हमें चुनौती दी है. मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिल कर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे, जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है. यह लिख कर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नयी शुरुआत करेगी. बता दें कि अहमदाबाद के पालडी इलाके में कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव गांधी भवन के बाहर दो जुलाई को कांग्रेस और भाजपा के सदस्यों के बीच उस समय झड़प हो गई थी, जब भाजपा की युवा शाखा के सदस्य हिंदुओं के बारे में गांधी की टिप्पणी का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे. राहुल ने इसी घटना का जिक्र करते हुए यह बात की.

राम मंदिर के कार्यक्रम में अडानी-अंबानी दिखे लेकिन आडवाणी नहीं

राहुल ने कहा, आपने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को रथयात्रा में रथ पर देखा था, मोदी ने मदद की थी, ये कहा जाता है. मैं पार्लियामेंट में सोच रहा था कि राम मंदिर के कार्यक्रम में अडानी-अंबानी दिखे, लेकिन गरीब नहीं दिखे. आडवाणी नहीं दिखे. मंदिर से भाजपा ने राजनीति की शुरुआत की, पर अयोध्या हार गए. मुझे बताया गया कि अयोध्या में बहुत लोगों से जमीन ली गई, दुकानें तोड़ी और उन्हें मुआवजा नहीं मिला. एयरपोर्ट बना, किसानों की जमीन गई, सही मुआवजा नहीं मिला. अयोध्या की जनता को गुस्सा आया कि राम मंदिर के उद्घाटन में अयोध्या का कोई नहीं था.

विडंबना एनसीआईएसएम ने आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा और सोवा-रिग्पा के लिए 'नेक्स्ट' परीक्षा का निर्णय लिया है

मेडिकल एजुकेशन के साथ लाखों छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

डॉ अनुज कुमार

एक जरूरी खबर, जो मेन स्ट्रीम मीडिया से लगभग गायब है. पढ़िये और समझिए कि मेडिकल एजुकेशन के साथ-साथ लाखों छात्रों के भविष्य के साथ कैसे मनमाने ढंग से खेला जा रहा है. नेशनल कमिशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा और सोवा-रिग्पा के छात्रों के लिए 'नेक्स्ट' परीक्षा का निर्णय लिया है. यानी अपनी ग्रेजुएशन की सारी पढ़ाई पूरी कर लेने के बाद, फाइनल परीक्षा पास करने के बाद छात्रों को फिर से एक परीक्षा देनी होगी, ताकि वो प्रैक्टिस कर सकें या पीजी में एडमिशन ले सकें. किसी भी अन्य कोर्स में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है.ऐसे में ...

- **पहला सवाल** यह है कि मेडिकल एजुकेशन में ही छात्रों पर यह अतिरिक्त परीक्षा का बोझ क्यों?
- **दूसरा सवाल** कि अपने नोटिफिकेशन में एनसीआईएसएम ने कहा है कि जिन छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप 20 दिसंबर 2023 को या इसके बाद शुरू की, उन्हें ये परीक्षा देनी होगी. इसका मतलब ये हुआ कि 2016/ 2017 / 2018 बैच के कुछ छात्र 'नेक्स्ट' परीक्षा देंगे और कुछ नहीं. यानी एक ही बैच के छात्रों पर दो अलग-अलग नियम लागू होंगे. ये कैसे तर्क संगत है. क्या एनसीआईएसएम के पास इसका जवाब है? **तीसरा सवाल** कि इन सारे बैच के छात्रों ने जब एडमिशन लिया, तो उन्हें कुछ और जानकारी थी कि जिस कोर्स में उन्होंने एडमिशन लिया, उसमें क्या-क्या परीक्षाएं उन्हें देनी होंगी. छात्रों के एडमिशन लेने के बाद उनके माथे पर एक और परीक्षा को जबरन ला के रख दिया गया. ये नैसर्गिक न्याय नहीं. अगर परीक्षा लेनी ही थी, तो नये सत्र से क्यों नहीं लागू किया जा रहा? एनसीआईएसएम को अचानक इतनी क्या जल्दी आ पड़ी कि पिछले सत्र के छात्रों पर भी इसे लागू कर दिया. किसी कोर्स में जब कोई छात्र एडमिशन ले रहा है, तभी उसे स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि उसे क्या-क्या परीक्षा देनी है. अचानक सरकार जागती है और बीच सत्र में इतना बड़ा परिवर्तन कर देती ही. ये कैसे उचित है?
- **चौथा सवाल** कि एमबीबीएस के छात्रों पर भी 'नेक्स्ट' परीक्षा लागू होनी थी, लेकिन उसे टाल दिया गया. पर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन में इसको आनन-फानन में लागू कर दिया गया. इसकी वजह क्या है? क्या यह वजह है कि बड़े-बड़े अधिकारियों और मंत्रियों के बच्चे अल्टरनेटिव मेडिसिन में नहीं, बल्कि एमबीबीएस का कोर्स करते हैं. मेडिकल एजुकेशन में एक समान नियम सरकार क्यों नहीं ला पा रही है? इसकी क्या वजह है?
- **पाचवां सवाल** कि सारा बोझ बच्चों पर क्यों? अगर किसी कॉलेज के 50 फीसदी से ज्यादा बच्चे 'नेक्स्ट' परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होते हैं, तो एनसीआईएसएम उस कॉलेज पर क्या कर्रवाई करेगा? क्या एनसीआईएसएम ने इसको लेकर कोई रूपरेखा बनायी है? अगर नहीं बनायी है, तो इसका मतलब स्पष्ट है कि इस परीक्षा का उद्देश्य शिक्षा के स्तर को सुधारना नहीं, बल्कि मात्र एक खानापूर्ति है, जो सिर्फ छात्रों की मानसिक और आर्थिक परेशानी को बढ़ायेगा. सरकार को चाहिए कि इस नोटिफिकेशन को तत्काल रद्द करे. अगर इसे लागू करना भी है, तो नये सत्र से करे और वो भी इस परीक्षा के सही उद्देशों को स्पष्ट करने के बाद. मेडिकल एजुकेशन और हेल्थ पॉलिसी को लेकर सरकार को और काफी ज्यादा सजग और संजीदा होने की आवश्यकता है.

(डॉ. अनुज कुमार पेशे से एक मैक्सिलोफेशियल सर्जन और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट हैं.)

नीट यूजी की काउंसलिंग टली जल्द घोषित होंगी नई तिथियां

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मामले की सुनवाई

नीट यूजी काउंसिलिंग को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है. एनटीए ने शनिवार को होने वाली काउंसलिंग टाल दी. शिक्षा मंत्रालय जल्द ही नई संशोधित तारीखों की घोषणा करेगा. यह स्थगन तब हुआ, जब सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग में देरी करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह कोई खुली और बंद प्रक्रिया नहीं है. कोर्ट ने दोहराया था कि नीट यूजी काउंसलिंग को रोका नहीं जाएगा. सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई सोमवार करेगा. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस असदुद्दीन इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं.

इससे पहले शुक्रवार को केंद्र ने परीक्षा रद्द न करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था. सरकार ने कहा था नीट की परीक्षा रद्द नहीं की जा सकती, इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों के भविष्य पर उल्टा प्रभाव पड़ेगा.

कांग्रेस ने कहा-पीएम और शिक्षा मंत्री असंवेदनशील

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित होने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, पूरा नीट यूजी मामला हर दिन बदतर होता जा रहा है. इससे साफ होता है कि प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री इस मामले में कितने अक्षम और असंवेदनशील हैं. हमारे लाखों युवाओं का भविष्य उनके हाथों में बिल्कुल सुरक्षित नहीं है.

दूसरे राज्यों में छिप नहीं पाएंगे क्रिमिनल, हवाई जहाज से जाकर दबोचेगा जांच दल

प्रमुख संवाददाता। रांची

- 400 किलोमीटर से अधिक दूर जाने पर मिलेगी हवाई यात्रा की सुविधा
- अविलंब गिरफ्तारी और सजा दिलाने में होगी समय की बचत
- **हवाई यात्रा की सुविधा देश की सीमा के अंदर ही अनुमान्य होगी**
- गृहकारा-आपदा प्रबंधन विभाग के प्रस्ताव पर लगी मुहर, संकल्प जारी

गृह, कारा व आपदा प्रबंधन विभाग ने अपराध पर नियंत्रण, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने और व्यापक न्यायहित में समय की बचत के लिए हाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया था. प्रस्ताव में कहा गया था कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपराधों की जांच करने वाली पुलिस टीमों को वायुयान यात्रा की अनुमति दी जाए. इस पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस सुविधा का उपभोग तभी किया जाय, जब यात्रा का गंतव्य बिंदू सड़क मार्ग से 400 किलोमीटर से अधिक हो, बशर्ते हवाई यात्रा से पूर्व विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रधान संचिव या सचिव से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

क्या था गृह विभाग का प्रस्ताव

गृह, कारा व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया गया था कि राज्य में विभिन्न अपराध की घटनाओं में दर्ज किए गए मामलों की संख्या के साथ-साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले में भारी वृद्धि हुई है. अपराधी द्वारा सिम कार्ड उपयोगकर्ता बैंक खाताधारक और आईपी पते द्वारा देश के विभिन्न स्थानों से साइबर अपराध किया जाता है. डिजिटल डाटा को आसानी से हेरफेर किया जा सकता है या मिटाया जा सकता है. विभिन्न अपराध के अपराधियों को दूर-दराज एवं भीड़-माड वाली जगहों से सड़क या रेल मार्ग से ट्रांजिट रिमांड पर लाना असुरक्षित और जोखिम भरा है. लंबी यात्रा में अतिरिक्त पुलिस बल और अधिक खर्च की संभावना रहती है. देश के अन्य हिस्सों में अपराधियों को गिरफ्तार किये जाने पर स्थानीय मजिस्ट्रेट द्वारा अनिच्छा से अक्सर 24-48 घंटे से अधिक लंबी अवधि का ट्रांजिट रिमांड दिया जाता है, जिससे गिरफ्तार अभियुक्त को वापस लाना मुश्किल होता है.

वर्तमान में हवाई यात्रा के ये हैं हकदार

- लेवल 15, लेवल 16 एवं लेवल । 17 का वेतनमान प्राप्त करने वाले सरकारी अफसर एक्जेक्यूटिव श्रेणी में यात्रा के हकदार
- लेवल 12, लेवल 13, लेवल 13ए एवं लेवल 14 का वेतनमान प्राप्त करने वाले इकोनोमी श्रेणी में यात्रा के हकदार होंगे
- लेवल 10 व लेवल 11 का वेतनमान प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों को वायुयान से इकोनोमी श्रेणी में यात्रा की अनुमति विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रधान सचिव या सचिव के द्वारा शर्तों के अधीन दी जा सकेगी. जिसमें इस प्रावधान का उपयोग अत्यंत ही विशेष परिस्थिति में किया जाय. यात्रा व्यय मद में उपबंधित राशि को भी ध्यान में रखा जाय. स्वीकृति आदेश में अत्यंत विशेष परिस्थिति को स्पष्ट किया जाय

इन शर्तों पर मिली है हवाई यात्रा की स्वीकृति

- विभिन्न अपराधों से संबंधित वादों की जांच के लिए पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल एवं गिरफ्तार आरोपी व अभियुक्त को वायुयान से यात्रा के लिए महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी प्रमुख व निगरानी प्रमुख से अनुमति अनिवार्य होगी
- वायुयान से यात्रा की सुविधा का उपयोग केवल तभी किया जाएगा, जब ऑपरेशनल जस्टिफिकेशन सक्षम प्राधिकार द्वारा अनुमोदित किया गया हो
- इस तरह की यात्रा की अनुमति देने वाले प्राधिकार यह सुनिश्चित करेंगे कि जांच के लिए गठित पुलिस टीम में आवश्यकता के अनुरूप व न्यूनतम व्यक्ति अनुमान्य किए जाय
- हवाई यात्रा देश की सीमा के अंदर ही अनुमान्य होगी
- वायुयान से यात्रा की अनुमति के पूर्व प्रारंभिक जांच से संतुष्ट होकर ही अनुमति दी जाए
- वायुयान यात्रा के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा कि समान परिस्थितियों में न्यूनतम किराया वाली हवाई यात्रा का चयन किया जाय

ब्रीफ खबरें

सीएम हेमंत से मिलीं डॉ. अजिता भट्टाचार्य

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ. अजिता भट्टाचार्य ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी.

10वीं व 12वीं की पूरक परीक्षा की तिथि जारी

10वीं की पूरक परीक्षा नौ से 13 जुलाई तक चलेगी. नौ से 16 जुलाई तक होगी 12वीं की पूरक परीक्षा

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 10 वीं और 12 वीं की पूरक परीक्षाओं की तिथि की घोषणा कर दी है. 10 वीं की पूरक परीक्षा नौ से 13 जुलाई तक चलेगी. वहीं 12 वीं की पूरक परीक्षा नौ से 16 जुलाई तक चलेगी. 10वीं और 12वीं की परीक्षा दो पालियों में होगी. पहली पाली की परीक्षा सुबह सुबह 9:45 बजे से दोपहर एक बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी.

सचिव ने 18 जुलाई को समीक्षा बैठक बुलायी

रांची। पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक 18 जुलाई को बुलायी है. बैठक में खेल निदेशक, पर्यटन निदेशक और सांस्कृतिक निदेशक भी शामिल रहेंगे. इस बैठक में 12 बिंदुओं पर समीक्षा की जाएगी. इनमें स्वीकृत / निर्मित प्रखंड स्तरीय स्टेडियम की डिटेल रिपोर्ट, जहां रिपेयरिंग/रेनोवेशन की जरूरत हो, उससे जुड़ा प्रस्ताव, सिदो कान्हू युवा क्लब निबंधन की मौजूदा स्थिति, जहां-जहां प्रखंड स्तरीय स्टेडियम नहीं है, उसके प्रस्ताव की समीक्षा की जाएगी. इस संबंध में विभाग ने पांच जुलाई को पत्र जारी किया है.

सत्र के दौरान अफसर रहें उपस्थित : दादेल

रांची। कैबिनेट विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने आदेश जारी कर कहा है कि आठ जुलाई को होने वाले विधानसभा के 16वां सत्र के दौरान सभी पदाधिकारियों को दिन के 11 बजे उपस्थित रहना अनिवार्य है. विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने तक सभी पदाधिकारी सदन की दीर्घा में मौजूद रहेंगे. बताते चलें कि आठ जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विश्वासमत हासिल करेंगे.

चैंबर के स्टार्टअप कॉन्क्लेव मों कैश डॉटकॉम के सीईओ ने कहा

युवा, स्टार्टअप करें रिस्क लें सफलता हर हाल में मिलेगी

रेहान अहमद। रांची

कॉन्क्लेव में शामिल सीएम हेमंत सोरेन और कंपनियों के पदाधिकारी.

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान पर शनिवार को आर्यभट्ट सभागार में झारखंड में स्टार्टअप के क्षेत्र में बेहतर इकोसिस्टम स्थापित करने के उद्देश्य से स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पूर्व राज्यसभा सांसद महेशपोद्दार, स्टार्टअप के चेयरमैन अमित अग्रवाल, रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, आईटी सचिव विपरा भाल, इंद्रजीत यादव, चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री आदि अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया. कैश डाटकाम के सीईओ सुजाता बसु ने कहा कि जॉब छोड़ कर नौकरी कर रहा हूं. मुंबई में ऑफिस है. जिन्होंने तय कर लिया स्टार्टअप करना है, तो रिस्क लेना है, बिना रिस्क के कोई सक्सेस नहीं मिल सकता है. महेंद्र सिंह धौनी ने रिस्क लिया तो आज उनसे रांची व झारखंड की अलग पहचान है, वे एक ब्रांड एंबेस्डर हैं. वे एक बड़े हीरो हैं. उसी तरह हम आप सभी को सक्सेस के लिए रिस्क लेने की जरूरत है.

2023 झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी बनी है : आईटी सचिव

आईटी सचिव विपरा भाल ने कहा कि 2023 झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी बनी है. यह पॉलिसी पूरी तरह से ट्रांसपैरेंट होगा और फ्रेंडली होगी, जिससे स्टार्टअप करने वालों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे.

युवाओं को लाभ होगा, राज्य विकास की ओर अग्रसर होगा : किशोर

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा कार्यक्रम चैंबर की पहल पर राज्य में आयोजित किया गया. नौकरी कराना नहीं, नौकरी देने के लिये प्रयास किया है. यहां के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के अवसर दें, इस पर स्टार्टअप कॉन्क्लेव के आयोजन में कई सुझाव निकल कर आये हैं. इससे युवाओं को लाभ होगा और राज्य विकसित मार्ग की ओर अग्रसर होगा.

झारखंड में नए युग की शुरुआत हुई : अमित अग्रवाल

स्टार्टअप के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने कहा कि झारखंड में नये युग की शुरुआत हुई है. सरकार ने 2023 पॉलिसी बनायी है. 10,000 वर्गफीट में उद्योग सेंटर बनेंगे. इस तरह बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जायेगा.

चैंबर की अच्छी पहल : महेश

पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि चीन में स्टार्टअप से बहुत विकास हुआ है, पूरे भारत में जोश का माहौल है, सभी में कुछ ना कुछ करने का हौसला है. स्किल में बदलाव हुआ है. रोजगार को बढ़ाने का अवसर है. चैंबर की यह बहुत अच्छी पहल है.

स्टार्टअप की एडवाइजरी पर करते हैं पूरा सपोर्ट : आशीष

मुंबई एचडीएफसी बैंक के हेड आशिष अग्रवाल ने कहा कि स्टार्टअप से संबंधित ऑफर देते हैं. लीगल हैंड बुक तैयार किया है, इसमें इसकी जानकारी से लोग अवगत होते हैं. 15-20 सॉफ्टवेयर यूज करनी होती है. यदि कोई स्टार्टअप की एडवाइजरी के लिए आते हैं, तो उन्हें हम पूरा सपोर्ट करते हैं.

बेसिक प्रॉब्लम ढूंढ़ कर दूर करेंगे, तो सक्सेस मिलेगी : गर्ग

ग्रीप के फाउंडर (सीईओ) सनी गर्ग ने कहा कि बेसिक प्रॉब्लम ढूंढ़ कर उसे करना चाहिए. दिल्ली में 1 पीची हॉस्टल, फ्लैट ढूढने में लोग बहुत परेशान होते थे. हम लोगों ने इस प्रोबलम पर 20 बेड से 2017 में शुरुआत की. ढाई साल में 600 बेड हो गये. हमारी टीम ने लोन लिया, ढाई साल में चुका भी दिया. इस तरह हम आगे से आगे बढ़ते गये. उन्होंने कहा कि कॉलेज के युवा 18 से 26 की उम्र में स्टार्टअप शुरू करने का अवसर होता है. तभी सक्सेस मिलेगा.

अपने क्षमता को समझें, फोकस करें : कुणाल

बैमडर के फाउंडर कुणाल प्रसाद ने कहा कि 2010 से काम शुरू किया. बीआईटी मेसरा से मैकेनिकल की पढ़ाई की. आप अपनी क्षमता को समझें, क्या कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें, आप को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है. मैकेनिकल की पढ़ाई के बाद भी मैंने एग्रीकल्चर में फोकस किया और सक्सेस मिला, क्योंकि मेरा यही लक्ष्य था और उसे मैंने अच्छी तरह समझा. इसके लिये अच्छी टीम भी जरूरी है, जुनून है, तो परेशानी दूर होगी नहीं तो खुद दूर हो जाएंगे.

बस लोग अपने स्टार्टअप को पहचानें और आगे बढ़ें : डॉ उरांव

इस अवसर पर वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि रोजगार, नौकरी 2 सेक्टर होते हैं. गारमेंट सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर होते हैं. आजादी से पहले गारमेंट सेक्टर में बहुत नौकरियां थीं, तब प्राइवेट सेक्टर नहीं थे. लेकिन इस समय प्राइवेट सेक्टर अन लिमिटेड नौकरियां हैं. बस लोग अपने स्टार्टअप को पहचानें और आगे बढ़ें. मौके पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मौके पर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, उत्तर प्रदेश, कोलकाता समेत अन्य राज्यों के बिजनेस मैन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में अपने विचार साझा किये. मौके पर बड़ी संख्या में राजधानीवासी शामिल थे.

दूसरी जगह काम के लिए जाते हैं, उन्हें रोकें : डॉ महुआ

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने कहा कि अपने झारखंड राज्य के लोग दूसरे जगह काम के लिए जाते हैं. उन्हें यहां रोका जाये और यहां कैसे रोजगार प्रदान करें, इस पर कार्य होने चाहिए. इस तरह अपना राज्य और तेजी से बढ़ेगा. कोलकाता में पूजा पंडाल में सजावट के निर्माण के लिए गांव की महिलाएं साल भर घर में उससे तैयार करती हैं, एक-एक पंडाल को तैयार करने में 30 से 35 लाख तक का खर्च आता है. झारखंड के गांव से दुर्गा पूजा के समय काम लिये जाये तो ये काम के लिए बाहर नहीं जाएंगे, उन्हें अपने राज्य में रोजगार मिल जाएगा. इस दिशा में पहल करने की जरूरत है.

कुछ बनाने के लिए पैसे नहीं हिम्मत जरूरी : प्रभास

फिलिप कारबन के फाउंडर प्रभास निर्भय ने कहा कि 2014 में फिलिप कार्ड कंपनी शुरू किया. 2022 में झारखंड एंगल्स की शुरुआत की. कुछ बनाने के लिए पैसे नहीं हिम्मत की जरूरत होती है, हार्ड वर्क की नहीं स्मार्ट वर्क की जरूरत है. यदि हम सोचें की हम क्या दे सकते हैं, सिर्फ लेने वाली इच्छा को दूर करना होगा. हम खुद क्या कर सकते हैं, जब यह अपने में आ जाएगा तो सक्सेस मिल जाएगा.

कोर्ट की खबरें

ईडी कंप्लेन केस में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर सीएम हेमंत की याचिका पर 15 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन पर ईडी (इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर याचिका पर रांची सिविल कोर्ट में अब 15 जुलाई को सुनवाई होगी. एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि तय की है.

प्रथम दृष्टया कोर्ट ने माना कि हेमंत ने ईडी के समन का उल्लंघन किया : एमपी एमएलए के विशेष कोर्ट में चल रही सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. दरअसल जमीन घोटाला से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को अलग-अलग तारीख को 10 बार समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे. आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे,जिसे समन की अवहेलना माना गया है. इस मामले में हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट का भी रुख कर चुके हैं.

आलमगीर ने विस सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी

रांची। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम ने विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी है. इसे लेकर आलमगीर ने अपने अधिवक्ता के जरिये रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई होगी. टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने आलमगीर आलम को 15 मई को गिरफ्तार किया था. फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं. ईडी उनके खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल कर चुकी है, जिसपर कोर्ट जल्द संज्ञान ले सकता है.

मोदी सरनेम केस : राहुल के खिलाफ 29 जुलाई को पेश की जाएगी गवाही

रांची। रांची एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी से जुड़े एक मामले में गवाही की तिथि निर्धारित कर दी गयी है. शनिवार को कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ केस करने वाले शिकायतकर्ता को गवाह प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. अब इस मामले में कोर्ट 29 जुलाई को सुनवाई करेगा. दरअसल रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी नाम के व्यक्ति ने राहुल गांधी के खिलाफ मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर मानहानि का केस किया है. जिसपर रांची एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई चल रही है.

शाह मामले में राहुल के खिलाफ दायर याचिका पर कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज केस में रांची सिविल कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में रांची के एमपीएमएलए विशेष कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया था. अब तक कोर्ट को यह जानकारी नहीं मिली है कि राहुल गांधी को समन सर्व हुआ है या नहीं, क्योंकि कोर्ट को समन की सर्विस रिपोर्ट नहीं मिली है. राहुल के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने केस दर्ज कराया था.

संजीव लाल की बेल पर अब 13 को सुनवाई

रांची। टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर अब 13 जुलाई को सुनवाई होगी. पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था. शनिवार को न्यायालय में सुनवाई नहीं होने के कारण अगली सुनवाई के किए तिथि मिली है.संजीव लाल ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है.

दुबई-हांगकांग में बैठकर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

सौरभ सिंह। रांची

- विदेश में बैठकर झारखंड में ठगी कर रहे साइबर अपराधी
- सीआईडी ने 12 साइबर अपराधियों का लुकआउट नोटिस जारी किया

दुबई और हांगकांग में रहकर झारखंड में ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ सीआईडी ने लुकआउट नोटिस जारी किया है. दरअसल झारखंड में बीते कुछ महीने के दौरान हुई साइबर ठगी की वारदातों में विदेशी कनेक्शन सामने आया है. साइबर अपराधी विदेश में बैठकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं. ऐसे में सीआईडी ने विदेश में बैठे 12 साइबर अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया है, ताकि ये अपराधी अगर देश के किसी भी हिस्से के एयरपोर्ट पर नजर आयें, तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सके.

सीआईडी साइबर क्राइम ब्रांच को एयर सर्विस भी करायी जा रही मुहैया : देश के अलग-अलग हिस्सों से हाल के दिनों में साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की गयी है. इसके लिए सीआईडी की ओर से साइबर क्राइम ब्रांच को एयर सर्विस भी मुहैया करायी जा रही है, ताकि साइबर अपराधियों तक पहुंचने में देर ना हो. झारखंड पुलिस अब यूपी, असम, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी छापेमारी कर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर रही है. सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार, विदेश में बैठकर जितनी भी ठगी की जा रही है, उनमें से अधिकांश को टेलीग्राम ऐप द्वारा अंजाम दिया जा रहा है.

संकल्प जारी झारखंड सेवा संहिता के नियम 21 के तहत हुई घोषणा

पेंशन, सांस्थिक वित्त, अंकेक्षण निदेशालय के हेड होंगे निदेशक

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार के वित्त विभाग के अधीन गठित निदेशालयों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट निदेशक ही होंगे. बताते चलें कि वित्त विभाग को पुनर्गठित करते हुए तीन निदेशालयों पहला, पेंशन व लेखा निदेशालय दूसरा कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय और तीसरा अंकेक्षण निदेशालय का गठन किया गया है. इन तीनों निदेशालयों के निदेशकों को विभागाध्यक्ष घोषित करने की आवश्यकता है, ताकि निदेशालय के निदेशक द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों का प्रयोग किया जा सके. इस आवश्यकता को देखते हुए पेंशन एवं लेखा निदेशालय, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय तथा अंकेक्षण निदेशालय के निदेशकों को झारखंड सेवा संहिता के नियम 21 के तहत विभागाध्यक्ष घोषित किया गया है. वित्त विभाग ने इसका संकल्प जारी कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार निदेशकों को झारखंड सेवा संहिता, झारखंड वित्त नियमावली एवं झारखंड सरकार के अन्य नियमों एवं संहिताओं में प्रदत्त विभिन्न शक्तियों (प्रशासनिक एवं वित्तीय आदि) का प्रयोग करने की अनुमति दी गयी है.

वित्तीय प्रबंधन प्रणाली में भी हो चुका है संशोधन

इससे पहले वित्त विभाग वित्तीय प्रबंधन प्राणाली में संशोधन कर चुका है. नयी वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के तहत नेक्स्ट जेन इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (आइएफएमएस) सरकार द्वारा इस्तेमाल किया जाएगा. यह एक वेब-आधारित समाधान है. इसे राज्य में वित्तीय नियोजन और खर्च नियंत्रण में दक्षता लाने के लिए डिजाइन किया गया है. इस अत्याधुनिक पोर्टल ने विभिन्न हितधारकों जैसे वित्त विभाग, कोषागार, प्रशासनिक विभाग, महालेखाकार, आरबीआई और बैंकों को भूमिका आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड के साथ एक प्लेटफॉर्म में आ जाएंगे.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, रविवार 07 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 2 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 89 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

पटमदा में अवैध गिट्टी और लकड़ी लदे दो ट्रैक्टर जब्त

जमशेदपुर । पटमदा के अंचलाधिकारी विजय कुमार महतो ने शनिवार को कमलपुर थाना क्षेत्र में अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया. काश्मार गांव के पास दोपहर करीब पौने एक बजे अंचलाधिकारी ने गिट्टी लदा एक ट्रैक्टर जब्त कर कमलपुर पुलिस के हवाले कर दिया. कुछ देर बाद अवैध लकड़ियों से लदा एक अन्य ट्रैक्टर को जब्त कर वन विभाग के हवाले किया.

जादूगोड़ा के खान प्रबंधक कल्याण नाथ का निधन

जादूगोड़ा । यूसिल जादूगोड़ा माइंस के खान प्रबंधक कल्याण नाथ का शनिवार अहले सुबह निधन हो गया. वे बीते कई सालों से कैंसर से पीड़ित थे. जमशेदपुर मेहरबाई अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. देर शाम जादूगोड़ा मुक्ति धाम में उनके शव का अंतिम संस्कार किया गया. उनके छोटे पुत्र ने मुखाग्नि दी. उनके निधन पर यूसिल के मजदूरों एवं अधिकारियों ने शोक जताया है.

बेलाजुड़ी काली मंदिर के पास गड्ढे में गिरा टेलर

जमशेदपुर । एमजीएम थाना अंतर्गत बेलाजुड़ी काली मंदिर के पास शनिवार को एक टेलर अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे गड्ढे में जा गिरा. घटना के बाद आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए. इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. चालक ने बताया कि टेलर जमशेदपुर से कोलकाता जा रहा था. इस दौरान बेलाजुड़ी के पास एक ट्रक ओवरटेक करने लगा. जिससे टेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गया.

बाइक सवार युवकों ने महिला से चेन छीनी

जमशेदपुर । गोलमुरी थाना अंतर्गत सिरिस रोड में मेहरबाई टाटा मेमोरियल अस्पताल की नर्स दुर्गा डे से बाइक सवार युवकों ने गले से चेन की छिनतई कर ली. घटना शुक्रवार देर शाम की है. इस संबंध में दुर्गा डे ने गोलमुरी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. महिला ने बताया कि वह घर जा रही थी. इसी बीच बाइक सवार दो युवक पीछे से आए और सोने की चेन छीनकर फरार हो गए.

यूसील प्रबंधन व नरवापहाड़ विस्थापित कमिटी की बैठक

जादूगोड़ा । यूसिल प्रबंधन व नरवापहाड़ यूसिल विस्थापित कमिटी की शनिवार को नरवापहाड़ में बैठक हुई. इधर बैठक में विस्थापित कमिटी के सलाहकार सह राजदोहा माझी बाबा माझी युवराज टुडू ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष 19 मृतक विस्थापितों के परिजनों के नियोजन का मुद्दा उठाया. बैठक में सेवानिवृत्त विस्थापितों के बदले उनके आश्रितों को बहाली देने की मांग उठाई.

सड़क दुर्घटना में घायल की इलाज के दौरान मौत

जमशेदपुर । सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह में शुक्रवार शाम हुई सड़क दुर्घटना में घायल बागबेड़ा मतलाडीह निवासी शंकर तियू की शनिवार सुबह एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. शंकर शुक्रवार शाम अपने भाई विशाल तियू को छोड़कर लौट रहा था. लौटने के क्रम में बाइक अनियंत्रित होकर ठेले में जा घुसी जिससे शंकर के सिर पर गंभीर रूप से चोट लगी.

जुगसलाई नप ने चलाया विशेष सफाई अभियान

जमशेदपुर । जुगसलाई नगर परिषद की ओर से शनिवार को सफाई स्टॉप डायरिया कैंपेन के तहत सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ विशेष सफाई अभियान चलाया. इसके तहत डिस्पेंसरी रोड, चौक बाजार, गौशाला चौक, शंकर ठेला, रथ गली, पोस्ट ऑफिस लेन, बाटा चौक, नया बाज़ार आदि क्षेत्र में साफ-सफाई, कूड़े का उठाव, नाली सफाई आदि का कार्य किया गया. इस दौरान चुना ब्लीचिंग का छिड़काव किया गया.

श्री लक्ष्मीनारायण प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ के चौथे दिन पूजा-अर्चना व नगर भ्रमण के बाद भगवान का शय्याधिवास

मंदिर में लगे पैसे से जनकल्याण हो, तो उसकी महत्ता बढ़ जाती है : किशोर कुणाल

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

पटना स्थित श्री महावीर मंदिर के संरक्षक व पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल ने कहा कि किसी नए मंदिर के निर्माण की अपेक्षा किसी पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार करना ज्यादा अहम है. मंदिर का जीर्णोद्धार ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य है और विधायक सरयू राय ने वही किया है. श्री कुणाल यहां केबुल टाउन में आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ के चौथे दिन नगर भ्रमण में शामिल होने के लिए शहर पहुंचे हैं.

उन्होंने कहा कि जनता का पैसा मंदिर में लगे और उस पैसे से जनकल्याण हो, तो मंदिर की महत्ता बढ़ जाती है. उन्होंने भरोसा जताया कि श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर भी ऐसा ही होगा. उन्होंने बताया कि धर्म के चार अंग हैं. पहला है-कर्मकांड, दूसरा दर्शन, तीसरा नैतिक मूल्य और चौथा परोपकार है. अगर आप इन चारों पर चलते हैं, इन चारों को मानते हैं तो आप धार्मिक हैं. इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं. विधायक सरयू राय ने तमाम भ्रांतियों को खत्म करके ही जीर्णोद्धार का काम शुरू किया है. आप जो करने जा रहे हैं, उसको लेकर आपका मन साफ होना चाहिए. परमात्मा भी देखता है कि कौन क्या कर रहा है. उन्होंने श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर को झारखंड के लिए शुभ संकेत बताया. बताया कि वह सरयू राय की नीयत से वाकिफ हैं उनकी नीयत बहुत अच्छी है. अतः मान कर चल रहे हैं कि यह मंदिर शानदार तरीके का बनेगा और युगों-युगों तक लोग इस मंदिर की तारीफ करेंगे. श्री कुणाल ने इच्छा जताई कि वह बक्सर से बाहर निकलते ही एक स्थान पर भगवान, राम-लक्ष्मण और गुरु विश्वामित्र की प्रतिमा स्थापित करें. अगर यह हो गया तो उनके जीवन की बड़ी उपलब्धियों में से एक होगा.

इससे पूर्व शनिवार की सुबह भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की विधिवत पूजा की गई. प्रभु को औषधियुक्त जल से स्नान करवाने के पश्चात उनका नेत्रोउन्मूलन किया गया. दिन में आवाहित देवताओं के पूजन के बाद हवन, पाठ भी किया गया. संध्या काल में सभी देवी-देवताओं के विग्रहों को गाड़ियों में आसीन कर नगर भ्रमण कराया गया. नगर भ्रमण में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. नगर भ्रमण में भक्त झूमते-नाचते और प्रभु का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे. इस दौरान देवी-देवताओं की सजीव झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही. संध्या काल में नगर भ्रमण के पश्चात श्री भगवान को शय्याधिवास कराया गया.

धर्म आस्था का विषय है, तर्क का नहीं : जस्टिस पाठक

झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय न्यायमूर्ति एसएन पाठक ने कहा कि मैं यहां सारे प्रोटोकॉल तोड़कर आया हूं. क्योंकि यहां मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य हो रहा है. यह मेरी आस्था का सवाल है. धर्म तर्क का विषय नहीं, आस्था का विषय है. अत: वे मानते हैं कि हमारे संविधान में लिखित सेक्युलरिज्म हमारे पुराने और पवित्र ग्रंथ रामायण में भी है. आप श्री रामायण जी को पढ़ेंगे, तब समझ में आएगा कि इस कृति में कैसे सेक्युलरिज्म है. जैसे हनुमान के बगैर राम अधूरे थे, वैसे ही सरयू राय के बगैर मैं भी अधूरा हूं. क्योंकि, बक्सर में जिस शिव भगवान के मंदिर का मैं जीर्णोद्धार कर रहा हूं, वह सरयू राय के बगैर संभव ही नहीं था. दरअसल, उस मंदिर के जीर्णोद्धार का श्रेय भी उन्हें ही है. उन्होंने कहा कि बक्सर के गांव ब्रह्मपुर के शिव मंदिर का जीर्णोद्धार बिना सरयू राय के मदद से होता ही नहीं. अत: यही कह सकता हूं कि इस मंदिर के जीर्णोद्धार को संपन्न कराने में मैं चट्टान की तरह अडिग हूं.

वेद अनुशीलन केंद्र व पुस्तकालय बनाने की इच्छा

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक व श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जीर्णोद्धार समिति के संयोजक सरयू राय ने किशोर कुणाल और वरीय न्यायमूर्ति एसएन पाठक का परिचय कराया और दोनों के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की. श्री राय ने इस मंदिर के जीर्णोद्धार से संबंधित अपने अब तक के अनुभव भी साझा किये. उन्होंने कहा कि वह इस मंदिर का न तो निजी, न ही राजनीतिक इस्तेमाल होने देंगे. यह विशुद्ध रूप से एक धार्मिक मंदिर होगा, जहां धर्म की चर्चा होगी, धार्मिक कार्य होंगे और मेरी अभिलाषा है कि यहां एक वेद अनुशीलन केंद्र बने और एक पुस्तकालय हो जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिले.

महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा आज, तैयारियां पूरी

व्यवस्था के लिए पुलिस बल के साथ तैनात रहेंगे 12 मजिस्ट्रेट

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की रथयात्रा को लेकर शहर में आयोजकों की तैयारियां अंतिम चरण में है. शहर की सबसे बड़ी तथा लंबी दूरी की रथयात्रा इस्कॉन की ओर से निकाली जाती है. पूर्व की भांति इस बार भी बिष्टुपुर स्थित राम मंदिर से रविवार दोपहर बाद रथयात्रा निकलेगी. तीन अलग-अलग रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा सवार रहेंगी. जिसे भक्त खींचते हुए मौसीबाड़ी तक ले जाएंगे. जहां तीनों सप्ताहभर विश्राम करेंगे.

दूसरी ओर रथ यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. शहर को 8 थाना क्षेत्र में बांटकर पुलिस बल व दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट) तैनात किए गए हैं. 7 जुलाई एवं 15 जुलाई को लौटती रथ यात्रा के दिन दंडाधिकारी तैनात रहेंगे. एसडीओ पारूल सिंह ने बताया कि बिष्टुपुर राम मंदिर से निकलने वाली रथयात्रा को लेकर यातायात प्रभावित नहीं हो इसकी जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस को दी गई. भीड़ बढ़ने की स्थिति में दूसरा मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खोला जाए.

इसी तरह अन्य क्षेत्रों की रथयात्रा के दौरान सड़कों पर भीड़ बढ़ने की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग का चयन करने के लिए कहा गया है. उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त कर दिए गए हैं. साथ ही थानास्तर से पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया गया है.

इस बीच मुहर्रम व भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर शनिवार को पटमदा थाना परिसर में बीडीओ पियूषा शालीना डोना मिंज की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए रथ यात्रा व मुहर्रम त्योहार को हर साल की भांति इस साल भी सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गई. बैठक में पटमदा डीएसपी वचन देव कुजूर, इंस्पेक्टर कौशेलेन्द्र कुमार, थाना प्रभारी करम पाल भगत, जिला पार्षद प्रदीप बेसरा, बिंदु वाला महतो समेत कई लोग शामिल हुए.

शनिवार को प. सिंहभूम के कराईकेला स्थित जगन्नाथ मंदिर में नेत्र उत्सव अनुष्ठान का आयोजन किया गया. श्री मंदिर के सेवक सह पुजारी पंडित जगदीश चंद्र ठाकुर एवं प्रशांत दास ने पूजा अर्चना की.

खासमहल जगन्नाथ मंदिर में रथ को सजाने में जुटे श्रद्धालु.

जमशेदपुर में इन जगहों से निकलेगी रथयात्रा

बिष्टुपुर राम मंदिर (इस्कॉन), नागा मंदिर बेलडीह, श्री श्री जगन्नाथ मंदिर खासमहल, काली मंदिर नामदा बस्ती, जगन्नाथ मंदिर गांधी आश्रम, जुगसलाई रथ गली, गोलपहाड़ी जगन्नाथ मंदिर, भारतीय कृष्ण भावनामृत संघ, सिदगोड़ा बाबूडीह बस्ती एवं उत्कल एसोसिएशन साकची.

कई संगठन लगाएंगे सेवा स्टॉल

रथयात्रा में श्रद्धालुओं की सहायता के लिए कई संगठनों की ओर से सेवा शिविर लगाया जाएगा. बिष्टुपुर लाइट सिग्नल, टेम्पो स्टैंड, गोपाल मैदान गोलचक्कर, जुस्को गोलचक्कर, आरडी टाटा स्टेडियम, समेत कई जगहों पर स्टॉल लगाकर भक्तों के बीच पानी, चना, शर्बत आदि का वितरण होगा. सिंहभूम चैंबर एवं मारवाड़ी युवा मंच की ओर से इसको लेकर तैयारी की गई है. मारवाड़ी समाज की महिला इकाई भी सेवा कार्य में तत्पर रहेगी.

मोबाइल वापस नहीं दिया तो हत्या कर जंगल में फेंक दी लाश, नौ गिरफ्तार

बोड़ाम के जंगल में 10 जून को मिला था पटमदा के राजाराम सोरेन का शव

- ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने किया मामले का खुलासा

संवाददाता । जमशेदपुर

बोड़ाम थाना अंतर्गत लायलाम के जंगल में पटमदा निवासी राजाराम सोरेन की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था. पुलिस ने हत्या में शामिल महिला समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में सेफाली मांडी, सुरेश बेसरा उर्फ भादू बेसरा, जनमंजय महतो उर्फ छोटु महतो उर्फ भोथडो महतो, कार्तिक मुर्मू, छोटु सबर उर्फ गोटा सबर, सुपल सबर उर्फ फुचू सबर, अर्जुन बेसरा, श्रवण माण्डी उर्फ टेंपू माण्डी और कबीर हुसैन शामिल हैं. सभी बोड़ाम थाना क्षेत्र के पगदा गांव के रहने वाले हैं. घटना के 26 दिनों बाद शनिवार को ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने मामले का खुलासा किया.

ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि मृतक राजाराम जमशेदपुर में मजदूरी करता था. वह 9 जून को मजदूरी के लिए घर से निकला पर वापस नहीं लौटा. दूसरे दिन पुलिस ने लायलाम के जंगलों में राजाराम का शव पाया. शरीर पर चोट के निशान थे इसलिए पुलिस इसे हत्या मान रही थी. पुलिस ने स्थानीय चौकीदार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की. जांच में पुलिस ने पाया कि चार साल पहले राजाराम की पत्नी की मौत हो गई थी जिसके बाद सेफाली का घर में आना-जाना लगा रहता था. सेफाली के भी पति की मौत हो गई है.

सेफाली ने बताया कि राजाराम के पास उसका मोबाइल था जो वह वापस नहीं कर रहा था. घटना के दिन उसने राजाराम को घर बुलाया था. घर के बाहर मोबाइल को लेकर विवाद हुआ जिसके बाद स्थानीय लोगों ने राजाराम की पिटाई कर दी. पिटाई से राजाराम की मौत हो गई जिसके बाद साक्ष्य छुपाने के लिए उसके शव को उठाकर 200 मीटर की दूरी पर जंगल में फेंक दिया. ग्रामीण एसपी ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

फरार आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार

जमशेदपुर । गोलमुरी थाना अंतर्गत केबुल कंपनी के पास हवाई फायरिंग करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रकाशनगर निवासी अमरजीत सिंह उर्फ अमर उर्फ सेट्ठी घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया. शनिवार को केस के अनुसंधानकर्ता एसआई गौरव कुमार गाजे-बाजे के साथ वीर सिंह के आवास पहुंचे और घर से बाहर इश्तेहार चिपकाया. उन्होंने परिजनों को बताया कि एक माह के अंदर कोर्ट या थाना में हाजिर नहीं होने पर पुलिस घर की कुर्की करेगी. 16 अप्रैल को अमरजीत और उसके अन्य साथियों ने केबुल कंपनी के पास हवाई फायरिंग की थी.

टाटा स्टील के सीआरएम में क्रेन पर कार्यरत कर्मचारी की मौत

संवाददाता । जमशेदपुर

टाटा स्टील के सीआरएम में एनएस ग्रेड कर्मचारी नरेश प्रसाद (32 वर्ष) की शनिवार को मौत हो गई. नरेश आरआर बे एंट्री पर क्रेन नंबर 44 में कार्यरत थे.

जानकारी के अनुसार नरेश को क्वाइल शिफ्टिंग का काम दिया गया था. सुबह चार बजे जब वे अपने क्रेन के केबिन में चढ़ने के लिए गए पर काफी देर तक क्रेन शुरू नहीं हुई. साथी कर्मचारियों ने उनके वाकी-टॉकी पर संपर्क किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. इसके बाद नरेश की तलाश शुरू की गई. कुछ देर बाद वे ट्राली की तरफ से क्रेन पर गिरे हुए पाए गए. इसके बाद साथी कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल एंबुलेंस की मदद से टीएमएच लेकर गए जहां जांच के बाद डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. कंपनी प्रबंधन का मानना है कि संभवतः लड़खड़ा कर गिरने के कारण नरेश की मौत हुई है.

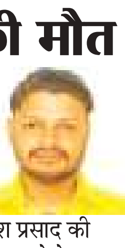

नरेश प्रसाद की फाइल फोटो

विवाद अपना फायदा चाहते हैं कॉमर्स हेड : कुलसचिव, मेरी ऐसी कोई मंशा नहीं है : डॉ एपी वर्मा

कोल्हान विवि में रिटायर्ड शिक्षक ही बने रहेंगे शोधार्थियों के गाइड

आनंद मिश्र । जमशेदपुर

कोल्हान विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहे शोधार्थी अपने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं. शोधार्थियों विश्वविद्यालय प्रशासन से रिटायर हो चुके शिक्षकों के बजाय अब सेवारत शिक्षकों को गाइड बनाने की मांग कर रहे हैं.

इसे लेकर वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियम-परिनियम का हवाला दे रहे हैं. वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन रिटायर्ड शिक्षकों को ही गाइड बनाये रखने पर अड़ा हुआ है.

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि एक संकाय के हेड अपने फायदे के लिए नये नियमों की बात कर रहे हैं. लेकिन जिन नियमों के तहत शोधार्थियों का एनरॉल्मेंट हुआ है, उसी के तहत उनकी पीएचडी पूरी करायी जायेगी. इसे लेकर विश्वविद्यालय की ओर से कई उदाहरण भी दिये जा रहे हैं.

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती ने स्पष्ट रूप से कहा कि कॉमर्स के हेड अपने फायदे के लिए इस तरह के नियम-परिनियम की बात कर रहे हैं. वे ऐसे सभी शोधार्थियों को अपने अधीन लेना चाहते हैं, जिनके गाइड रिटायर्ड या निलंबित हैं. उन्होंने बताया कि जिस प्रकार सेवा शर्त के मुताबिक कर्मचारी को वे सुविधाएं ही प्राप्त होती हैं, जो नियुक्ति के समय शर्तों में शामिल होती हैं. ठीक उसी प्रकार शोधार्थियों के एनरॉल्मेंट के समय यूजीसी के जो नियम-परिनियम थे, उन्हीं के तहत उनकी पीएचडी पूरी करायी जायेगी.

दूसरी ओर कॉमर्स संकाय के हेड डॉ एपी वर्मा ने कहा कि यदि कुलसचिव ने ऐसा कहा है, तो यह बिल्कुल गलत है. उन्हें कोई फायदा नहीं लेना है. बल्कि वे शोधार्थियों का फायदा देख रहे हैं. इसके लिए यूजीसी पीएचडी गाइडलाइन 6.2 देखा जा सकता है.

इस मसले पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने निर्णय ले लिया है और निर्देश भी जारी कर दिया है. इसके अलावा किसी भी शोधार्थी ने उनके अधीन शोध के लिए आवेदन नहीं किया है और न ही उन्हें किसी शोधार्थी का गाइड बनना है.

निलंबित शिक्षक का निलंबन होगा वापस

दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि निलंबित शिक्षक का निलंबन जल्द ही वापस लिया जायेगा. गबन के मामले में गिरफ्तारी के पश्चात वे जेल भी जा चुके हैं. इसके अलावा आगामी एक दो महीने में वे सेवानिवृत्त होनेवाले हैं. इसके मद्देनजर आगामी सिंडिकेट मीटिंग में प्रस्ताव प्रस्तुत कर उनका निलंबन वापस लेने पर विश्वविद्यालय विचार कर रहा है, ताकि उन्हें सेवानिवृत्ति का लाभ मिल सके.

क्या है नियम ?

विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि नियम के अनुसार जिन शिक्षक अथवा गाइड के अधीन शोधार्थी का एनरॉल्मेंट होगा वे ही उसकी पीएचडी पूरी करायेंगे. इस बीच कुछ शिक्षक यूजीसी पीएचडी गाइडलाइन 6.2 का हवाला देते हुए बताते हैं कि रिटायर्ड अथवा निलंबित शिक्षक किसी शोधार्थी के गाइड नहीं हो सकते. उनके स्थान पर अन्य शिक्षक को गाइड बनाया जाना चाहिए.

क्यों हो रही दो बार डीआरसी

कई शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से दोबारा या तीसरी बार डीआरसी के लिए कहा जा रहा है. इससे शोधार्थी खासे परेशान हैं. इस संबंध में विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि उनकी डीआरसी के दौरान उपस्थित डीन के अलावा अन्य सदस्यों में से कुछ ने हस्ताक्षर किये हैं और कुछ ने नहीं किये हैं. इस वजह से उनकी डीआरसी मान्य नहीं हो पा रही है. यही वजह है कि उन्हें पुन: डीआरसी के लिए कहा जा रहा है.

सरायकेला में सोमवार को रोजगार मेला

आदित्यपुर । सोमवार को मॉडल करियर सेंटर सह जिला नियोजनालय सरायकेला में सुबह 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा. इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी रवि कुमार ने बताया कि रोजगार मेला में जिले की प्रमुख एवं प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा कुल 532 पदों पर बहाली लेंगी. चयनित लोगों को सरायकेला-खरसावां, जमशेदपुर एवं चाईबासा में पदस्थापित किये जाएंगे. उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न संस्थानों द्वारा 12 हजार रुपये से 40 हजार रुपये प्रतिमाह तक का वेतन भुगतान किया जाएगा. साथ ही उन्हें कैंटीन, बस सर्विस सहित पीएफ, ईएसआईसी एवं इंसेंटिव जैसी अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी. इस रोजगार मेला में भाग लेने के लिए नये और अनुभवी अभ्यर्थियों की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए. 8 वीं, 10 वीं, इंटरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, बीटेक, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थी इसमें भाग ले सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

सर्वदलीय एकता मंच का डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

जमशेदपुर । सर्वदलीय एकता मंच ने शनिवार को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के बाद एक मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा गया. जिसमें विगत पांच माह से बंद कदमा केडी फ्लैट के समीप का सार्वजनिक रास्ता को खोलने व कदमा मेन रोड गोल चक्कर के समीप पुराना फूड प्लाजा के पास अवैध रुप से कराए गए निर्माण को हटाना शामिल है. संयोजक संजीव आचार्या ने बताया कि कदमा केडी फ्लैट मेन रोड व आउटर सर्किल रोड का इस्तेमाल लोग वर्षों से करते आ रहे थे, उसे राजनीतिक दवाब के कारण टाटा स्टील ने बंद कर दिया.

बहरागोड़ा में मनाई गई पं. गोपबंधु की पुण्यतिथि

बहरागोड़ा । शनिवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा गांव में स्थित गोपबंधु चौक पर मूर्ति स्थापना समिति और गोपबंधु पाठागार के सदस्यों ने उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की पुण्यतिथि मनाई. सभी ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. उधर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर दिनेश कुमार षाड़ंगी ने पंडित गोपबंधु दास के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. इस मौके पर डॉक्टर षाड़ंगी ने कहा कि उत्कलमणि गोपबंधु दास संपूर्ण उत्कल समाज के सर्वमान्य समाज सुधारक के रूप में माने जाते हैं.

दुर्गा मंडप में होगी मां विपत्तारिणी की पूजा

घाटशिला । धात्री संघ लालडीह की ओर से दुर्गा मंडप परिसर में मंगलवार को सार्वजनिक रूप से मां विपत्तारिणी की पूजा पहली बार शुरू की जाएगी. अमित राय ने बताया कि घाटशिला में शायद ही कहीं सार्वजनिक रूप से मां विपत्तारिणी की पूजा होती है. इससे मोहल्ले के लोगों को दूर-दराज जाकर पूजा करनी पड़ती थी. लोगों ने निर्णय लिया कि मां विपत्तारिणी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाएगी. अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से दुर्गा मंडप में आयोजित मां विपत्तारिणी की पूजा में सम्मिलित होने का अनुरोध किया गया है.

रामबचन बने भारतीय आजाद सेना के जिलाध्यक्ष

जमशेदपुर । बागबेड़ा के हरहरगुट्टु निवासी सह रंभा ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशंस के निदेशक रामबचन को भारतीय आजाद सेना का जमशेदपुर जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया. बिरसानगर रोड नंबर 3 निवासी आनंद मुखी को महासचिव तथा साकची मोहम्डन लाइन निवासी मो. हमीद को अल्पसंख्यक इकाई का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया. पार्टी प्रभारी सदन कुमार ठाकुर ने रामबचन एवं मो. हमीद को जल्द जिला कमिटी का विस्तार करने के लिए कहा. जिससे पार्टी जिले की सभी विधानसभा सीटों पर सशक्त प्रत्याशी उतार सके.

पंचायत प्रतिनिधियों ने की सांसद से पहल की अपील

जमशेदपुर । जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत रेलवे क्षेत्र की 18 पंचायतों में जन कल्याणकारी विकास कार्य ठप्प होने का मामला तूल पकड़ रहा है. शनिवार को उपरोक्त पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियों की एक बैठक प्रखंड सभागार में हुई. उक्त बैठक में सांसद बिद्युत बरण महतो की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि संजीव कुमार उपस्थित हुए. एक-एक करके सभी पंचायत प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. सांसद प्रतिनिधि ने सभी को आश्वस्त किया कि इस मामले में रेलवे एवं सरकार के स्तर से वार्ता कर इसका समाधान निकाला जाएगा.

सहायक अभियंता ने किया जलमीनार का निरीक्षण

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड के कुमड़ाशोल पंचायत अंतर्गत हातिबारी शिव मंदिर के पास मौजूद जलमीनार का निरीक्षण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता सीताराम बैठा ने शनिवार को किया. जलमीनार के दो खंभे निर्माण के बाद झुक गये थे. उसे ठेकेदार ने पत्थर देकर सीधा कर दिया था. हातिबारी के ग्रामीणों ने इस संबंध में विभाग से शिकायत की थी. सहायक अभियंता ने संबंधित ठेकेदार को जलमीनार को खोलकर झुकाव को दुरुस्त कराने का आदेश दिया है. मौके पर विभाग के कनीय अभियंता अलोक राय और ठेकेदार के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

घाटशिला के संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में अचीवर्स पुरस्कार समारोह आयोजित

वार्षिक परीक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

- 96 विद्यार्थी पुरस्कृत

संवाददाता । घाटशिला

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर के मल्टीमीडिया में शनिवार को वार्षिक परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों व विजेताओं को उनके अभिभावकों के सामने सम्मानित करने हेतु अचीवर्स पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि घाटशिला की बीडीओ युनिका शर्मा को फल की टोकरी देकर स्वागत किया. विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत एवं बिहु नृत्य की प्रस्तुति की गई.

विद्यालय प्राचार्य नीलकमल सिन्हा ने मुख्य अतिथि तथा उपस्थित अभिभावकों का स्वागत किया तथा विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाइयां देते हुए हमेशा जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया. समारोह में सत्र 2023 -24 की कक्षा तृतीय से पांचवीं के कुल 96 विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके द्वारा किए गए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया.

इसमें 18 विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए, 20 विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए एवं 58 विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए स्कॉलर पुरस्कार दिया गया. कार्यक्रम में विद्यालय की प्रशासिका शोभा गनेरीवाल, प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक बजाज, शिक्षक अनूप कुमार पटनायक, एसआर दत्ता, सरस्वती राय पटनायक, इंद्र कुमार राय एवं सुजाता वर्मा उपस्थित थे.

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तत्पर रहें : बीडीओ

मुख्य अतिथि यूनिका शर्मा ने विद्यालय के वातावरण की प्रशंसा की. उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए तत्पर रहने, जीवन की विविध परिस्थितियों का सामना डटकर व निडरता से करने का परामर्श दिया. बच्चों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए उन्हें सही पथ पर चलने की सलाह दी.

कमल सिंह के घर जादूगोड़ा पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

जमानत मिलने के बाद 10 वर्षों से फरार

- कोर्ट ने दिया था एसएसपी को हाजिर कराने का निर्देश

संवाददाता । जादूगोड़ा

1500 करोड़ का चिटफंड घोटाला

इश्तेहार चिपकाती जादूगोड़ा पुलिस (इनसेट) आरोपी कमल सिंह.

जादूगोड़ा में 1500 करोड़ के चिटफंड घोटाला के मुख्य आरोपी कमल सिंह के जादूगोड़ा थाना अंतर्गत धर्मडीह स्थित उसके आवास पर पुलिस ने इश्तेहार चिपपकया. जमशेदपुर के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सौदामनी ने सीनियर एसपी को बीते दिनों नोटिस भेज आरोपी कमल सिंह गिरफ्तार कर अदालत में हाजिर करने का निर्देश दिया था. इसके पूर्व भी चिटफंड घोटाला का मुख्य सरगना कमल सिंह को 11 जुलाई 2018 एवं 7 जून 2022 को कोर्ट में हाजिर होने को लेकर नोटिस भेजा जा चुका है. अदालत से जमानत मिलने के बाद से आरोपी कमल सिंह 2014 से फरार चल रहा है.

उल्लेखनीय है कि उसके खिलाफ शिकायतवाद संख्या 3326/ 2014 के तहत कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई थी. एक दर्जन से अधिक पीड़ित परिवारों ने उसके खिलाफ रुपये की हेराफेरी व गबन को लेकर जादूगोड़ा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी. कमल सिंह ने एजेंटों की एक बड़ी फौज खड़ी कर रखी थी और एक लाख की जमा पूंजी पर प्रतिमाह 5 हजार का ब्याज देने का वादा करता था. इस लालच में हजारों यूसीलकर्मी, कंपनी अधिकारी व्यापारी फंसते चले गए. बाद में लोगों की गाढ़ी कमाई लूट कर फरार हो गया. जबकि हजारों एजेंट करोड़पति हो गए. इस चिटफंड के काली कमाई में कई लोगों ने अपने रिटायरमेंट के पैसे भी दाव पर लगा दिये थे. उनकी पूरी राशि डूब गई. आज भी लोगों की निगाहें कोर्ट पर टिकी हैं कि उन्हें देर-सबेर न्याय मिलेगा. अब कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए जिले के एसएसपी को नोटिस भेज कर उसे हाजिर करने का फरमान जारी किया है. जिसको लेकर जादूगोड़ा थाना के सब इंस्पेक्टर सोमनाथ पडियार, चौकीदार पुराण चंद्र भक्त व सोनू गोप ने उसके धर्मडीह आवास पर इश्तेहार चिपकाया.

जिप चेयरमैन व सुंदरनगर पुलिस में ठनी, समर्थकों ने थाना व चौक घेरा

चौक पर ठेला लगाने व हटाने को लेकर विवाद

सुनील शर्मा । जमशेदपुर

जिला परिषद चेयरमैन व सुंदरनगर पुलिस के बीच ठन गई है. विवाद का कारण सुंदरनगर चौक पर एक महिला का ठेला लगाने व उसे पुलिस द्वारा हटाने को लेकर है. इस मामले में शनिवार को चेयरमैन के समर्थकों ने चौक एवं थाना का घेराव कर दिया. बाद में समझाए जाने के बाद मामला शांत हुआ. चौक व थाना के घेराव के कारण एक घंटे तक टाटा-हाता व टाटा-जादूगोड़ा रोड जाम रहा. जिसके कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. इसे देखते हुए पुलिस ने जिला परिषद चेयमैन से बात की. चेयरमैन ने पुलिस को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द सड़क किनारे गिराई गई बालू-गिट्टी हटवाकर गरीब महिला का ठेला लगवाया जाय.

दरअसल सुंदरनगर चौक पर संतोषी देवी नामक महिला विगत 20 वर्षों से ठेला लगाकर पकौड़ी-आलूचॉप वगैरह बेचती थी. उसके ठेला के सामने वहीं के रहने वाले कमलदेव सिंह ने 26 जून 2024 को बालू-गिट्टी गिरवा दिया. जिससे महिला का कारोबार प्रभावित हुआ. महिला ने बालू-गिट्टी हटाने के लिए कहा. लेकिन निर्माण सामग्री हटाने की बजाय कमलदेव सिंह अपने छह-सात समर्थकों के साथ महिला को धमकाने लगा. उसने उल्टे सुंदरनगर थाने में महिला एवं उसके पति के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी. शिकायत के बाद पुलिस संतोषी देवी के पति दिलीप कुमार सिंह को पकड़कर थाने ले गई. उसकी पिटाई की तथा सादे कागज पर ठेला नहीं लगाने की बात लिखवा ली. इसकी शिकायत संतोषी देवी ने जिला परिषद चेयरमैन बारी मुर्मू से लिखित रूप में की. शिकायत मिलने के बाद बारी मुर्मू ने थाना प्रभारी से इस मामले में बात की. लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई. जिसके बाद शनिवार को बारी मुर्मू ने समर्थकों के साथ सुन्दरनगर चौक व थाना का घेराव कर दिया.

सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु व किशोर भारती का गठन

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ईचड़ासोल अवस्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को शिशु मंदिर स्तर के शिशु भारती एवं विद्या मंदिर स्तर के किशोर भारती का गठन लोकतांत्रिक तरीके से किया गया. जिसमें शिशु भारती में अध्यक्ष मानस रंजन गिरि, उपाध्यक्ष स्नेहा माईति, सचिव अमितेश भुंईया, सहसचिव वंदना शर्मा, कोषाध्यक्ष हेमा पाल, सदस्य आरोही अग्रवाल, पायल जाना, रेखा मुंडा, श्रीजीता नायेक एवं मानिक मुंडा चुने गए. किशोर भारती में अध्यक्ष शुभाशीष साहू, उपाध्यक्ष उषाश्री बाग, सचिव शिवलाल वास्के, सहसचिव सैकत गिरि, कोषाध्यक्ष तृप्ति बेरा, सदस्य अनुष्का साहू, रिमिषा साव, कनिका सीट, तुहिना माईति एवं मानस जेना तथा मुख्य सेनापति मौसमी साव एवं सह सेनापति में गोपीनाथ का चयन किया गया.

सर्वप्रथम विद्यालय में वंदना हुई तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार नायक ने शिशु भारती एवं किशोर भारती गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए इनके उत्तरदायित्व एवं कार्य पर सारे विषय वस्तु सभी विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किये. उसके बाद आचार्य हरिहर माइति के संचालन से मतदान विधि का प्रयोग करते हुए शिशु भारती एवं किशोर भारती का चुनाव कार्य लोकतंत्रात्मक तरीके से संपन्न हुआ.स्कूल के प्रधानाचार्य वासुदेव प्रधान ने परिणाम की घोषणा की.

जेवरात सफाई के नाम पर महिला से ठगी

- आदित्यपुर में सोने की चेन उड़ा ले गए ठग

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के कल्पनापुरी में एक महिला से जेवरात की सफाई करने के नाम पर ठगी हुई है. कल्पनापुरी की रहने वाली 34 वर्षीय महिला दीपशिखा से एक व्यक्ति ने लगभग 90 हजार रुपए मूल्य के सोने की चेन लॉकेट ठग लिया है. पीड़ित महिला ने थाना में इस बात की लिखित शिकायत दर्ज कराई है. घटना शनिवार दोपहर 12 बजे के करीब की है. बता दें कि इन दिनों आदित्यपुर थाना क्षेत्र में सोने-चांदी और पीतल के बर्तन साफ करने के नाम पर जेवरात गायब करने वाले गिरोह के लोग सक्रिय हो गए हैं. पीड़ित महिला ने बताया कि दो युवक टाइल्स साफ करने की बात कहकर उनके घर पहुंचे थे. उसमें से एक युवक ने पीतल के बर्तन साफ करने के बहाने एक पाउडर दिया. उसके बाद अपने बातों के झांसे में लेकर सोना-चांदी के जेवरात भी साफ करने की बात कही. इससे वह उनके झांसे में आ गई और अपने गले में पहने सोने का चेन, जिसमें लॉकेट भी लगा हुआ थ, उसे साफ करने के लिए दे दिया. इसी बीच युवक ने एक पोटली में चेन बंद कर उन्हें वापस दे दिया और कहा कि थोड़ी देर बाद इसे खोलिएगा. थोड़ी देर बाद पोटली को खोला तो उसमें से चेन गायब था. महिला ने बताया कि दोनों युवकों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसे पुलिस को सौंप दिया है. पुलिस महिला का बयान दर्ज कर सीसीटीवी कैमरा का फुटेज खंगाल दोनों युवकों की पहचान और तलाश कर रही है.

भाजपा ने मनाई डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

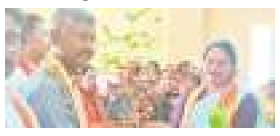

घाटशिला । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को आनंद मंगल भवन पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद उपस्थित थे. भाजपा नेत्री गीता मुर्मू ने उन्हें पौधा देकर सम्मानित किया. डॉ. मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया.

करनडीह से परसुडीह तक सड़क निर्माण के लिए भाजपा का धरना

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

करनडीह से लेकर परसुडीह तक सड़क का अविलंब निर्माण कराने समेत जनहित के अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा सुंदरनगर मंडल की ओर से शनिवार को करनडीह के निकस्थ दुर्गा पूजा मैदान के करीब धरना दिया गया. इस क्रम में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में अपनी बातें रखी तथा नारे लगाये. तत्पश्चात सभी प्रखंड कार्यालय पहुंचे. वहां बीडीओ डॉ सुधा वर्मा को उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंप कर अपनी मांगों से अवगत कराया.

बीडीओ को बताया गया कि करनडीह चौक से शीतला चौक परसुडीह की मेन सड़क पाइपलाइन व बिजली के तार का अंडरग्राउंड बिछाने के दौरान खोदी गयी थी. गड्डों को सिर्फ मिट्टी से ही भर कर छोड़ दिया गया. इस कारण आये दिन दुर्घटना होती रहती है. उत्तरी करनडीह पंचायत में पुराने तहसील कार्यालय के सामने का नाला काफी दिनों से जाम हो गया है और रोड पर नाले का पानी बह रहा है.

प्रतिभा विद्या भारती चिन्मया विद्यालय की अग्रिमा मिश्रा व शिक्षा निकेतन की आद्या शर्मा प्रथम

तुलसी जयंती पर हनुमान चालीसा पाठ प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

ग्रुप 1 (कक्षा 1 से 3 तक)

प्रथम : अग्रिमा मिश्रा, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय टेल्को.
द्वितीय : आदित्य उपाध्याय, हिल टॉप स्कूल टेल्को एवं परिधि कुमारी, एसडीएसएम स्कूल फॉर एक्सीलेंस सिदगोड़ा.
तृतीय : आर्यश्री, एआईडब्ल्यूसी एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस बारीडीह एवं आकृति तिवारी, डीबीएमएस स्कूल कदमा.
प्रोत्साहन पुरस्कार : तमन्ना महतो, विद्या भारती चिन्मय विद्यालय टेल्को राजवार पासवान, प्रगति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बिरसानगर, साहिल दुबे, चिन्मया विद्यालय साउथ पार्क बिष्टुपुर, हृदय पेरिवाल डीएवी बिष्टुपुर.

ग्रुप 2 (कक्षा 4 से 6 तक)

प्रथम : आद्या शर्मा, शिक्षा निकेतन, टेल्को.
द्वितीय : दिशा दास, डीएवी बिष्टुपुर, आराध्या गुइन, एसडीएसएम स्कूल फ़ॉर एक्सीलेंस, सिदगोड़ा, प्रियांशु चटर्जी, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय टेल्को.
तृतीय : हिमांशु ठाकुर, एआईडब्ल्यूसी एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस बारीडीह.
प्रोत्साहन पुरस्कार : हर्षराज, डीएवी बिष्टुपुर, श्रेयांस मिश्रा, एसबीएम मानगो, पंचमी प्रमाणिक, हिल टॉप स्कूल टेल्को, सारंगी घोष, चिन्मया विद्यालय साउथ पार्क, बिष्टुपुर.

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में तुलसी जयंती समारोह के तहत विगत 29-30 जून को आयोजित हनुमान चालीसा पाठ प्रतियोगिता-2024 के परिणामों की घोषणा शनिवार को कर दी गयी. ग्रुप-1 में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थी शामिल थे. इनमें टेल्को स्थित विद्या भारती चिन्मया विद्यालय की अग्रिमा मिश्रा एवं ग्रुप 2 (कक्षा 4 से 6 तक) में शिक्षा निकेतन की आद्या शर्मा ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया. प्रतियोगिता में दोनों ग्रुपों में 22 विद्यालयों के 480 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. पुरस्कार विजेताओ का तुलसी भवन कार्यकारिणी ने हार्दिक अभिनंदन किया और आगामी 18 अगस्त को तुलसी जयंती समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

रीति रिवाज के साथ हुई ज्योति पहाड़ पर पूजा

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के गुहियापाल पंचायत अंतर्गत ज्योति पहाड़ी पर आसपास के ग्रामीणों ने अच्छी बारिश तथा क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना करते हुए पहाड़ पूजा की. पुजारी विजय नायक ने वैदिक रीति रिवाज के साथ शनिवार को ग्रामदेवी तथा पहाड़ में अवस्थित विभिन्न देवी देवताओं का पूजा अर्चना की. वहीं इस पहाड़ पूजा के अवसर पर ओडिसा, पश्चिम बंगाल तथा आसपास क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए हुए भक्तजनों की भीड़ उमड़ पड़ी. यहां लोगों का मानना है कि आज के दिन पहाड़ पूजा करने पर अच्छी बारिश तथा फसल का पैदावार अधिक होती है साथ ही क्षेत्र में सुख समृद्धि बनी रहती है.

भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

आदित्यपुर । भाजपा आदित्यपुर मंडल के शक्ति केंद्र संख्या 16 में शनिवार को महान शिक्षाविद्, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर के सामने दीप प्रज्ज्वलित किया. इसके बाद फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस कार्यक्रम में मंडल मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह, संतोष शाह, विवेक महतो, रवि ओझा, कश्यप महतो, रजनीश सहाय, सुखदेव सरदार, उमेश महतो, आशिम महतो, विकाश कुमार, प्रकाश महतो आदि मौजूद थे.

सूखे कुएं में रेन वाटर हार्वेस्टिंग कराने की मांग

आदित्यपुर । निरंतर घटते जलस्तर को देखते हुए निगम क्षेत्र के वैसे सैंकड़ों कुएं जो सूख चुके में हैं, उसमें वाटर हार्वेस्टिंग कराने की मांग नगर निगम के प्रशासक से की गई है. बता दें कि नगर निगम प्रशासन ने सभी अपार्टमेंट्स में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग कराने का आदेश दिया है. इस विषय शनिवार को वार्ड 32 के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन दिया है. ज्ञापन में रोड नंबर 16-17 स्थित पार्क में अवस्थित गहरे कुएं में वर्षा जल संचयन को लेकर वाटर हार्वेस्टिंग कराने की मांग की है. प्रतिनिधिमंडल में बैकुंठ चौधरी, ब्रजेश पांडेय, अनिल प्रधान और विष्णु देव गिरि शामिल थे.

डुमरिया के खड़िदा वैष्णव टोला में चापानल की मरम्मत

डुमरिया । प्रखंड के खड़िदा वैष्णव टोला में विगत कई दिनों से ग्रामीण पेयजल समस्या से जूझ रहे थे. टोला में मौजूद चापानल खराब हो गया था. इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही थी. कहीं सुनवाई नहीं होने के बाद सांसद विद्युत वरण महतो को ग्रामीणों ने इसकी सूचना दी. इसके बाद शुक्रवार को चापानल की मरम्मत कर दी गई. ग्रामीणों को पेयजल समस्या से राहत मिली और उन्होंने इसके लिये सांसद का आभार जताया है . मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बेहुला नायक, सांसद प्रतिनिधि बसंत मदिना, मृत्युंजय दंडपाट, किशोर गिरी, बिसु माझी समेत ग्रामीण उपस्थित थे.

थल सैनिक कैंप इंटर ग्रुप कंपीटीशन के लिए चयन

जमशेदपुर । जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की पांच एनसीसी कैडेट्स का थल सैनिक कैम्प के इंटर ग्रुप कंपीटीशन के चयन हुआ है. आगामी 10 से 19 जुलाई तक बिहार के बरौनी में इस कैंप का आयोजन होगा. चयनित कैडेट्स में रिया कुमारी, अनीमा कुमारी, रायमुनी कुमारी, कृष्णा गोप और साक्षी राय शामिल हैं. यह कैंप थल सेना कैंप के तीसरे पड़ाव के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जो इस प्रशिक्षण श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है. बरौनी में आयोजित यह इंटर ग्रुप कंपीटीशन कैडेट्स को शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से तैयार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है.

पत्रकारिता की छात्राओं ने किया फिल्मों का प्रदर्शन

जमशेदपुर । वीमेंस यूनिवर्सिटी में पत्रकारिता एवं संचार विभाग की तृतीय वर्ष की छात्राओं अपनी फिल्मों का प्रदर्शन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता ने की. इस अवसर पर मुख्य अतिथि अर्का जैन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के राहुल अमीन थे. छात्राओं ने विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की शिक्षिका शालिनी प्रसाद की अध्यक्षता और निर्देशन में फिल्में प्रस्तुत की. इन फिल्मों में वोट के लिए जागरूकता, छठ पूजा की सुंदरता और महिलाओं के अस्तित्व की बातें शामिल थीं.

पुरी के लिये बादामपहाड़ से रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन शुरू

जमशेदपुर । ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा को लेकर रेलवे ने बादामपहाड़ से पुरी के लिए वाया टाटानगर रथ यात्रा स्पेशल की शुरुआत की है. बादामपहाड़ स्टेशन से सुबह 6 बजे ओडिशा के वन पर्यावरण मंत्री गणेश राम सिंह ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. ट्रेन को 8.20 बजे टाटानगर पहुंचना था पर 15 मिनट लेट से पहुंची. पुरी पहुंचने का निर्धारित समय रात के 9.15 बजे है. पुरी से ट्रेन रात 2.30 बजे रवाना होगी जो दोपहर 2.10 बजे टाटानगर और शाम 6.15 बजे बादामपहाड़ पहुंचेगी.16 जुलाई तक यह ट्रेन चलेगी.

रंभा कॉलेज में मना वन महोत्सव, लगाए गए 96 पौधे

जमशेदपुर । रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन गीतिलता में शनिवार को वन महोत्सव के तहत वृहद तौर पर पौधारोपण किया गया. जिसमें केला, नींबू, आम, अंजीर, तेजपत्ता, इलाइची समेत कुल 96 पौधे लगाए गए. अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत झारखंड प्रांत के सहयोग से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंभा शैक्षणिक संस्थान के निदेशक रामबचन व उनकी धर्मपत्नी रंभा देवी मौजूद रहीं.

डेढ़ दशक से बन रहे जेल की हो रही रंगाई-पोताई, नये जेल के भवन निर्माण में घटिया सामान का किया इस्तेमाल

करोड़ों की लागत से बना जेल, उद्घाटन से पहले ही भवन में दरार

चक्रधरपुर में चाईबासा-रांची नेशनल हाइवे 75 (ई) के किनारे बना नये जेल का भव्य भवन.

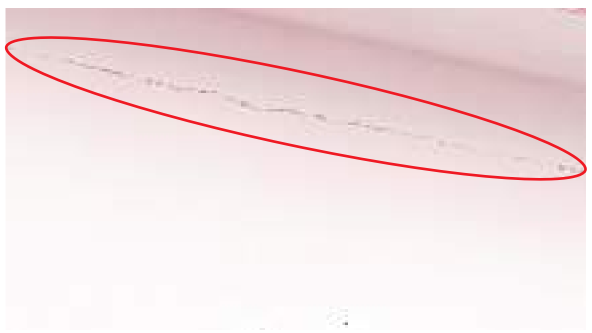

चक्रधरपुर में नये जेल भवन में पड़ी दरार लाल घेरे में.

- नये जेल में बनाया गया है सेंट्रल किचन

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले में कैदियों को रखने के लिए दूसरा जेल का निर्माण हो चुका है. इसकी रंगाई-पोताई का काम चल रहा है. चक्रधरपुर स्थित नेशनल हाईवे के पास यह जेल बना है. करोड़ों रुपये की लागत से इसका निर्माण हुआ है. जेल के उद्घाटन से पहले ही भवन में दरार पड़ने लगी है. बताया जाता है कि सरकार के करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी इसमें घटिया सामान का उपयोग किया गया है. इसकी वजह से दीवारों में अभी से दरार आ गई है.

चाईबासा-रांची मुख्य मार्ग एनएच 75(ई) के किनारे चक्रधरपुर में करीब डेढ़ दशक पूर्व जेल का निर्माण कार्य शुरू किया गया था. लेकिन किसी न किसी वजह से इसका निर्माण कार्य हमेशा अधर में लटक रहा था. लेकिन इस बार जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और रंगाई पोताई का कार्य चल रहा है. अगस्त के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. बताया जाता है कि जेल के अंदर 300 कैदियों को रखने की क्षमता है. इसमें महिला कैदियों के लिए अलग से बैरक का निर्माण किया गया है. वहीं जेल में अस्पताल के आलावा महिला कैदी को काम सिखाने के लिए अलग से सेंटर बैरक का निर्माण किया गया है.

वहीं पुरुष कैदियों के लिए फीडिंग प्लेटफॉर्म बनाया गया है, जहां पुरुष कैदी आकर भोजन करेंगे. वहीं महिला कैदियों के लिए डायनिंग हॉल और किचन बनाया गया है. इसके आलावा एक सेंट्रल किचन बनाया गया है. साथ ही प्रशासनिक भवन, वीडियो कॉन्फ्रेंस हाल, लाईब्रेरी भवन सहित अन्य सुविधाओं के लिए भवन का निर्माण किया गया है. इसके आलावा अलग से सेल बनाया गया है, जिसमें आठ कैदियों के रखने की व्यवस्था है. जेल की सुरक्षा के लिए जेल मैनुअल के मानक के अनुसार कार्य किये गये हैं और मुख्य चारदीवारी व वॉच टावर का निर्माण किया गया है. महिला और पुरुष कैदियों से मिलने आने वालों के लिए अलग काउंटर और वेटिंग हॉल बनाया गया है. उनके मुताबिक जेल हर सुविधा से लैस होगी.

जांच नहीं की तो कैदियों को हो सकता है नुकसान

उद्घाटन से पूर्व यदि प्रशासनिक रूप से जांच नहीं होती है तो कैदियों को नुकसान हो सकता है. समय से पहले ही दरारें आना यह संकेत देता है कि कभी भी जेल की दीवार ढह सकती है. भवन निर्माण कंपनी को इस पर गंभीरता से विचार कर जांच करने की जरूरत है. सूत्रों के अनुसार वर्षों से भवन का निर्माण चल रहा है. सही से मैटेरियल का उपयोग नहीं होने की वजह से इस तरह का नुकसान हो रहा है.

सेल, गुवा प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों का स्लो डाउन आंदोलन तीसरे दिन भी जारी

सेल प्रबंधन को हर हाल में हमारी मांगों के आगे झुकने पर मजबूर कर देंगे : कोड़ा

- तीनों पाली में प्रतिदिन 12 से 14 हजार टन उत्पादन होता है
- प्रबंधन कुछ स्थानीय बेरोजगारों को काम पर रखने को तैयार

संवाददाता । किरीबुरू

सेल की गुवा खदान में सेलकर्मियों व ठेका मजदूरों का अनिश्चितकालिन स्लो डाउन आंदोलन पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में 6 जुलाई को तीसरे दिन भी जारी रहा. शाम में पूर्व मुख्य मंत्री मधु कोड़ा गुवा स्थित अपने आवास पहुंचे. यहां उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन को हर हाल में हमारी मांगों के सामने झुकने पर मजबूर किया जायेगा.

यह आंदोलन चार सूत्री मांगों को लेकर किया जा रहा है. मजदूरों की मांग है कि उसमें बीते दिनों बाहर से नियुक्त कर गुवा भेजे गये एस-3 ग्रेड के 18 सेलकर्मियों को तत्काल वापस भेजना, ठेका मजदूरों को समान कार्य का समान वेतन व सुविधाएं, सेवानिवृत्त सेलकर्मियों के आश्रितों को खदान में नौकरी एवं गुवा खदान में 500 पदों पर खदान से प्रभावित सारंडा के गांवों व गुवा के निवासी बेरोजगारों को शत-प्रतिशत नौकरी देना शामिल है.

इस आंदोलन में शामिल चर्चित मजदूर नेता रामा पांडेय ने बताया कि आंदोलन के दूसरे दिन अर्थात् 5 जुलाई को प्रथम पाली में 1000 टन, द्वितीय पाली में 1100 टन एवं तृतीय पाली में 1400 टन उत्पादन हुआ. तीनों पाली मिलाकर 12 से 14 हजार टन उत्पादन प्रतिदिन होता है.

पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन काफी कम उत्पादन गुवा खदान में हुआ. 6 जुलाई को भी यही हाल रहने वाला है. उन्होंने कहा कि प्रबंधन कम उत्पादन के बावजूद व कुछ अधिक उत्पादन होने का दावा कर रही है, जो गलत है.

दूसरी ओर सूत्रों का कहना है कि गुआ प्रबंधन कुछ स्थानीय बेरोजगारों को बतौर सप्लाई/ठेका मजदूर काम पर रखने को तैयार है. लेकिन आंदोलनकारियों की मांग 500 है, जिसपर वह तैयार नहीं है. आंदोलनकारी 150 लोगों को रोजगार देने पर सहमत हो सकते हैं, लेकिन अब दोनों के बीच टेबल पर वार्ता के बाद ही निगोसिएशन के बाद समाधान निकलने की संभावना है. देखना है कि वार्ता कब होती है.

गुवा आवास पहुंचने पर मधु कोड़ा के साथ ठेका मजदूर व यूनियन नेता.

यूनियन नेताओं और मजदूरों के साथ बैठक करते मधु कोड़ा.

आंदोलन और तेज होगा, प्रबंधन हठधर्मिता अपनाये है : कोड़ा

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा शनिवार की शाम गुवा स्थित अपने आवास पहुंचे. उन्होंने चार सूत्री मांगों को लेकर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले स्लो डाउन आंदोलन कर रहे मजदूरों और यूनियन पदाधिकारियों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अंजाम तक पहुंचाया जायेगा. सेल की गुवा प्रबंधन हठधर्मिता अपनाये हुये है. वहीं मजदूर भी अपनी मांगों को लेकर तटस्थ हैं. उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को और तेज किया जायेगा. इसके लिये सारंडा के गांवों में भी जनसम्पर्क अभियान चलाकर तमाम ग्रामीणों व बेरोजगारों को इस आंदोलन से जोड़ा जायेगा. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि सेल प्रबंधन को हर हाल में हमारी मांगों के सामने झुकने पर मजबूर किया जायेगा.

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर कमिटी ने जारी की कार्यक्रम की सूची

किरीबुरु । श्री श्री जगन्नाथ मंदिर कमिटी, हिल्टॉप, किरीबुरु के तत्वावधान में 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा राजा के रुप में किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय एवं रानी के रूप में महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता राय के नेतृत्व में निकाला जायेगा. कमिटी ने कार्यक्रम की सूची जारी करते हुये बताया कि 7 जुलाई को सुबह 5 बजे मंगल आरती, 6 बजे से 8.30 बजे तक मेलामा, अवकाश नीति, 10 बजे राजा आगमन, 10.05 बजे फीता, 10.15 बजे नवयौवन दर्शन, 10.30 बजे भक्तगण दर्शन, 10.40 बजे पूजा, दोपहर 2.30 बजे पुनः राजा आगमन, शाम 3 बजे से 4 बजे तक पूजा और हवन, 4 बजे से 5 बजे तक महाप्रभु पहंडी और छेरापहरा, शाम 5 बजे से रथयात्रा. 11 जुलाई को मौसीबाड़ मंदिर में सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक दैनिक पूजा, 9 बजे से 1 बजे तक सर्व साधारण पूजा, 1 बजे से 3 बजे तक भोग, शाम 7 बजे संध्या आरती होगी. 15 जुलाई को बहुड़ा यात्रा के दिन सुबह 5 बजे से 8 बजे तक दैनिक पूजा, 9 बजे से 1 बजे तक साधारण पूजा, 3 बजे राज्य अभिषेक, 3.15 बजे से 4.15 बजे तक श्रीजीउ अभिषेक, 4.15 बजे से 4.45 बजे तक पहांडी, 4.45 बजे से 5 बजे तक छेरापहरा, 5 बजे से 6 बजे तक यात्रा. 17 जुलाई को सुना बेसा के दिन शाम 7 बजे संध्या आरती. 18 जुलाई को शाम 7 बजे संध्या आरती एवं 19 को सुबह 11 बजे नीलाद्रिबिजे का आयोजन होगा.

ब्रीफ खबरें

गांजा कारोबारी ने वृद्ध पर किया हमला, आरोपी धराया

किरीबुरु । गुवा थाना अन्तर्गत विवेक नगर निवासी गांजा कारोबारी मृत्युंजय उर्फ मनन सिंह ने पड़ोस के ही वृद्ध महेंद्र प्रसाद साव के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया. इस हमले में महेंद्र प्रसाद साव बुरी तरह घायल हो गये हैं. मारपीट की घटना को देखकर आस पड़ोस की महिलाएं घटनास्थल पर पहुंची और किसी तरह वृद्ध को बचाया. घायल वृद्ध को अस्पताल पहुंचाया. महिलाओं ने गांजा कारोबारी मनन सिंह के खिलाफ गुवा थाना में शिकायत दर्ज कराई. घटना में घायल वृद्ध महेंद्र प्रसाद साव ने बताया कि शनिवार की सुबह गांजा कारोबारी मनन सिंह मेरे घर आकर गालियां दे रहे थे. पुलिस आरोपी को पकड़ थाना ले गई है.

मतदाता सत्यापन कार्य का किया गया पर्यवेक्षण

जमशेदपुर । जिले में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है. इस दौरान शनिवार को सभी आरओ एवं एईआरओ ने भी मतदाता सत्यापन कार्य का पर्यवेक्षण किया. इस दौरान वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप के आवंटन के क्रम में बनाये गए एएसडी सूची से मिलान करते हुए मतदाता सूची से शिफ्टेड, डुप्लीकेट एवं मृत मतदाताओं का नियमानुसार नाम हटाने की कार्रवाई का निर्देश दिया. वहीं पुराने पहचान पत्र को बदलकर नया रंगीन मतदाता पहचान पत्र के लिए जागरूक किया गया. स्टिकर चिपकाने का भी निर्देश दिया गया.

65 हजार वोटर कार्ड ही पहुंचा पाया डाक विभाग

जमशेदपुर । उपायुक्त अनन्य मित्तल ने शनिवार को पोस्टल डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ बैठक कर वोटर कार्ड वितरण कार्य की समीक्षा की. जिसमें पोस्टल डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने बताया कि 22 जनवरी से 14 मई तक जिले के 65 हजार लाभुकों के पास वोटर कार्ड पहुंचाया (डिलीवर) गया. इसमें 353 कार्ड मतदाताओं के मृत, पलायन या अन्य कारणों से डिलीवर नहीं हो पाए.

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल ने ऐसे मतदाताओं की सूची विभाग से मांगी. साथ ही अन्य कारणों से डिलीवर नहीं हो पाये वोटर कार्ड की सूची उचित कारण सहित उपलब्ध कराने के लिए कहा. प्रधान डाकघर से उप डाकघरों में डिलीवरी के लिए लंबित वोटर कार्ड को पुनः प्रयास करते हुए अधिकतम मतदाताओं के डाक पते पर पहुंचाने के लिए कहा गया.

कारमेल उच्च विद्यालय की प्रधानाचार्य को दी गई विदाई

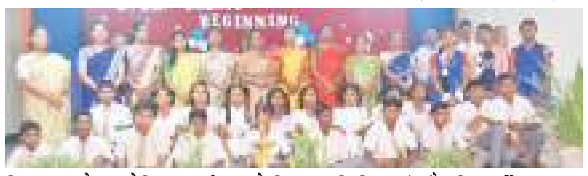

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी.

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के पंप रोड स्थित कारमेल उच्च विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर जगरानी का स्थानांतरण गढ़वा जिला स्थित संत जोसेफ हाई स्कूल विश्रामपुर में हो गया है. इसे लेकर शनिवार को विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सिस्टर जगरानी को फूलों का गुलदस्ता देकर विदाई दी. साथ ही विद्यालय की नई प्रधानाचार्य सिस्टर सरिता निर्मला मिंज का स्वागत किया. इस अवसर पर विद्यालय के सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की. इसके पश्चात प्रार्थना की गई और मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया. विद्यालय की शिक्षिका मिस अनीता ने सिस्टर जगरानी की उपलब्धियों, कार्यों पर प्रकाश डाला. समारोह में मुख्य रूप से पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा, भारतीय स्टेट बैंक चक्रधरपुर शाखा के शाखा प्रबंधक संदीप टोपनो, बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक मौजूद थे.

आज निकलेगी महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा

चक्रधरपुर । महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा रविवार को निकाली जाएगी. चक्रधरपुर के पुरानी बस्ती स्थित जगन्नाथ मंदिर में रथ का निर्माण किया गया है. इस पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ सवार होंगे और रथ यात्रा निकाली जाएगी.

शनिवार को कराईकेला स्थित जगन्नाथ मंदिर में धार्मिक परंपराओं के साथ नेत्र उत्सव अनुष्ठान का आयोजन किया गया. धार्मिक संस्कार के तहत श्री मंदिर के सेवक सह पुजारी पंडित जगदीश चंद्र ठाकुर एवं प्रशांत दास ने पूजा अर्चना की. मंदिर का पट खुलते ही प्रभु जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए श्रद्धालु मंदिर पहुंचे. मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर प्रभु को सिंहासन पर बैठाया गया. साथ ही प्रभु का श्रृंगार भी किया गया. इसके उपरांत पंडित महाप्रसाद व पकवान का भोग लगाया गया.

संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में एकल नृत्य प्रतियोगिता का किया आयोजन

- पंजाब, प. बंगाल, झारखंड के लोक नृत्य पेश किये

संवाददाता । चक्रधरपुर

देश के विभिन्न राज्यों की लोक नृत्य की झलक शनिवार को चक्रधरपुर के पोटका स्थित संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में देखने को मिली. मौका था संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में एकल नृत्य प्रतियोगिता का. इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एकल नृत्य के दौरान पंजाब, पश्चिम बंगाल, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान समेत अन्य राज्यों के लोक नृत्य की प्रस्तुति दी. बच्चों के नृत्य को खूब सारा गया. मौके पर स्कूल के प्राचार्य फादर एस पुथुमय राज ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों में छिपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है. विद्यार्थियों को इस तरह के प्रतियोगिता में भी हिस्सा लेना चाहिए. वहीं सिस्टर रानिट ने कहा कि विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है. इस अवसर पर निर्णायक मडली में शामिल निर्णायकों ने विद्यार्थियों के नृत्य, पोशाक, हावभाव के आधार पर अंक दिए. सर्वश्रेष्ठ नृत्य पेश करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया. इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

संत जेवियर इंग्लिश मीडियम स्कूल में एकल नृत्य प्रस्तुत करते विद्यार्थी.

आस्था | 201 महिलाएं कलश यात्रा निकाल कर पैदल पहुंचीं मंदिर और स्थापित की गई कलश

चौका में लक्ष्मी नारायण मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा आज

- देवघर और काशी से पहुंचे हैं विद्वान पंडित
- अनुष्ठान को लेकर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया

संवाददाता । चांडिल

चौका स्थित बीएन पैलेस दादुर बागान परिसर में निर्मित लक्ष्मी नारायण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा रथ यात्रा के पावन अवसर पर रविवार को की जाएगी. इसके लिए शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. पीला साड़ी में माथे पर कलश लेकर 201 महिलाओं समेत अन्य श्रद्धालु मंदिर परिसर तक पहुंचे और कलश स्थापित किया.

शनिवार शाम में देवी-देवताओं को नगर भ्रमण कराया गया. इसके बाद मंदिर परिसर में प्रवचन का आयोजन किया गया है. रविवार को सुबह बेदी पूजन के बाद प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में महादेव शिव जी और हनुमान जी का भी मंदिर बनाया गया है. तीनों मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान एक साथ होगा. प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है.

चौका स्थित बीएन पैलेस दादुर बागान में निर्मित लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए देवघर बाबाधाम और शिव नगरी काशी से विद्वान पंडित चौका पहुंचे हैं. इसकी जानकारी देते हुए आयोजक स्वपन साहू और इंद्रजीत साहू ने बताया कि शत्रुघ्न पांडेय व अनिल पांडेय की अगुवाई में बनारस से और ओम प्रकाश शास्त्री की अगुवाई में देवघर के पंडितों का दल अनुष्ठान संपन्न करा रहे हैं. अनुष्ठान के दौरान सोमवार को हवन के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा. वहीं मंदिर परिसर में विशाल भंडारा का भी आयोजन किया गया है. इसके पूर्व सात जुलाई की शाम भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है. भजन संध्या में टाटानगर में भजन प्रवाहक महावीर अग्रवाल उर्फ मुन्ना और भजन प्रवाहिका सुमित्रा बनर्जी भजन प्रस्तुत करेंगे. भजन संध्या में आकर्षण का मुख्य केंद्र नृत्य नाटिका रहेगी.

कलश यात्रा में 201 महिलाओं समेत शामिल अन्य श्रद्धालु.

चौका स्थित बीएन पैलेस दादुर बागान में नवनिर्मित लक्ष्मी नारायण मंदिर.

न्यूज अपडेट

भाजपा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई जयंती

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के वन विश्रामागार में शनिवार को भाजपा नगर कमेटी ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई. मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष संजय पांडेय, मुख्य वक्ता प्रदेश कार्य समिति सदस्य अभय सिंह, चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशि भूषण सामड उपस्थित थे. इस दौरान सभी लोगों ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर और फूल माला चढ़कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. मौके पर अभय सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान क्रांतिकारी नेता के साथ-साथ महान शिक्षाविद् थे. झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी ने भी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी से जुड़ी हुई बातों को बताया.

भाजपा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

किरीबुरु । भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेघाहातुबुरु स्थित भाजपा कार्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती हर्षोउल्लास के साथ मनाई. उनकी तस्वीर पर सभी ने माल्यार्पण किया. इसके बाद कार्यकर्ताओं की बैठक भाजपा एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष शंभू हाजरा की अध्यक्षता में हुई. बैठक में बीते दिन कोटगढ़ में कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा पार्टी संगठन की नीतियों के खिलाफ बैठक कर पार्टी तथा वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मीडिया में गलत बयान देने की निंदा की गई. बैठक में शंभू हाजरा, संजीव राय, मधुसुदन तुबिद, श्याम गुप्ता, अरविन्द लाल, राजकुमार गुप्ता, शिव कुमार गुप्ता, गोपी लागुरी, धीरेन्द्र सिंह, दामू आदि मौजूद थे.

लायंस क्लब चाईबासा व लावण्या का शपथ ग्रहण समारोह

चाईबासा । लायंस क्लब चाईबासा एवं लावण्या का नए सत्र 2024-25 का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय होटल में पदस्थापन अधिकारी एमजेएफ सीमा वाजपेयी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. इसमें मुख्य रूप से प्रेरणा अधिकारी सह मंत्रिमंडल सचिव शुभम वाजपेयी, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवनीत चौधरी, मंडल अध्यक्ष शालिनी सराफ उपस्थित थे. प्रजना दोदराजका ने गणेश वंदना की. लायंस क्लब चाईबासा में चार नए सदस्य निरंजन गोयल, निशान चौबे, अभिनय खिरवाल तथा प्रेम टिबरेवाल को शपथ दिलाई गई. नए सत्र में लायंस क्लब चाईबासा की ओर से साकेत चौबे को अध्यक्ष, निखिल अग्रवाल को सचिव एवं कुंदन गोयल को कोषाध्यक्ष एवं लावण्या की ओर से ज्योति रूंगटा को अध्यक्ष, आरती मोदी को सचिव एवं प्रीति विजयवर्गी को कोषाध्यक्ष को शपथ दिलाई गयी.

आसमान छूती सब्जियों की कीमत से जनता परेशान

किरीबुरु । किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में सब्जियों की कीमत आसमान छूने लगी है. सब्जियों की बढ़ती कीमत से गरीब वर्ग परेशान होने लगे हैं तथा सब्जियां अब उनकी थाली से दूर होने लगी है. मेघाहातुबुरु में शनिवार को लगने वाली साप्ताहिक शनिचरा हाट में सब्जियों की कीमत इस प्रकार से रही. प्याज-50 रुपये, आलू-35-40 रुपये, टमाटर-80 रुपये, लहसुन-240 रुपये, अदरक-200 रुपये, कच्चू-60 रुपये, भिंडी-60 रुपये, पटल-60 रुपये, बैगन-60 रुपये, करैला-60 रुपये, नेनुआ-40 रुपये, कुन्दरू-40 रुपये, गाजर-60 रुपये, हरी मिर्च-200 रुपये, लौकी-30 रुपये, गाजर-60 रुपये, खीरा-40 रुपये, कच्चा केला-40 रुपये, फूल गोभी-80 रुपये और पत्ता गोभी-40 रुपये प्रति किलो बिक्री हुई.

पौधरोपण कर संस्थापक सुखराम ने ग्रामीणों के बीच बांटे फलदार पौधे

संवाददाता । चांडिल

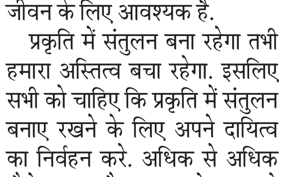

चांडिल प्रखंड क्षेत्र के कादलाकोचा व मातकोमडीह में रविवार को झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेम्ब्रम ने फलदार पौधों का वितरण किया. कादलाकोचा के प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम वन प्रमंडल एवं संरक्षण समिति के लोगों को करीब 350 फलदार पौधों का वितरण किया गया.

मौके पर सुखराम हेम्ब्रम के अलावा अन्य अतिथियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आम, अमरूद, जामुन, कटहल समेत कई प्रकार के फलदार पौधा भी लगाया. इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने पौधरोपण कर प्रकृति को हरा भरा रखने का संकल्प लिया. इस अवसर पर सुखराम हेम्ब्रम ने कहा कि प्रकृति से हमारा अटूट संबंध है. मनुष्य जीवन की कई जरूरत प्रकृति से ही पूरी होती है, जो जीवन के लिए आवश्यक है.

प्रकृति में संतुलन बना रहेगा तभी हमारा अस्तित्व बचा रहेगा. इसलिए सभी को चाहिए कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए अपने दायित्व का निर्वहन करे. अधिक से अधिक पौधे लगाए और उसका पोषण करते हुए उसे पेड़ में तब्दील करें. मौके पर श्याम मार्डी ने भी लोगों को पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम में मुखिया सुकलाल मुर्मू, माझी बाबा रवींद्र टुडू, नेपाल बेसरा, हाड़ीराम सोरेन, भास्कर टुडू, राजेन टुडू, शंकर हांसदा, नारायण किस्कू, जगदीश मार्डी समेत कई लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

रथयात्रा आज, हजारों भक्तों का होगा महाजुटान

चौपारण। भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर है. रथयात्रा में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से हजार से अधिक महिला, पुरुष भक्तों का जमावड़ा लग रहा है. विदेश से भी भक्त चार दिनों के प्रवास पर रहेंगे. जानकारी देते हुए आयोजक डॉ केश्वानंद तथा बंगाल के हल्दिया से आये कुमार लीला प्रभु ने बताया कि आयोजन ऐतिहासिक होगा. इस आयोजन में हल्दिया, आसनसोल, कोलकाता, पूना, औरंगाबाद महाराष्ट्र, मुंबई, कानपुर, गोरखपुर,दरभंगा, नवादा, पटना, धनबाद, हजारीबाग, रांची, बगोदर, बिष्णुगढ, इसरी, सिंदरी, बरही, ईटखोरी, चौपारण, मयुरहंड, चंदवारा, पदमा से बडी संख्या में लोग जुटेंगे. इस्कान के धर्म गुरु कुमारलीला प्रभु से जुड़े लगभग डेढ सौ इंजीनियर तथा अन्य क्षेत्रों में सेवा दे रही टीम सेवा में लगी है.

एनसीसी कैडेट्स ने दिया नशामुक्ति का संदेश

हजारीबाग। नशा मुक्त भारत पखवाड़े के तहत शनिवार को संत कोलंबा महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने आदर्श वाक्य 'जिंदगी को कहें हां, नशे को ना', के साथ जागरूकता रैली का आयोजन किया. रैली का नेतृत्व कॉलेज एनसीसी इकाई के कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ एसके पाण्डेय एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर जीआर दास ने किया. संत कोलंबस के एनसीसी कैडेट्स जोश भरे नारे लगा कर समाज को नशामुक्त रहने का संदेश दे रहे थे. रैली के बाद डॉ पांडेय ने कैडेटों को स्वयं एवं समुदाय की युवा पीढ़ी को नशामुक्त रहने की प्रतिज्ञा दिलाई. कार्यक्रम में 22 झारखंड एनसीसी बटालियन के हवलदार सुरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे.

सीसीएल कर्मी को ट्रक ने रौंदा, मौत

चौपारण। प्रखंड में एनएचएआई का कार्य प्रगति पर है, पर निर्माण कार्य करवा रही कंपनी की लापरवाही के कारण आए दिन निर्दोष लोग बेमौत मर रहे हैं. सिंघरावा में हुई घटना भी इसी का नतीजा है. घटना के संबंध में चौपारण थाना में दिए गए आवेदन में मृतक के पुत्र भीम बाबू ने बताया कि मेरे पिता बैजनाथ नोनिया (51) बोकारो जिला में सीसीएल में कार्यरत थे. शनिवार को सुबह बाइक से पैतृक गांव कुसुमा बसडीहा से बोकारो के लिए निकले थे. इसी क्रम में चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघरावा में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के नीचे पीछे से तेज गति से आ रही ट्रक ने बाइक को धक्का मार दिया, जिससे घटना स्थल पर पिता की मौत हो गयी. पुत्र ने जांच कर गाड़ी और चालक पर कार्रवाई करने की मांग की है.

पति ने पत्नी और बेटे को घर से निकाला

रामगढ़। पति और पत्नी के बीच जब भी कोई लड़की की एंट्री हुई है, वह घर बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है. रामगढ़ में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां प्रेमिका के इश्क में डूबे पति ने अपनी पत्नी और बेटे को घर से बाहर निकाल दिया. प्रताड़ना की सारी हदें पार करने के बाद उसने अपने छोटे भाई चांदू बनर्जी के सहारे अपनी पत्नी का घर में प्रवेश भी बंद कर दिया है. यह मामला तब उजागर हुआ जब शनिवार के शाम पीड़िता रूपा बनर्जी अपने बेटे अंकित बनर्जी के साथ रामगढ़ थाने पहुंची. उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है. रूपा ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2004 में पतरातू बस्ती निवासी चंदन बनर्जी के साथ हुई थी. शादी के कुछ वर्षों बाद ही उसके पति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया.

डीटीओ कार्यालय के कर्मियों व एजेंट की मिलीभगत से बिना टेस्ट ड्राइव के बनाये जा रहे लाइसेंस

सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही मौतें, पांच महीने में 139 ने गंवाई जान

जिले में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार मौतें हो रही हैं. शनिवार को भी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिलवार में दो बाइक सवार आपस में टकरा गए. दुर्घटना में एक की मौत हो गयी, जबकि तीन घायल हो गए. सड़क दुर्घटना में मौत का आंकड़ा कम हो, इसके लिए वाहन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं. दोपहिया वाहन सवारों के हेल्मेट और चारपहिया वाहन चालकों के सीट बेल्ट की जांच भी की जा रही है. सरकार, जिला प्रशासन व समाजसेवी नुक्कड़ नाटक एवं तरह-तरह के जागरूकता अभियान के माध्यम से सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक कर रहे हैं. दूसरी ओर जिला परिवहन विभाग के कर्मचारी व एजेंट पैसे लेकर बिना ड्राइविंग टेस्ट के ही लाइसेंस निर्गत करवा दे रहे हैं. हालांकि, दिखावे के तौर पर जांच अभियान एवं जागरूकता अभियान जरूर चलाते हैं.

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले में किसी को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना है, तो एजेंट को पैसे देकर आसानी से लाइसेंस बन जाता है. चालकों की न तो ड्राइविंग टेस्ट ली जाती है और न ही उनकी उम्र देखी जा रही है. पैसे लेकर ताबड़तोड़ लाइसेंस बनाया जा रहा है. इस खेल में डीटीओ ऑफिस के कर्मचारी से लेकर एजेंट तक शामिल हैं, जो ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के एवज में मोटी रकम लेते हैं.

डीटीओ कार्यालय के कर्मचारियों की मिलीभगत से पहले आवेदक का ऑनलाइन आवेदन करवाया जाता है. इसके बाद डीटीओ कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा दिया जाता है. अगर सही तरीके में आवदेनकर्ता के अनुभव व कागजातों की जांच की जाए, तो कई लोगों का आवेदन रद्द हो जाएगा और सड़क दुर्घटनाओं में मौत के आकड़े में भी कमी जरूर आएगी. लेकिन, रिश्वत के आगे सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों की चिंता किसे है.

पोस्टमार्टम हाउस से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, हजारीबाग जिले में फरवरी महीने से लेकर एक जुलाई तक सड़क दुर्घटनाओं में 139 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके है. वहीं, 240 लोग घायल हुए हैं. लगभग तीन दर्जन लोग सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद दिव्यांग हो चुके हैं.

फर्जी कागजात पर लाइसेंस लेना वालों पर कार्रवाई होगी : डीटीओ

> हमारे यहां प्रत्येक दिन पुलिस लाइन में ड्राइविंग टेस्ट होता है. ड्राइविंग लाइसेंस के लिए लोग अब ऑनलाइन आवेदन करते हैं. अगर कोई नाबालिग या अन्य फर्जी कागजात देकर लाइसेंस लिया है या लेना चाहता है, तो वैसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.
>
> – बैजनाथ कांति
> डीटीओ, हजारीबाग

क्या कहते हैं समाजसेवी

समाजसेवी किशोरी राणा कहते हैं कि जिला परिवहन विभाग अगर ड्राइविंग टेस्ट लेकर लाइसेंस दे, तो वाहन चालकों के पास अच्छा अनुभव होगा और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी. लेकिन, पैसे की लालच में, डीटीओ कार्यालय के कुछ कर्मचारी और एजेंट रिश्वत लेकर लाइसेंस बनावा देते हैं. इसके बाद बिना अनुभव वाले वाहन सवार सड़क पर सरपट वाहन दौड़ाने लगते हैं. अगर उनके पास लाइसेंस नहीं होता, तो उन्हें जिला प्रशासन की कार्रवाई का डर होता और सड़क पर वाहन नहीं निकालने के पहले कई बार सोचते. उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी से लेकर अभिभावक और समाजसेवी को आगे आकर युवाओं को जागरूक करना होगा, तभी सड़क दुर्घटनाओं में मौत के आंकड़े में कमी आएगी.

डीएसई की धांधली का विरोध करनेवाले शिक्षकों को मिली राहत

पांच शिक्षक निलंबन मुक्त डीसी बोलीं- जांच जारी रहेगी

- स्कूली बच्चों के बीच पोशाक वितरण में गड़बड़ी का मामला
- डीएसई के कदम पर शिक्षक नेताओं ने जतायी थी आपत्ति
- शिक्षक नेता को पत्र जारी करने पर डीएसई को शो कॉज

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में कक्षा एक से आठ तक पोशाक आपूर्ति को लेकर दिए गए ठेका में धांधली और वित्तीय अनियमितता के मामले में जांच की जद में चल रहे जिला शिक्षा अधीक्षक के आदेश पर आखिरकर उपायुक्त ने डंडा चला दिया है. इस मामले में पिछले छह माह से निलंबित चल रहे पांच शिक्षकों को निलंबनमुक्त कर दिया है. इन शिक्षकों पर जिला शिक्षा अधीक्षक के खिलाफ आवाज उठाने का आरोप था.

हालांकि उपायुक्त ने इन सब पर जांच जारी रखा है. निलंबन मुक्त होने के बाद अब पांचों शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में योगदान देंगे. ज्ञात हो कि जिले में कक्षा एक से आठ के 1.62 लाख विद्यार्थियों के बीच पोशाक का वितरण में अनियमित्ता बरती गई थी. इस मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक पर आरोप लगा था कि वे नियम विरुद्ध अपने चहेते को ठेका देकर पोशाक की आपूर्ति करा रहे थे. पूरे प्रकरण को लगातार न्यूज नेटवर्क ने प्रमुखता से उजागर किया था. इसके बाद शिक्षा सचिव नेहा अरोड़ा, उप निदेशक शिवेंद्र कुमार ने मामले की जांच कर संबंधित फाइलों को जब्त कर लिया था.

विपक्ष ने मुख्यमंत्री से जांच की मांग की थी : पोशाक वितरण घोटाला मामले में बकायदा नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मंराडी ने मुख्यमंत्री और शिक्षा सचिव को पत्र भेज कर जांच की मांग की थी. वहीं, तत्कालीन सदर विधायक और वर्तमान सांसद मनीष जायसवाल ने उस वक्त विधानसभा के बाहर धरना देकर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए थे. इसके बाद विभागीय मंत्री ने जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया था.

खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षक हुए थे निलंबित

जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता ने उन सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निलंबित कर दिया था, जिनके विद्यालय में पोशाक की आपूर्ति को लेकर खबरें प्रकाशित हुई थीं. इनमें कन्या मध्य विद्यालय, लुपूंग, कटकमसांडी, मध्य विद्यालय, हेदलाग, कटकमसांडी, उच्च विद्यालय, नावाडीह, पदमा के शिक्षकों के अलावा शिक्षक नेता कुमार सतपाल और झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव प्रेम प्रसाद राणा आदि शामिल थे.

अनियमिता को लेकर दायर की गयी है याचिका

हजारीबाग जिले में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक का वितरण होना था. पोशाक वितरण में अनियमितता को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है. इस पूरे प्रकरण में जिला शिक्षा अधीक्षक ने सहायक अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष चंदन मेहता को आचार संहिता के दौरान नियम विरुद्ध प्रतिनियोजन करने को लेकर पत्र जारी किया था. इस मामले में भी उपायुक्त ने संज्ञान लिया है और जिला शिक्षा अधीक्षक को उपायुक्त कार्यालय द्वारा शो कॉज किया गया है.

लिंग परीक्षण करनेवाले क्लीनिकों पर होगी कारवाई

केरेडारी में क्लीनिक से अल्ट्रासाउंड मशीन जब्त करते अंचल अधिकारी.

डीसी निर्देश

- अवैध संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कार्रवाई का निर्देश
- केरेडारी में एक अल्ट्रासाउंड क्लीनिक सील, मशीन जब्त

संवाददाता। हजारीबाग

गर्भ में लिंग की पहचान करने के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट को बेहतर ढंग से लागू करने को लेकर उपायुक्त नैंसी सहाय ने सभी बीडीओ व सीओ को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए है. उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या रोकने के लिये सरकार ने पीसीपीएनडीटी एक्ट तो लागू कर दिया है, लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब सभी इस जघन्य कृत्य को रोकने के लिए साथ आएंगे. उन्होंने अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू कराने के निर्देश दिए.

केरेडारी सीओ ने निजी क्लीनिक को सील किया

केरेडारी स्थित भारत पेट्रोलियम के नजदीक अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक चलने की सूचना पर अंचलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में अल्ट्रासाउंड मशीन को जब्त कर जिला स्तरीय टीम को सौंप दिया गया. वहीं, अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक को सील कर दिया गया है.

आदिवासी समुदाय ही असल मूलवासी: डॉ दुर्गेश

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय में 'फॉरेस्टिंग एंटरप्रेन्योरशिप प्रिजर्विंग ट्राइबल कल्चर : करेंट आउटलुक, चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हुआ. दूसरे दिन के इस कार्यक्रम में कई शोधार्थियों व प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं ने आदिवासी समुदाय के कल्याण को लेकर तथ्यों पर आधारित कई महत्वपूर्ण विचार रखे. इससे पूर्व आमंत्रित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्राध्यापक डॉ दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि हआदिवासी समुदाय ही दरअसल मूल निवासी हैं. हमारी मूल संस्कृति को अब तक कोई बचा कर रखा है, तो वह आदिवासी समुदाय ही है. आरएनटीयू, भोपाल की प्राध्यापिका डॉ रचना चतुर्वेदी ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की आवश्यकता है. पर उनके संस्कृति को छेड़े बिना इसे अमल में लाया जाए, यह भी उतना ही जरूरी है. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने भी जनजातीय समुदाय को लेकर कई अहम विचार साझा किए.

भाजपाइयों ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद की जयंती

रामगढ़। भाजपा जिला कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री डॉ आदित्य साहू एवं मंचासीन पदाधिकारी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया. जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी का मंच संचालन महामंत्री प्रो. खिरोधर साहू ने किया. इस अवसर पर आदित्य साहू ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने मुखर होकर इसका विरोध किया था और बाद में उन्होंने जनसंघ की नींव रखी. धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री रंजन फौजी ने किया.

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों का चालान काटा गया

अलग ही अंदाज में दिखे एसपी

संवाददाता। हजारीबाग

सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन को लेकर एसपी अरविंद कुमार सिंह शनिवार को शहर की सड़कों पर अपने अलग अंदाज में दिखे. उन्होंने जिला परिषद चौक, इंद्रपुरी चौक, कल्लू चौक, तीन मूर्ति चौक, पीटीसी चौक सहित कई जगहों पर ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करनेवाले वाहन सवारों का चालान काटा. इस दौरान एसपी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मौत न हो, इसके लिए वाहनों को रोक कर जांच की जा रही है.

इस क्रम में सभी थानेदारों व पुलिस कर्मियों को समझाया गया है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों का कैसे चालान काटें. किसे समझाएं और किसे फटकार लगाएं. इस दौरान उन्होंने दो युवतियों को बिना हेलमेट और बिना कागजात के दोपहिया वाहन चलाते पकड़ा. उनसे कारण पूछा कि क्यों ऐसा कर रही हैं. इससे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होता है और वाहन सवार की जान को खतरा भी है.वाहन चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहन सवारों को रोक कर उनके वाहन के कागजात, इंश्योरेंस व अन्य चीजों की जांच की गई.

चेकिंग के क्रम में सदर थाना, बड़ा बाजार ओपी, लोहसिंघना व मुफस्सिल थाना की पुलिस ने दो दर्जन से अधिक दो पहिया वाहनों का चालान काटा. एसपी ने आम लोगों को संदेश भी दिया है कि अभिभावक भी अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें. लगातार घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए अभिभावकों को भी आगे आना होगा.

स्कूटी सवार युवतियों को समझाते हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह.

वाहन चेकिंग

- पुलिसकर्मियों को सिखाए वाहन चेकिंग के तरीके
- फटकार लगाया, समझा कर बताया ट्रैफिक रूल

डीएवी बरकाकाना में बच्चों ने लगाए पौधे

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना में वन महोत्सव के समापन के अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण किया. बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'पेड़ ही जीवन है' का नारा लगाते हुए प्रभात फेरी निकाली. इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के महत्व को समाज के सामने रखना था. बच्चों की इस पहल को सभी ने सराहा और उनके जोश और उत्साह की प्रशंसा की. प्रधानाचार्य मो मुस्तफा माजिद ने कहा कि बच्चों के माध्यम से हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं. वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं. विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी इस अभियान में बच्चों का साथ दिया और पौधरोपण में सक्रिय भागीदारी निभाई. इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने-अपने विचार भी साझा किए और सभी से पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया.

आर्य बाल उच्च विद्यालय, नयानगर, बरकाकाना में पौधरोपण कार्यक्रम

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ा

पर्यावरण संरक्षण

- प्रकृति के उपहार के साथ छेड़छाड़ बंद करने की अपील
- समय रहते नहीं चेते, तो आने वाले समय संकटों से भरा

संवाददाता। रामगढ़

आर्य बाल उच्च विद्यालय नया नगर बरकाकाना में आयोजित वन महोत्सव शनिवार को संपन्न हो गया. समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष नेपाल यादव, उप कोषाध्यक्ष दुर्गा चरण पासवन, सह सचिव गीता देवी, उपाध्यक्ष रंजीत राम, सदस्य जूही सिंह, प्राचार्या आशा सिंह आदि मौजूद थे. अपने संबोधन में नेपाल यादव ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन से ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ रहा है.

यदि समय रहते हम सभी नहीं चेते, तो आने वाले दिनों में संकट उत्पन्न हो सकता है. पर्यावरण प्रदूषण का असर असमय मौसम परिवर्तन के रूप में साफ दिख रहा है. बेहिसाब गर्मी, बेहिसाब ठंड यह सब दूषित हो रहे पर्यावरण का ही असर है. प्रकृति के दिए उपहार के साथ छेड़छाड़ बंद कर हर व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए. पेड़-पौधे जीवदायिनी हैं. इनके पोषण से प्राणवायु को बढ़ावा मिलेगा.

इससे पूर्व प्रबंधक समिति, शिक्षक, शिक्षिकाओं और बच्चों ने विद्यालय परिसर और बाहर पौधरोपण किया गया. इस अवसर पर बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ. मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

विद्यालय परिसर में पौधरोपण करते शिक्षक-शिक्षिकाएं.

आयोजन

प्रेस क्लब रामगढ़ की वार्षिक आमसभा संपन्न, कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया

पत्रकार समाज का दर्पण, आपका दायित्व अहम : डॉ विमल कुमार

- स्वच्छ भारत निर्माण के लिए स्वच्छ पत्रकारिता करें : बंशीधर गोप

संवाददाता। रामगढ़

प्रेस क्लब रामगढ़ की वार्षिक आम सभा प्रेस क्लब के सभागार में संपन्न हुई. अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह और संचालन दिलीप सिंह व दुर्वेज आलम ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसपी डॉ विमल कुमार और अधिवक्ता संघ के वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. दोनों गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष व सचिव ने गुलदस्ता व मोमेंटो देकर अतिथियों का स्वागत किया. वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए एसपी डॉ विमल कुमार ने कहा कि प्रेस क्लब को हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार हूं. उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के दर्पण हैं. आप सभी पत्रकारिता को और बेहतर बनाने का काम करें. उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार चौथा स्तंभ हैं, इसलिए आपका दायित्व काफी महत्वपूर्ण है. वहीं, वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप ने स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए स्वच्छ पत्रकारिता करने की बात कही.

वार्षिक आमसभा में कोषाध्यक्ष तरुण बागी ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया. समारोह में दिवंगत पत्रकारों की आत्मा के लिए एक मिनट का मौन रखा गया. अंत में राष्ट्रगान के बाद समारोह संपन्न हो गया. समारोह में भारी संख्या में पत्रकार एवं छायाकार उपस्थित थे.

प्रेस क्लब रामगढ़ में एसपी डॉ विमल कुमार को सम्मानित करते पत्रकार.

अभूतपूर्व रहा प्रेस क्लब रामगढ़ का एजीएम

रामगढ़। प्रेस क्लब रामगढ़ के एजीएम के बाद शनिवार को क्लब के पदाधिकारियों एवं और सदस्यों की बैठक हुई. इस दौरान 5 जुलाई को हुई वार्षिक आमसभा की समीक्षा की गई. सबसे पहले कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले गोदावरी कमोडिटीज लिमिटेड और जयनंदनी कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड का क्लब के सदस्यों ने आभार जताया. इसके साथ ही एसपी डॉ विमल कुमार, वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप, सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ-साथ प्रेस क्लब के सदस्यों का भी आभार जताया गया. बैठक में मौजूद पत्रकारों ने कहा कि जिलेभर से जिस तरह से पदाधिकारी और कार्यकर्ता एजीएम में शामिल हुए, यह प्रेस क्लब रामगढ़ की एकजुटता को दर्शाता है. बैठक में अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, सचिव योगेंद्र कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव दीपक प्रसाद, कोषाध्यक्ष तरुण बागी, कार्यकारिणी सदस्य देवांशु शेखर मिश्र, दुर्वेज आलम, मो वलीउल्ला, सत्येंद्र पाठक, राकेश पांडेय, दिनेश कुमार, उमेश सिन्हा, विनीत कुमार, अजीत कुमार, मनोहर लहरी सहित क्लब के अन्य सदस्य शामिल रहे.

आकांक्षी प्रखंड कटकमदाग में संपूर्णता अभियान शुरू

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमदाग प्रखंड कार्यालय में नीति आयोग द्वारा चलाये जा रहे संपूर्णता अभियान शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि कटकमदाग प्रखंड एक आकांक्षी प्रखंड है. नीति आयोग द्वारा चयनित 40 सूचकांकों पर सितंबर माह तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना है.

इस संपूर्णता अभियान में स्वास्थ्य के तीन मानकों पर कार्य करना आवश्यक है, जिसमें प्रसव पूर्व गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच करना, मधुमेह व हाइपरटेंशन के लक्षण की जांच करना और सभी गर्भवती महिलाओं को सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन प्रदान करना है. उपायुक्त ने कृषि के क्षेत्र में मृदा कार्ड बनाने के लक्ष्य को पूरा करने का भी निर्देश दिया. इसके साथ-साथ जेएसएलपीएस द्वारा गठित स्वयं सहायता ग्रुप को रिवाल्विंग फंड देने की बात कही. इस अवसर पर बीडीओ एकता वर्मा, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी मौजूद रहे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चौथे भाव में चन्द्र शुक्र है. सुख के सामान एकत्र होंगे, पर माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. किसी से विवाद होगा, पर पराक्रम में वृद्धि करेगा. पर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बताएं.

वृषभ समय शुभ है. धन कुछ कम मिलेगा और मेहनत ज्यादा करना होगा. कार्य पूर्ण होंगे. प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा. नौकरी में सहयोगी सहायता करेंगे.

मिथुन धन का आगमन से मन प्रसन्न हो जाएगा. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. व्यस्तता रहेगी. थकान हो सकती है. आपके कार्य और प्रभाव से व्यापार ठीक चलेगा.

कर्क समय सामान्य है, पर रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. निवेश शुभ फल देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

सिंह कोई धार्मिक या सामाजिक यात्रा हो सकता है. खर्च पर नियंत्रण रखें. आर्थिक तंगी रहेगी. नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी. मन में दुविधा रहेगी. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार अच्छा चलेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या आय और नया कार्य के लिए दिन बहुत ही शुभ है. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. किसी समस्या का अंत होगा. प्रसन्नता व उत्साह में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ रहेगा. पितरों के नाम से अन्न दान करें.

तुला सरकारी कार्य में गति आएगी. न्यायालय से लाभ मिलता दिख रहा है. कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक समय सामान्य है. ससुराल से कोई लाभ का योग है. धर्म में मन लगेगा. सत्संग का लाभ प्राप्त होगा. कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी. चिंता में कमी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. अन्न दान करें.

धनु कुछ मानसिक तनाव वाला दिन होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. हताशा का अनुभव होगा. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार ठीक चलेगा. नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है. अन्न और जल पक्षियों को दें.

मकर जीवनसाथी के साथ सम्बंध मधुर होगा. कारोबार मनोनुकूल लाभ नहीं देगा. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. बाहरी वातावरण सुखद रहेगा. पर भाग्य का साथ रहेगा. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कुंभ मौसमी बीमारियों से बचाव आवश्यक है. परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी. आय में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है.

मीन शिक्षा में स्वास्थ को लेकर बाधा हो सकती है. माता से विवाद हो सकता है. आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे. मान-सम्मान मिलेगा. अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा.

वायु सेना के अधिकारी पहुंचे खूंटी

खूंटी । भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर एपी रेड्डी और कमांडिंग ऑफिसर 10 एयर मैन चयन केंद्र भर्ती अधिकारी विरेंद्र रेड्डी शनिवार को बिरसा कॉलेज, खूंटी पहुंचे और कॉलेज के सभागार में विद्यार्थियों के साथ बैठक कर भारतीय वायु सेना में जाने के प्रोत्साहित किया. वायु सेना के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भर्ती प्रकिया की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायु सेना ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु पदों के लिए अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है. भारतीय वायुसेना के अग्निवीर वायु पद में भर्ती के लिए उम्मीदवार आठ जुलाई 2024 सुबह 11 बजे से 28 जुलाई 2024 रात 11 बजे तक भारतीय वायु सेना की वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं. भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा के विज्ञान संकाय में गणित, भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ कला और वाणिज्य संकाय में किसी भी विषय पर 50 फीसदी अंकों के साथ अंग्रेजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है.

इस्कॉन निकालेगी भव्य रथयात्रा

पलामू। हरे कृष्णा निवास डालटनगंज से रविवार दोपहर दो बजे इस्कॉन द्वारा भव्य रथयात्रा निकाली जायेगी. इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गयी है. शनिवार को इस सिलसिले में इस्कॉन मायापुर धाम के संकीर्तन डिपार्टमेंट प्रमुख गौरधाम प्रभु की अध्यक्षता में बैठक करने के बाद पत्रकारों को जानकारी दी गयी. मौके पर प्रथम उपमहापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह, सुंदर माधव दास (संजय पांडे) मौजूद रहे. गौरधाम प्रभु ने बताया गया कि कोई भी मनुष्य रथ पर सवार जगन्नाथ जी का दर्शन करते हैं तो उनका पुनर्जन्म नहीं होता एवं उनके दर्शन मात्र से ही पापों से मुक्त हो जाते हैं. प्रभु जी ने पूरे शहरवासियों को आमंत्रित किया तथा प्रसाद के माध्यम से कृपा पाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि 15 दिन अज्ञातवास के बाद शनिवार शाम में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा दर्शन देंगे. नेत्र उत्सव मनाया जायेगा. आकर्षक तरीके से श्रृंगार होगा. रविवार की सुबह विशेष आरती-पूजा के बाद रथयात्रा निकाली जायेगी.

नव निर्वाचित सांसद जोबा मांझी शनिवार को जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचीं, महागठबंधन के नेताओं ने किया स्वागत, बोलीं

जगन्नाथपुर समेत पूरे झारखंड से भाजपा का होगा सफाया : जोबा मांझी

सुकेश कुमार। चाईबासा

सिंहभूम की नव निर्वाचित सांसद जोबा माझी शनिवार को जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचीं. सांसद के साथ चाईबासा के विधायक सह पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ भी मौजूद थे. आभार यात्रा सह अभिनंदन कार्यक्रम की शुरुआत मोंगरा पंचायत से हुई. यहां पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, अभिषेक सिंकू के नेतृत्व में जोबा माझी और दीपक बिरुवा का जोरदार स्वागत किया गया. इसके बाद जगन्नाथपुर बाजार में महागठबंधन के नेताओं ने स्वागत किया. कार्यकर्ता और समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशियों का इजहार किया. सांसद जोबा

आभार यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करतीं सांसद जांबा मांझी.

माझी ने जगन्नाथपुर विस क्षेत्र समेत सिंहभूम के तमाम मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि चुनाव में जनता ने सूझबूझ से अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. जनता ने जिस उम्मीद से उन्हें चुना है, उसे व्यर्थ नहीं जाने देंगी. हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी रहेंगी. आगामी विस चुनाव में भी महागठबंधन के प्रति विश्वास और समर्थन बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि जगन्नाथपुर समेत पूरे झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा. इसके बाद झारखंड का विकास होगा. उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि रोजगार के मुद्दे पर वह बेहद गंभीर हैं. जरूरत पड़ी तो लोकसभा में खदानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाएगी. मोंगरा, जगन्नाथपुर बाजार, कासिरा, पोकाम, जैंतगढ़, सियालजोड़ा, कलैया, डांगुवापोसी, नोवामुंडी आदि इलाकों में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ. मौके पर झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, अभिषेक सिंकू, इजहार राही, लक्ष्मी नारायण लागुरी, सुभाष बनर्जी, नवाज हुसैन, इकबाल अहमद, आसमान सुंडी, जगत माझी, डोगर हुसैन, अजीत लागुरी, राजू कुंकल समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- विभिन्न प्रखंडों में सांसद जोबा मांझी का हुआ स्वागत
- पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने भी समारोह में भागीदारी निभाई

सांसद बंद खदानों का मामला सदन में उठाएं : दीपक

आभार यात्रा सह अभिनंदन समारोह में चाईबासा के विधायक सह पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि क्षेत्र की खदानें बंद होने से यहां के लोगों के समक्ष बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हुई है. उन्होंने स्थानीय लोगों की तरफ से सांसद से आग्रह किया कि संसद में खदानों का मामला उठायें. इसके साथ ही दीपक बिरुआ ने कहा कि आने वाले विस चुनाव में भी भाजपा को सबक सिखाना है. पूर्व मंत्री ने राज्य सरकार की सर्वजन पेंशन योजना और 200 यूनिट बिजली मुफ्त का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड और यहां के लोगों के हित में कई योजनाएं चला रही हैं.

कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद से बनेगी हमारी सरकार

पार्टी में कार्यकर्ता सर्वोपरि, वही लड़ता है जमीनी लड़ाई : मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची/हजारीबाग

प्रदेश भाजपा ने विजय संकल्प सभा के जरीए अपनी ताकत झोंक दी है. यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक विधानसभा वार चलेगा.शनिवार को हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में विजय संकल्प सभा और कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम हुआ. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा की पूंजी कार्यकर्ता ही है. पार्टी के नेता तो मंच, माला माइक से जुड़े रहते हैं लेकिन एक सामान्य कार्यकर्ता चुपचाप पार्टी के लिए असाधारण कार्य करता है. जमीनी लड़ाई बूथ का साधारण कार्यकर्ता ही लड़ता है. चाहे पन्ना प्रमुख हो या बूथ की समिति, सभी अभिनंदन के पात्र हैं. कदम कदम पर जनता के सवालों का जवाब कार्यकर्ता ही देता है, घर-घर संपर्क कार्यकर्ता ही करता है. इसलिए कार्यकर्ताओं को सम्मान देना पार्टी का धर्म है.

तीसरी बार मोदी सरकार कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का फल : मरांडी ने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार यह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का फल है, जिसे आज कांग्रेस झामुमो सहित इंडी एलायंस के लोग पचा नहीं पा रहे. चाय वाले का बेटा तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बने यह उन्हें बर्दाश्त नहीं. लोकसभा चुनाव में इंडी एलायंस ने झूठ और दुष्प्रचार का सहारा लिया।तरह तरह के अफवाह फैलाए, लेकिन देश की जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया. केवल केंद्र में मोदी सरकार ही नहीं बनायी, बल्कि कई प्रदेशों में भाजपा एनडीए की सरकारें बनी. झारखंड में भी एनडीए को 81लाख वोट मिले, नौ सीटों पर विजय मिली जबकि इंडी ठगबंधन 66 लाख वोट के साथ पांच सीटों पर सिमट गया.

विजय संकल्प सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद दीपक प्रकाश, मनीष जायसवाल व अन्य नेतागण.

ध्वस्त है विधि व्यवस्था

आज राज्य की स्थिति बद से बदतर होती जा रही. विधि व्यवस्था ध्वस्त है. व्यवसायियों को अपराधियों के कॉल आते हैं, रंगदारी मांगी जाती है. एक भी उद्योगपति उद्योग लगाने को तैयार नहीं. पुलिस पदाधिकारियों ने वसूली में महारत हासिल कर लिया है। युवाओं की प्रतियोगिता परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही. नौकरियों को लाखों में बेंचा जा रहा.

बदल रही डेमोग्राफी

संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल रही. 1951 से 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार आदिवासियों की आबादी तेजी से घटती ही जा रही और मुस्लिम आबादी दिनोंदिन अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही. ऐसा लगता है कि कुछ दिनों में संथाल परगना से आदिवासियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा. ऐसे हालात में जनता आशा भरी निगाहों से भाजपा और एनडीए की ओर देख रही.

बयानों में दिखने लगी है चंपाई की पीड़ा: बाबूलाल

रांची। चंपाई सोरेन को हटाकर हेमंत सोरेन के सीएम बनने पर झारखंड में सिसायत गर्म है. विपक्षी पार्टी भाजपा लगातार झामुमो और हेमंत सोरेन पर हमलावर हो रही है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी निशाना साधते हुए कहा है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की पीड़ा बयानों में दिखने लगी है. मरांडी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि हेमंत सोरेन में असुरक्षा की भावना इस कदर घर कर गयी है कि उन्हें अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों पर भरोसा नहीं रहा. हेमंत सोरेन और उनका परिवार झामुमो के आदिवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सिर्फ दरी बिछाने और झंडा ढोने के योग्य समझता है. चंपाई सोरेन ने धीरे-धीरे ही सही लेकिन सकारात्मक राजनीति की ओर कदम बढ़ाया था. पार्टी कैडरों के बीच चंपाई की बढ़ती स्वीकार्यता देख हेमंत विचलित हो उठे. चंपाई के प्रकरण को देखकर अब उम्मीद है कि जल-जंगल-जमीन और झारखंड राज्य का आंदोलन करने वाले आदिवासी नेता और कार्यकर्ता झारखंड की अस्मिता और यहां के संसाधनों को किसी बदमिजाजी, सनकी और परिवारवादी व्यक्ति के हाथ में नहीं सौंपेंगे.

नियुक्ति में बाधा डालना सरकार की संस्कृति बन गयी है

बाबूलाल ने अपने दूसरे एक्स पोस्ट में कहा कि पिछले 5 सालों से जानबूझकर युवाओं की नियुक्ति में बाधा डालना जेएमएम-कांग्रेस सरकार की संस्कृति बन गयी है. नौकरी के लिए कोर्ट-कचहरी से लेकर सड़क पर आंदोलन करते-करते राज्य के लाखों परीक्षार्थी हताश और निराश हो चुके हैं. जनवरी में संपन्न हुई जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा हेमंत सरकार के संरक्षण में पेपर लीक होने की वजह से रद्द हो गयी थी.

फॉरेस्ट की रेस्क्यू टीम ने दो खतरनाक सांपों को पकड़ा

संवाददाता। लातेहार

लातेहार वनों के क्षेत्र कार्यालय द्वारा गत शुक्रवार की देर शाम शहर के जुबली एवं माको मुहल्ला में दो खतरनाक कोबरा सांपों का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया. वनों के क्षेत्र पदाधिकारी नंदकुमार मेहता के नेतृत्व में गठित रेस्क्यू टीम में जय जयेंद्र कुमार प्रभारी वनपाल लातेहार, पिंटू कुमार वनरक्षी एवं आशीष कुमार झा वनरक्षी की टीम ने बखूबी खतरनाक कोबरा सांपों का सफल रेस्क्यू किया. जानकारी के अनुसार जुबली रोड स्थित कार्निवल होटल के पास एक खतरनाक कोबरा फन फैलाकर इधर-उधर घूम रहा था. उसे देखकर लोग काफी भयभीत थे. लोगों ने वनों के क्षेत्र पदाधिकारी श्री मेहता को गत शुक्रवार की रात्रि 8:30 बजे इसकी सूचना दिया. श्री मेहता ने 10 मिनट के अंदर दलबल के साथ स्थल पर पहुंचकर बहुत मशक्कत से फन फैलाये कोबरा को जीवित पकड़ने में सफलता पाया. पकड़ने के बाद रेस्क्यू टीम द्वारा ललमटिया जंगल में उक्त सांप को छोड़ा गया. तब तक शहर के माको मोहल्ले में सांप होने की सूचना श्री मेहता को मिली पुनः रेस्क्यू टीम माको मोहल्ला जाकर सांप को रेस्क्यू किया. जिसकी पहचान खतरनाक कोबरा के रूप में की गई. रेस्क्यू के उपरांत जलता जंगल में उक्त सांप को छोड़ा गया. बताया जाता है कि वन विभाग सांपों की रेस्क्यू के लिए विशेष प्रशिक्षित दल को तैयार किया है.खतरनाक सांप को भी बहुत ही आसानी से रेस्क्यू कर इस टीम को काफी उपलब्धियां मिल रही है.

महिला की हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। खूंटी

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हत्या के आरोपित कंदरू तिग्गा उर्फ कंदरू उरांव (45) को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में खूंटी पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग 10.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि डुमारी गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई है. इसके आलोक में वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर तोरपा के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया. छापामारी दल ने डुमारी गांव स्थित मृतक अमृता देवी के शव को कब्जे में लिया तथा घटना में प्रयुक्त लकड़ी के टुकड़े को भी जब्त कर लिया. छापामारी दल ने डुमारी स्थित आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल से अभियुक्त कंदरू उरांव को गिरफ्तार कर लिया. घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहनी हुई खून लगी शर्ट को भी जब्त कर लिया. इस संबंध में कर्रा थाने में मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

आजसू का अंचल कार्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम

झारखंड सरकार सिर्फ राज्य को लूटने में मस्त है : चंद्र प्रकाश चौधरी

संवाददाता। रामगढ़

आजसू पार्टी रामगढ़ प्रखंड, छावनी परिषद, रामगढ़ सदर, कमेटी ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के दौरान रामगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष हल्ला बोल कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी एवं संचालन जिला सचिव लालचंद महतो ने किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी शामिल हुए. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सुनीता चौधरी, बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी, मांडू विधान सभा प्रभारी तिवारी महतो जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी उपस्थित हुए.

हल्ला बोल कार्यक्रम में आजसू पार्टी जिला कार्यालय रामगढ़ से सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक सुनीता चौधरी, बड़कगांव विधान सभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी मांडू विधान सभा प्रभारी तिवारी महतो के नेतृत्व में आजसू पार्टी जिला कार्यालय रामगढ़ से सुभाष चौक, बिजुलिया होते हुए जुलूस रामगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचा. अंचल कार्यालय पहुंचकर पार्टी नेताओं ने हल्ला बोल कार्यक्रम को संबोधित किया. मौके पर मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार सिर्फ लूटने में मस्त है,जनता भ्रष्टाचार से त्रस्त है. पूरे प्रदेश भर में भ्रष्टाचार की बुनियाद खड़ी कर रखी है. हर क्षेत्र में इस सरकार के और सरकार के शासन प्रशासन में भ्रष्टाचारी कूट कूट के भरी हुई है. वहीं विधायक सुनीता चौधरी ने कहा कि ये जेएमएम की सरकार जो कहती है कि हम आदिवासियों-मूलवासियों की पार्टी है वही हेमंत सोरेन जो लूट खसोट भ्रष्टाचारी के चलते पांच महीना जेल की सलाखों के पीछे चले गए.

डीवीसी के स्थापना दिवस पर विशेष

...और बंगाल का शोक बन गया देश की शान

रंजीत सिंह/शेष नारायण सिंह । धनबाद

देश में ऊर्जा के क्षेत्र में दामोदर घाटी निगम यानी डीवीसी लगभग आठ दशक से महत्वपूर्ण योगदान निभाता आ रहा है. आजादी के बाद पूरे देश में सबसे पहला डैम बनने का खिताब भी डीवीसी के नाम है. आजादी के एक वर्ष बाद 1948 से ही बहुउद्देशीय उद्देश्य के साथ बिजली, पानी ,रोजगार समेत कई आयामों के साथ आगे बढ़ा और आज भी अग्रसर है. दामोदर घाटी निगम की स्थापना सात जुलाई 1948 को भारतीय जनमानस की धरोहर दामोदर नदी पर डैम बनाने के साथ शुरू हुई थी. तब से लेकर आज तक देश की शान बनकर अविरल बिजली बनाने से लेकर सिंचाई रोजगार आदि उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी डीवीसी बखूबी निभा रहा है.

प्रलय के तूफान से ऐसे निकली कल्याण की राह

बंगाल का शोक कहे जानेवाले दामोदर नदी के प्रलय कारी प्रवाह को रोकने और उसके पानी से बहुद्देशीय परियोजना खोलने की परिकल्पना 1943 में आए भयंकर बाढ़ के बाद की गई थी. क्योंकि दामोदर नदी में हर साल बाढ़ आने के बाद बंगाल में भयंकर तबाही होती थी. 1943 में दामोदर नदी के प्रवाह ने ऐसा प्रलय मचाया कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में इसे काला अध्याय माना जाता है. तब दामोदर में आई बाढ़ ने हजारों लोगों कको मौत की नींद सुला दिया था और लाखों लोग बेघर हो गए थे. इसे देखते हुए पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल ने बर्दवान के महाराज व भौतिक विज्ञानी मेघनाद साहा के नेतृत्व में बतौर जांच टीम गठित की थी. उसमें तय किया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के टेनेसी घाटी प्राधिकरण की तर्ज पर दामोदर नदी पर भी बांध बनाकर न सिर्फ प्रलय कारी प्रवाह को रोका जा सकता है बल्कि इसी धारा से कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जा सकती है. इसके लिए अमेरिका से टेनेसी घाटी प्राधिकरण के सीनियर इंजीनियर डब्ल्यूएल बुरदईन को देश बुलाया गया. उन्हें दामोदर नदी की

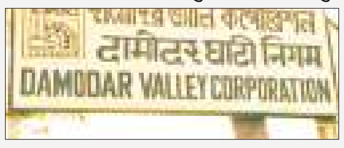

भौगोलिक हालात से रूबरू कराया गया. 1944 में डब्ल्यू एल बुरदईन ने दामोदर नदी पर एकीकृत दामोदर घाटी निगम के साथ सिंचाई के अलावा बहुउद्देशीय परियोजना के रूप में स्थापना करने का सुझाव दिया. इस मशवरे के बाद दामोदर घाटी निगम की स्थापना का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया, फिर बिहार ,पश्चिम बंगाल व केंद्र सरकार ने मिलकर योजना बनाई. आखिरकार 7 जुलाई 1948 को दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुई. फिर दामोदर की प्रलयकारी प्रवाह को कल्याण की दिशा में मोड़ दिया गया. डीवीसी के अंतर्गत फिलहाल मैथन, पंचेत, तिलैया ,कोनार डैम हैं.

चिंताजनक | वर्ष 2025 में यहां का उत्पादन लक्ष्य घटकर एक मिलियन टन से भी कम हो जाने की उम्मीद

सेल मेघाहातुबुरु ने उत्पादन लक्ष्य घटाकर 2.5 मिलियन टन किया

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सेल की मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान में लौह अयस्क का भंडार खत्म होने के बाद निरंतर बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर प्रबंधन ने खदान का उत्पादन लक्ष्य 3.7 मिलियन टन से घटाकर 2.5 मिलियन टन कर दिया है. मेघाहातुबुरु खदान में सबसे अधिक 4.4 मिलियन टन उत्पादन होता था. खदान की खराब होती स्थिति के बाद 3.7 मिलियन टन व अब 2.5 मिलियन टन किया गया. अगर यही स्थिति रहा तो वर्ष 2025 में यहां का उत्पादन लक्ष्य घटकर एक मिलियन टन से भी कम हो जाएगा, अर्थात बंदी के कगार पर होगा. लक्ष्य घटाने के बाद

मेघाहातुबुरु खदान गेट की तस्वीर

सेलकर्मियों की चार रविवार की ड्यूटी में से दो की कटौती की गयी. प्रबंधन महीना में पहले और तीसरे रविवार को ड्यूटी देने पर राजी हुआ. अगर किसी महीना में पांच रविवार आता है, तो अंतिम रविवार को भी ड्यूटी देने की बात कही गई है. इससे प्रत्येक सेलकर्मियों को कम से कम 5-7 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा.

खास बातें

- सेलकर्मियों को दो रविवार को ड्यूटी पर नहीं बुलाया गया
- खदान की खराब स्थिति के कारण उठाया गया यह कदम

सीजीएम ने मांगा सहयोग

इस मामले को लेकर मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम ने महाप्रबंधक (पीएंडए) विकास दयाल व तमाम मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में मेघाहातुबुरु खदान और लौह अयस्क की स्थिति से अवगत कराते हुए इस विकट स्थिति में सहयोग मांगा. सेलकर्मियों ने भी स्थिति को देखते हुए प्रबंधन को पूरा सहयोग का भरोसा दिया है.

10 वर्षों से लीज के लिए प्रयासरत

उल्लेखनीय है कि मेघाहातुबुरु का सेंट्रल व किरीबुरु का साउथ ब्लॉक पहाड़ी का लीज के लिए दोनों प्रबंधन पिछले 10 वर्षों से प्रयासरत है, लेकिन केंद्र सरकार ने सारंडा जंगल में निवास करने वाले वन्यप्राणियों की सुरक्षा व संरक्षण से जुड़ी वन्यजीव संरक्षण प्लान को लेकर फाइल क्लियर नहीं कर हर बार एक नया सवाल खड़ा कर वापस कर दे रही है. इस कारण दोनों खदानों की स्थिति निरंतर खराब होती जा रही है. खासकर मेघाहातुबुरु खदान की स्थिति दयनीय हो गई है एवं यह खदान बंद होने के कगार पर पहुंच गई है.

केंद्र बंद करना चाहती है खदान

मजदूर नेता अफताब आलम ने कहा कि केन्द्र सरकार सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु आदि पब्लिक सेक्टर की लाभ वाली खदानों को एक साजिश के तहत बंद करना चाहती है. ताकि इसे प्राइवेट कंपनियों को दे सके. लेकिन हमलोग केंद्र सरकार की ऐसी मंशा को सफल नहीं होने देंगे.

खूंटी में खुला झारखंड का सबसे बड़ा वाटर पार्क

संवाददाता। खूंटी

खूंटी के बेलाहाथी में झारखंड के सबसे बड़े वाटर पार्क एनडीए एक्वा अम्यूजमेंट पार्क का उद्घाटन शनिवार को सांसद कालीचरण मुंडा ने फीता काटकर किया. इसके पूर्व सांसद के पार्क पहुंचने पर पार्क के संचालकों ने उनका जोरदार स्वागत किया. मौके पर सांसद ने कहा कि खूंटी में झारखंड के सबसे बड़े पार्क का खुलना हर्ष की बात है. उन्होंने कहा कि पार्क के बनने से लोगों का खूंटी में आवागमन बढ़ेगा. इससे इस क्षेत्र में पर्यटन का बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि खूंटी में पर्यटन को बढ़ावा मिले. इसके लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे. एनडीए एक्वा अम्यूजमेंट पार्क के संचालक दीपक कुमार, अंबिका, रमेश महतो, बबलू आदि ने बताया कि पार्क में मनोरंजन के कई साधन उपलब्ध हैं. इनमें रेन डांस, फैमिली स्लाइड, स्पाइडर स्लाइडर, एमपीडब्ल्यूपीएस, नॉर्मल रील आदि शामिल हैं.

खास बातें

- सांसद कालीचरण मुंडा ने किया उद्घाटन
- एक्वा अम्यूजमेंट वर्क खुलने से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

> “किसी की निंदा न करें. अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं तो जरूर बढ़ायें. अगर नहीं बढ़ा सकते हैं तो अपने हाथ जोडिए. अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिए और उन्हें उनके मार्ग पर जाने दीजिए. –स्वामी विवेकानंद”

हरियाली का मौसम आया, टप-टप बरसे पानी

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जब वर्षा ऋतु का आगमन होता है तो सूना गगन घहराते काले-उजले मेघों से भर जाता है और संतप्त सूखी धरती की छाती शीतल हो जाती है. चराचर जगत चहक उठता है. वर्षा ऋतु यानी प्रकृति के शृंगार का ऋतु, सौंदर्य का ऋतु, प्रीत का ऋतु, मिलन और विरह का ऋतु. चारों और हरियाली का साम्राज्य. शीतल मंद बयार के साथ कभी रिमझिम तो कभी मीठी फुहार तन-मन को आनंद के सागर में निमग्न कर देती है. पावस का दूसरा पक्ष यह भी है कि इसका आगमन सुखी लोगों का सुख और दुखी जनों के दुख में वृद्धि कर देता है. संयोग और वियोग दोनों ही शृंगारों में निखार आ जाती है. संयोगिनी धन्य हो जाती है तो वियोगिनी की तड़प और बढ़ जाती है. यह ऋतु जन मानस को तो प्यार से सहलाती ही है, कवियों को भी गुदगुदाने से बाज नहीं आती. यही कारण है कि आदि कवि वाल्मीकि से लेकर आधुनिक युग के नवगीतकारों तक को वर्षा ऋतु काव्य-सृजन की प्रेरणा देती रही है. संस्कृत साहित्य में कालिदास के वर्षा के सौंदर्य के अप्रतिम चित्रण से प्रायः साहित्यप्रेमी परिचित हैं. हिंदी साहित्य के मध्य युग में गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास, जायसी आदि कवियों द्वारा पावस ऋतु के सुंदर और सरस चित्रण ने जनमन को आह्लादित किया है तो आधुनिक हिंदी साहित्य में छायावादी कवियों में प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी, आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, नागार्जुन और डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र जैसे नवगीतकार आदि ने सरस साहित्य का सृजन किया है. इस कड़ी में रांची की कवयित्री पुष्पा पाण्डेय की बारिश की फुहारों से भीगी रचनाएं काव्य प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करने लगी हैं. प्रस्तुत है इनकी सार छंद में रचित यह रचना, जिसका शीर्षक है-बरसात.

हरियाली का मौसम आया, टप- टप बरसे पानी.
पावस लेकर आया है अब, जो ऋतु की है रानी.
उमड़-घुमड़ कर बादल आया, श्याम और कुछ काला-
आसमान में देख मेघ को, धरा हुई दीवानी..
शोर मचाने लगा वारिधर, चपला आंख दिखाती.
दिल की धड़कन बढ़ जाती है, फिर भी मन को भाती.
चली गगन से बरखा रानी, छम- छम पायल करती-
नृत्य करे रम्भा के जैसे, दिल को बड़ी लुभाती..
ओढ़ ओढ़नी धानी धरती, मंद-मंद मुस्काई.
दुल्हन बनी सेज पर बैठी, रात मिलन की आई.
कुदरत तो अब जश्न मनाती, यही सृजन की बेला-
पत्ता-पत्ता बूटा- बूटा, फूल कली इठलाई..
धरा कोख में पड़े बीज अब, छोड़ तमस को आए.
फूट पड़े अब कोमल कोंपल, नये सृजन को पाए.
कल-कल करती नदियां भी अब, चलीं नदीश मिलन को-
पुरवइया भी सरगम छेड़े, मधुर राग में गाए..
मधुर मिलन की ऋतु यह सावन, अमर प्रेम की रातें.
करूं याचना मेघ राज से, संदेशा पहुंचाते.
मुझे डराती रही दामिनी, कैसे रात बिताएं-
अबकी सावन आते साजन, प्रीत अमर कर जाते..

पुष्पा जी की इस रचना में जहां सार छंद के अनुशासन का पूर्णतः पालन किया गया है, वहीं रूपक, उपमा, विरोधाभास, संदेह, अनुप्रास आदि अलंकारों की छटा निराली है. यति, गति और प्रवाह की स्वाभाविक उपस्थिति के कारण यह कविता पाठकों पर हावी और प्रभावी होने में सक्षम है. पुष्पा जी अपनी इस कविता से प्रमाणित करती महसूस होती हैं कि काव्य साहित्य में छंद और अलंकार निरर्थक नहीं होते. यदि कवि में रचनाशीलता हो छंदों के माध्यम से अपने भावों को प्रभावशाली अभिव्यक्ति देना असंभव नहीं है. आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मन को थोड़ा समझा लें और साधना करें. कुछ ऐसी ही सलाह दे रही हैं जमशेदपुर की कवयित्री सविता सिंह मीरा. इनकी कविता का शीर्षक है-मन को थोड़ा समझा लें हम.

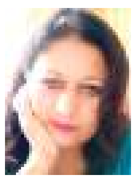

मन को थोड़ा समझा लें हम
क्यों करना ऐसा हनन
कैसे उपजे है यह चिंतन
क्यों होना इतना मुंहफट
कर लेते कुछ तो मंथन.
उपालम्भ और आलोचना
जायज है क्या तकरार?
शब्दों से करना छलनी
सच में इसकी है दरकार.
आवरण धारण है मौन का
पर खामोशी में भी शोर है
क्या गरल पीने लगे हो तुम?
यह तुम ही हो या कोई और है.
कुछ क्षण व्यथित रही
और थोड़ी भ्रमित रही
धत्त तेरी सुन पगली
अब भी तू चकित रही.
विद्वान सर्वत्र पूज्यते
क्यों इसको तू गई भूल
फूल बिछाए राहों पर कौन
लांघते चलो पथ के शूल.
होगा निश्चित पथ प्रशस्त
खुद में रहना तुम आश्वस्त,
एकला चल तू बंधु
इक दिन होना सबका अस्त.

वर्षा ऋतु के सुख से पहले ज्येष्ठ का तपन आता है. अभिप्राय यह कि दुख से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि दुख के बाद सुख आता ही है. मृगशिरा नक्षत्र में जहां लोग सूर्य के कठिन आतप में तपते हुए शिथिल हो जाते हैं, तब वर्षा के आगमन की आस बंधती है. फिर भी जब धूप सताती है तो भविष्य नहीं वर्तमान ही नजर आता है तो दिल से पुकार उठती है-ऐ धूप अब तो मान जा....अब तो जान छोड़. पलामू के डालटनगंज निवासी कवि अमित गुप्ता की कविता से यही भाव अभिव्यक्त हो रहा है.

इनकी कविता का शीर्षक है-ऐ धूप, तू मान मेरी.

ये धूप, तेरा यूं नित्य बढ़ना लाजमी है मानता हूं मैं,
तेरी तपन तुझको मानवों ने ही दिए, जानता हूं मैं
पर क्या तू भी बन जाओगे निर्मोही और निष्ठुर
तू मान मेरी, कर दे ऐसी सभी नाराजगी तू दूर
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरे तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
दर्द तेरा समझता हूं, ऐसे ही नहीं ढा रहा तू ये कहर
इच्छाओं की परिसीमा लांघते गए हम इंसान इस कदर
पेड़ काटे, पर्वत-पहाड़ तोड़े, और क्या-क्या न किए
पर तुझसे तो हमने ना कभी ऐसी उम्मीद की
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरी तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
अच्छे, बुरे, लोभी, लालची, मतलबी चाहे जैसे भी
आखिर ये भी तो तेरे संगी हैं, तू रखे चाहे जैसे भी
मान जा, तू जिद न कर, बढ़ तू पर न इस तरह
प्रकृति प्रेमियों के भी आंसू बहे पसीने की तरह
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरे तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
नन्हे बच्चों की छुट्टियां अभी-अभी तो खत्म हुई
नई जोश नई उमंग है, पर ये गर्मी से बेहाल हैं
ये तपन उन्हें सताती है, न जाऊंगा स्कूल, कहलवाती है
ये भविष्य कल के, पढ़ कर समझेंगे तेरी वेदना को
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरी तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है.

यह सुखद है कि कवि ने समझाया तो धूप की भी समझदारी बढ़ गयी. उसने मेघों की चादर ओढ़ ली. मेघों ने भी किया कमाल. रिमझिम के तराने शुरू हो गये. धरती की छाती जुंड़ा गयी. चराचर जगत के चेहरे खिल उठे. अधरों पर मधुर मुस्कान थिरक उठी. चारों ओर आनंद ही आनंद है. अब तो मुझे आज्ञा दीजिए. जय हिंद! जय झारखंड!!

सवाल में बवाल

रिंग रोड पर मिल गए नेता जी बलवीर .
कुत्ता उनके साथ था पकड़ रखी ज़ंजीर..
पकड़ रखी जंजीर अल्सेशियन था वह कुत्ता .
नेता से दो गुना भौंकने का था बुत्ता..
हमने पूछा, कहो, आज कैसे हो गुमसुम .
इस गधे को लेकर कहाँ जा रहे हो तुम..
नेता बोले क्रोध से करके टेढ़ी नाक .
कुत्ता है या गधा है, फूट गईं हैं आँख..
फूट गईं हैं आँख, नशा करके आए हो .
बिना बात सुबह-सुबह लड़ने आए हो..
हमने कहा कि कौन आपसे जूझ रहे हैं .
यह सवाल तो हम कुत्ते से पूछ रहे हैं..

- काका हाथरसी

आधुनिक, विकसित मनुष्य की व्यथा

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

मनुष्य के हज़ारों, लाखों सालों की विकास यात्रा आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां यह निर्णय करने में भी कठिनाई हो रही है कि सुख क्या है, कहां है! हम भारत के परिपेक्ष्य में बात करें तो कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं. भारत की बड़ी आबादी मूल रूप से दुनिया के अलग क्षेत्रों से यहां आये और हज़ारों सालों से यहां बस गए. अलग भौगोलिक, प्राकृतिक परिस्थिति के अनुरूप उन पूर्वजों ने अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, नियम, कानून और समाज को विकसित किया. फिर ज़मीन को सबसे बड़ी संपत्ति और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी मानते रहे सदियों तक. यूं तो इतिहास में ऐसे बहुत सारे लोगों के भारत आने का प्रमाण उपलब्ध सबूतों में मिलता है, पर यहां इस बात की चर्चा अप्रासंगिक नहीं है कि सबसे ज्यादा आक्रमणकारी लुटेरा बनकर भारत से सोना और संपत्ति लूटने आया था.हूण-कुषाण और बाद में मुग़ल वंश के लोग यहीं आकर बस गए. सब शासकों का अच्छा -बुरा जो भी शासन रहा उसमें भारतीय मूल ग्रामीण जीवन शैली बहुत वृहत पैमाने पर प्रभावित नहीं हुआ था. अठारहवीं शताब्दी में व्यापारी बनकर भारत में प्रवेश करने वाले यूरोपीय लोगों में कालांतर में इंग्लैंड के लोग तो शासक ही बन बैठे. उन लोगों ने बहुत चतुराई से भारत के लोगों में अपनी भाषा, संस्कृति, लिबास, शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्ञान इत्यादि से घृणा करना सिखाया . इसमें अलग अलग समय में धर्म परिवर्तन और सांस्कृतिक परिवर्तन पर भी जोर दिया गया. भारत के लोग अपनी संस्कृति और भाषा से धीरे धीरे दूर ही नहीं होते गए, उस 'यूरोपीकरण ' के दौड़ में पिछड़ने पर दूसरे और तीसरे दर्जे का आदमी बनना मानसिक रूप से स्वीकार कर लिया. फिर आया औद्योगीकरण का दौर, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण पैसा हो गया. गांव के बड़े भूखंड अर्थहीन और निरर्थक हो गए. खेतों में काम करने वाले करोड़ों ग्रामवासी महानगरों के आसपास झुग्गियों में जीवन गुज़ारते हुए फैक्टरी मज़दूर बन गए. उनका मूल श्रम और सोच मालिकों को और अमीर बनाने में लगा रहा! धीरे धीरे उनकी भाषा संस्कृति पीछे छूट गयी. और भाषा छूटने के साथ ही उनका अस्तित्व भी मिटने लगा. ध्यातव्य है कि ईख मज़दूरों और अन्य कुली मज़दूरों के रूप में मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे भारतीय मूल के लोग दो तीन सौ सालों के बाद भी अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार सम्हाले बैठे हैं! इक्कीसवीं सदी में मूल चंपारण का निवासी, पढ़ा लिखा भी दिल्ली के मयूर बिहार में रहने वाले बच्चों से अपनी मातृभाषा में बात नही करता और उसे अपनी संस्कृति ,संस्कार की ज्यादा चीजें घिनौनी और दकियानूसी लग रही हैं.यह एक अलग संक्रमण काल है.

अद्भुत एवं अद्वितीय है बुद्ध स्तूप

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

बिहार का वैशाली वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठित है, क्योंकि यह एक ओर गौतमबुद्ध की उपदेश भूमि है तो दूसरी ओर जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर की जन्मभूमि है. तीसरी ओर गणतंत्र की जननी, चौथी ओर रामायण कालीन क्षत्रिय राजा विशाल की राजधानी और पांचवीं ओर वैशाली की नगर वधू आम्रपाली की दीक्षा भूमि है. बहुविध चतुर्दिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर आज वैशाली वैश्विक धरातल पर अजर अमर हो चुकी है.

वैशाली में अनेक स्तूप बने हुए हैं. यथा आनंद स्तूप, विश्व शांति स्तूप, अशोक स्तूप आदि. उनमें गौतमबुद्ध की स्मृति में बना गौतमबुद्ध स्तूप अद्भुत एवं अद्वितीय है. आज मैं गौतमबुद्ध के अवशेष पर बने बौद्ध स्तूप के संदर्भ में अपने पाठकों को बताना चाहता हूं. कहा जाता है कि गौतमबुद्ध का महापरिनिर्वाण होने पर उनके शरीर का एक भाग लिच्छिवियों को मिला, जिसके ऊपर उन्होंने एक स्मारक खड़ा किया. मार्च 1958 में अभिषेक पुष्पकरिणी के उत्तर हरपुर वसंतपुर गांव के एक टीला की पुरातात्विक खुदाई की गई. खुदाई में गौतमबुद्ध का शरीरावशेष प्राप्त हुआ. उत्खनन कर्ता डॉ. एएस अल्तेकर थे. खुदाई से मिले स्तूप को एक छतरी से ढककर सुरक्षित किया गया और उसे एक सुंदर पार्क से सुशोभित किया गया.

सुप्रसिद्ध चीनी यात्री युवाड-च्वागं ने अपनी पुस्तक यात्रा विवरणी में लिखा है कि राजकीय नगर के 150 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर-पश्चिम की ओर एक संधाराम है, जिसके बगल में एक स्तूप है, उसी स्थान पर तथागत ने 'विमल कीर्ति' सूत्र को व्यक्त किया था. वहीं पर एक कृषक के बेटे रत्नाकर ने छोटा छाता भेंट किया था. उक्त स्तूप के दक्षिण पूरब में एक अंतिम बौद्ध स्तूप है, जिसे वैशाली के राजा ने बनवाया था.

गौतमबुद्ध के निर्वाण के बाद वैशाली के राजा को उनकी राख का एक अंश मिला, जिस पर उनके सम्मान में वहां एक ऊंचा स्तूप बनवाया गया था. सर्वप्रथम उस स्तूप के अंदर भगवान गौतम बुद्ध के शरीरावशेष को एक खोह में 10 भाग अंश सुरक्षित रखा गया था. अपने शासन काल में सम्राट अशोक उसे खुदवाकर नौ भाग ले गये और उसमें एक भाग छोड़ दिया. उसके बाद एक और राजा ने दोबारा उसे खुदवाने का प्रयास किया था, लेकिन वह सफल नहीं हुआ. स्तूप को खुदवाते समय वहां की धरती कांपने लगी और फिर कभी किसी ने उसे खुदवाने का प्रयास नहीं किया.

गौतमबुद्ध के शरीरावशेष को बहुत दिनों बाद बिहार सरकार ने खुदवाया, जो इन दिनों पटना संग्रहालय में संरक्षित है. चीनी यात्री फाहियान के अनुसार वैशाली नगर में आम्रपाली नाम की एक विश्व सुंदरी नर्तकी रहती थी, उसने ही गौतमबुद्ध का वर्तमान स्तूप बनवाया था, जिसे आज भी देखा जा सकता है.

सबको मालूम है और सबको खबर हो गई

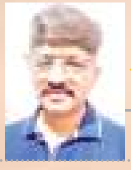

नश्तर

सुधीर राघव

रामराज्य का शोर थम चुका है. अब धड़ाधड़ पुल गिर रहे हैं. सड़कें धंस रही हैं. हवाई अड्डों की छत्त गिर रही है. पेपर लीक हो रहे हैं. महंगाई रोज नए मिसाइल टेस्ट कर रही है. उसने गरीबों से युद्ध छेड़ दिया है. टमाटर में नया मूल्यवर्धन इंजन लगाकर उसे हाइपरसोनिक मिसाइल बना दिया गया है. एंटीलिया वालों ने सारे प्लान महंगे कर दिए हैं, ताकि टमाटर सिर्फ उनकी थाली और सलाद में रहे. वे अपने हाथियों को ड्राई-फ्रूट्स के लड्डू खिला रहे हैं. इसलिए ड्राई-फ्रूट्स की मांग बढ़ गई. नेता प्रचार कर रहा है कि देखो देश अमीर हो रहा है.

ड्राई-फ्रूट्स वाले टनों लड्डू रोज हाथियों को खिलाने से बादाम इतने महंगे हो गए हैं. इतने कि अब वे गरीबों के बच्चों के सपने में भी नहीं आते. उधर, हाथी सोच रहे हैं कि भगवान ने हमारी आंतों को कच्ची शाकाएं पचाने के लिए बनाया है तो हमें पका हुआ दलिया और लड्डू क्यों खिलाया जा रहा है. हाथियों को गैस बन रही है.बदहजमी की डकारें आ रही हैं. वे और फूल गये हैं. वजन कम करने के लिए हाथियों

के जोड़े मोहम्मद रफी और सुमन कल्याणपुर का गीत 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर जुबान पर..सबको मालूम है और सबको खबर हो गई...' फुल वॉल्यूम पर लगाकर नाच रहे हैं. गैस फिर भी कम नहीं हो रही. वजन तब भी नहीं घट रहा. इस तरह गरीबों को रौंदने के लिए धनपशु और जंगली पशु एक हो गए हैं. दाल, तरकारी, हींग, तेल, दूध सबके दाम बे-रोकटोक बढ़ रहे हैं. ऐसा लगता है कि दिल्ली के तख्त पर बैठा सुल्तान भूख-प्यास कुछ नहीं समझता. उसे गरीब की रोजी-रोटी से कोई मतलब ही नहीं है. उसे नहीं परवाह कि महंगाई के कारण गरीब के बच्चे को दूध नहीं मिल पा रहा. गरीब का बच्चा चावल के चार दाने डालकर उबाला गया पानी पी रहा है.

विदेश से कोई न्योता नहीं है. नेता आराम कर रहा है. मगर उसकी जुबान चल रही है. काम उसे कोई आता नहीं है, इसलिए करता भी नहीं है. देश को उसने ठेकेदारों के भरोसे छोड़ दिया है. जो सीमेंट की जगह गोबर से पुल बना रहे हैं. तारकोल की जगह कीचड़ से सड़कें लीप रहे हैं. सरकार इस काम के लिए उन्हें करोड़ों रुपए दे रही है. देश के खजाने की इस खुली लूट को मीडिया इको-फ्रेंडली प्रोजेक्ट बता रहा है. पहले आतंकवादी बम लगाकर पुल गिराते थे. अब पुल अपने आप गिर रहे हैं. बिना आतंकवाद के. अब आतंकवादियों को बम लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ती. इस तरह उनके मिशन की लागत शून्य हो गई है. सरकार ने पुल बनाने के ठेके ही आतंकवादियों को दे दिए हैं. नेता प्रचार कर रहा है-हमने आतंकवाद खत्म कर दिया. निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ा दिया. जनता समझदार है. उसे अपनी और अपने बच्चों की जान की फ़िक्र है. इसलिए उसने पुलों का इस्तेमाल करना छोड़ दिया है. बच्चे रस्सी से लटककर नदी पार कर स्कूल जा रहे हैं. लोग केले के तने पर बैठकर धारा पार कर रहे हैं. लकड़ी के तख्ते पर बैठकर जा रहे हैं, गले में ट्यूब डालकर तैरते हुए जा रहे हैं. उन्होंने कसम खा ली है कि वे कभी पुल से नहीं जाएंगे. पुल से गये तो जान गई. और जान है तो जहान है. उधर, मीडिया खबर बना रहा है, दस दिन में सात पुल गिरे मगर कोई जनहानि नहीं. इससे सरकार खुश है, नेता खुश हैं, भ्रष्टाचारी खुश हैं और निस्संदेह आतंकवादी भी खुश हैं. मगर जनता का दुःख बढ़ गया है, जिससे किसी का कोई लेना-देना नहीं.

शैलजा केडिया की कलाकृतियों में गांव के रहन-सहन

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

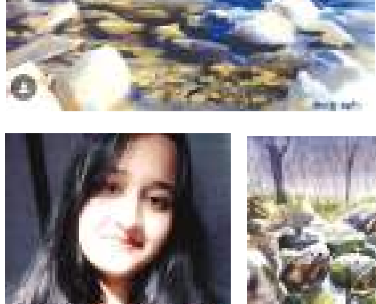

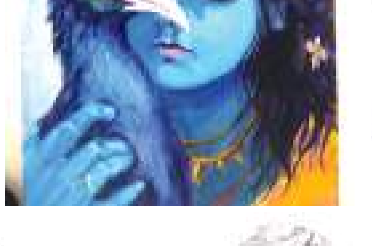

भावनाओं की अभिव्यक्ति चित्रों के माध्यम से अति प्राचीन काल से होती चली आ रही है. वस्तुतः लिपि के आविष्कार के पूर्व चित्र ही एक -दूसरे के बीच चिह्नित रूपों में संचार माध्यम के साधन थे. स्वाभाविक रूप से हर बुद्धिजीवी के लिए चित्रकार होना अनिवार्य ही होता होगा, लेकिन कालान्तर में मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ चित्रों का स्थान लिपि ने ले लिया. हालांकि चित्रकला सीधे अपने समय से टकराती है. अपने समय के विश्वासों की रक्षा का भार उस पर होता है, उसकी समूची चित्तवृत्ति भी उसी से अभिव्यक्त होती है. समय की धारा के साथ-साथ कला का यह स्वरूप सदैव परिवर्तित होता रहता है. कभी कलात्मकता के आधार पर, कभी राजनीतिक उथल-पुथल के आधार पर, कभी सामाजिकता और विचारों के आधार पर तो कभी रूप रेखा तथा विषय-वस्तु के आधार पर. कला इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार हमेशा कलाकार चले आ रहे वादों के प्रतिकूल अपनी-अपनी अभिव्यक्तियों का मूर्त रूप प्रदान करते रहे हैं. तभी एक नई कला का जन्म होता है. आज झारखंड के कई चित्रकारों ने नई पृष्ठभूमि तैयार करने और कला में स्पंदन लाने हेतु अपनी कल्पनाओं को रंगों-रेखाओं के माध्यम से मूर्त रूप दे रहे हैं. इनमें से एक हैं- शैलजा केडिया.

आज भी लोग गांव में रहते हैं, लेकिन विकास ने उनकी चाल ढाल व कार्यशैली और रहन-सहन में बदलाव ला दिया है. धीरे-धीरे ही सही, लेकिन शहरी सुविधाएं अब गांवों तक पहुंच चुकी हैं. एक तरफ ग्रामीण जीवन जीना तो आसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर गांवों में प्रकृति के साथ जीने की जो जीवनशैली थी, अब खत्म होती जा रही है. हालांकि आज भी भारतीय ग्रामीण जीवन शैली लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, तभी तो शैलजा केडिया जैसे कलाकारों की कलाकृतियों में गांव के लोग, उनके रहन सहन उनके उत्सव से लेकर शहर की गलियों तक के दृश्य दिखते हैं. शैलजा के चित्र सामाजिक अनुभवों की अभिव्यक्ति है, यही कारण है कि इनके चित्रों की संप्रेषणीयता में कोई रुकावट नहीं है. शैलजा दूसरों के बनाये रास्ते पर नहीं, बल्कि अपने द्वारा बनाये रास्ते पर चलना चाहती हैं. इनमें परंपरागत की जगह अलग हटकर पहचान बनाने की जुनून है. इसलिए इन्होंने कला की नई परिभाषा गढ़ने की हिम्मत जुटाई है. इनकी कलाकृति में एक अलग झलक मिलती है. चित्रों में रंग संयोजन, रेखाओं की उभार और अद्भुत भाव दिखता है. बचपन से ही शैलजा का कला के प्रति लगाव रहा. आगे चलकर इनके अंदर की सुषुप्त कला धीरे-धीरे पल्लवित और विकसित होने लगी. शुरू से ही अपने गहन विचारों को उन्मुक्त भाव से अपनी सुंदर कलाकृतियों के रूप अभिव्यक्त करती आ रही शैलजा ने सत्यम श्री से चित्रकला की बारीकियों को समझकर नई कृतियों का सृजन कर रही हैं और समाज में एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में स्थापित होने को अग्रसर हैं. इनके चित्रों का अपना स्वतंत्र संसार है. पिछले कुछ दिनों से इनके माध्यम में परिवर्तन हुआ है और आज कल ये अधिकतर कलाकृतियां कलम से ही बना रही है और इस माध्यम में ये अपने आपको पूर्ण रूप से व्यक्त कर पाती हैं.

रथ यात्रा विशेष

झारखंड में सदियों पुरानी प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा

हिमकर श्याम

झारखंड में महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है. राज्य के ऐतिहासिक महोत्सवों में यह सबसे प्रमुख और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है. राजधानी रांची के अलावा कई जिलों में बड़े धूमधाम से रथ यात्रा निकाली जाती है. ढोल, नगाड़ों, तुरही और शंखध्वनि के बीच भक्तगण प्रभु के रथ को खींचते हैं. मान्यता है कि प्रभु के रथ का रस्सा खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है. रथ यात्रा का उत्सव आस्था के साथ-साथ सम्मिलित विश्वास का भी प्रतीक है. रथ मेले की रौनक देखते बनती है.

रांची 333 साल पुरानी परंपरा

रांची में रथयात्रा का शुभारम्भ वर्ष 1691 में हुआ था. तभी से ही यह परंपरा चली आ रही है. रथ यात्रा जगन्नाथपुर मंदिर से लेकर मौसीबाड़ी तक निकाली जाती है. रथ का रूप श्रद्धा के रस से परिपूर्ण होता है. बड़ी संख्या में लोग यात्रा में शामिल होते हैं. बड़कागढ़ के ठाकुर महाराजा रामशाह के पुत्र ठाकुर ऐनीनाथ शाहदेव ने 25 दिसंबर, 1691 में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण करवाया था. मुख्य मंदिर से आधे किमी की दूरी पर मौसीबाड़ी का निर्माण किया गया है.

खरसावां : सरकार उठाती है खर्च

सरायकेला खरसावां के हरिभंजा में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकलती है. यहां रथ यात्रा की परंपरा लगभग ढाई सौ साल पुरानी है. रथ पर सवार होकर प्रभु जगन्नाथ, प्रभु बलभद्र व देवी सुभद्रा मौसीबाड़ी गुंडिचा मंदिर जाते हैं. कहा जाता है कि सिंहदेव वंश के द्वारा 17 वीं सदी में प्रभु जगन्नाथ के मंदिर की स्थापना की गई थी. आजादी से पूर्व रथ यात्रा में होने वाले सभी खर्च राज परिवार उठाता था. आजादी के बाद यात्रा के आयोजन पर होने वाला सारा खर्च राज्य सरकार उठाती है.

सिमडेगा : 700 साल पुराना इतिहास

सिमडेगा में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का इतिहास करीब सात सौ साल पुराना है. 1326 ई में हटंबर सिंह देव के द्वारा बीरुगढ़ के ठाकुरबाड़ी में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई थी. हटंबर सिंह ने ही यहां मंदिर की स्थापना की थी. ठेठईटांगर प्रखंड के टुकुपानी स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर से भी रथ यात्रा निकाली जाती है. 1925 में पहली बार चित्रसेन परिवार के द्वारा रथयात्रा निकाली गई थी. जिले के कोलेबिरा प्रखंड के भंवरपहाड़ गढ़ में लगभग 180 सालों से रथ मेला लगता है. भंवरपहाड़ गढ़ परगना के रणबहादुर सिंह के द्वारा रथयात्रा की परंपरा शुरू की गई थी. रथ यात्रा कोलेबिरा मौसीबाड़ी तक जाती है.

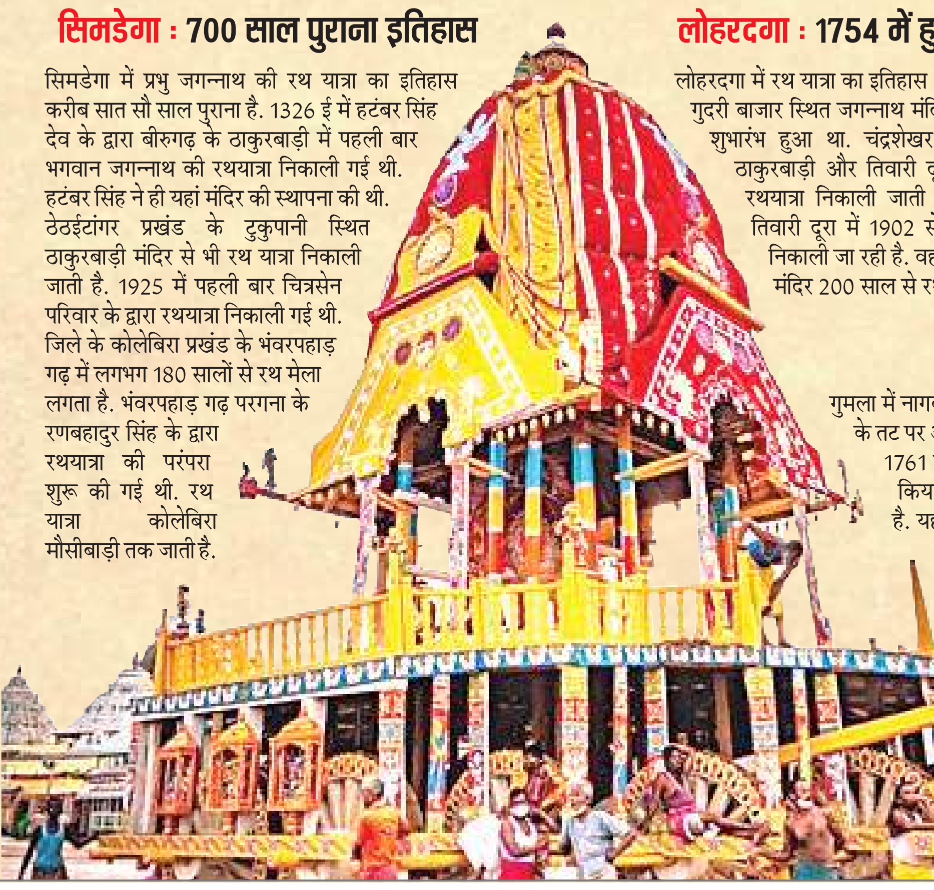

लोहरदगा : 1754 में हुआ था शुभारम्भ

लोहरदगा में रथ यात्रा का इतिहास 270 साल पुराना है. शहर के गुदरी बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से 1754 में रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ था. चंद्रशेखर आजाद चौक तेतरतर के ठाकुरबाड़ी और तिवारी दूरा स्थित ठाकुरबाड़ी से भी रथयात्रा निकाली जाती है. तेतरतर में 1885 और तिवारी दूरा में 1902 से प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा रही है. वहीं भंडरा प्रखंड के ठाकुरबाड़ी मंदिर 200 साल से रथ यात्रा निकाली जा रही है.

पलामू : 1840 में हुई थी शुरुआत

पलामू के चैनपुर पुर गढ़ में स्थित भगवान जगन्नाथ के मंदिर से मौसी बाड़ी कुसुमदाहा मंदिर तक भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है. कहा जाता है कि चैनपुर स्टेट के छत्रधारी सिंह ने 1840 के आसपास यहां जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया था. तब से रथ यात्रा की परंपरा कायम है. जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शास्त्री नगर में स्थित राम जानकी मंदिर से लगभग सौ वर्षों से रथ यात्रा निकलती है.

गुमला : नागवंशी राजाओं की परंपरा

गुमला में नागवंशी राजाओं ने रथयात्रा की परंपरा शुरू की थी. सिसई प्रखंड के नागफेनी में कोयल नदी के तट पर अवस्थित जगन्नाथ मंदिर की स्थापना रातू गढ़ के राजा रघुनाथ शाही के द्वारा विक्रम संवत 1761 में हुई थी. नागवंशियों की उप राजधानी रही पालकोट में भी रथ यात्रा मेला का आयोजन किया जाता है. बसिया प्रखंड के नारेकेला गांव के जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा निकाली जाती है. यहां मंदिर 115 वर्ष पुराना है जिसका निर्माण जमींदार रणबहादुर लाल ने कराया था. वहीं करौंदी में 110 वर्षों से रथयात्रा मेला का आयोजन हो रहा है. बड़ाइक देवनंदन सिंह ने करौंदी बगीचा में रथ यात्रा मेला की शुरूआत की थी.

लातेहार : 191 सालों से चल रही है परंपरा

लातेहार के बाजारटांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर से महंत पूरन दास जी महाराज ने 1833 में रथ यात्रा आरम्भ हुआ था. उस समय यह रथयात्रा प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ होकर धर्मपुर मौसीबाड़ी तक जाती थी. 1995 में लातेहार शहर के मेन रोड में ठाकुरबाड़ी का निर्माण हुआ. तब से ठाकुरबाड़ी से रथ यात्रा निकाली जाने लगी.

प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है. आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ यात्रा पर निकलते हैं. रथ की यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर मौसी बाड़ी मंदिर तक पहुंचती है. नौ दिनों के बाद वापसी की यात्रा होती है, जिसे घूरती यात्रा कहा जाता है.

सब मनिसा मोर परजा

डॉ मयंक मुरारी

भारत की परम चेतना ने मानव के संपूर्ण विकास को विराट पुरुष के भीतर देखा है. उसमें अनंत मस्तक, अनंत नेत्र, अनंत भुजाएं और अनंत चरण हैं. यह पुरुष धरती के चारों ओर है, जितने मनुष्य हैं, उतने उसके स्वरूप. इस विराट जगत का सनातन स्वरूप ही जगन्नाथ में विद्यमान है. यह भूतल उसके बिंब से बना प्रतिबिंब है. समस्त विकास की श्रेष्ठतम सीमा का बोध जगन्नाथ है. वह दर्शन की प्रखर प्रज्ञा है. उस एक पुरुष के भीतर विश्व का संपूर्ण मानव समाज समाहित है. उनका मूल हमारा भूमंडल है, हमारा भारतवर्ष है.

विष्णु का जाग्रत रूप

दुर्गा सप्तशती (1.66,71) में कहा गया है कि जगन्नाथ विष्णु के जाग्रत रूप हैं. जब तक भगवान सोये हुए थे, उनको विष्णु कहा गया, जब योगनिद्रा उनके शरीर से निकली, तब उनको जगन्नाथ कहा गया है. जब भगवती निद्रा रूप थीं, वे वाम थीं, निद्रा त्याग कर जगन्नाथ की क्रिया रूप में आयीं तो दक्षिणा काली हो गयी. जगन्नाथ को दक्षिणाकाली का रूप कहा गया है. काली का प्रतीक नीम के पेड़ की तनाओं से उनका विग्रह बनता है. यह जीवाणु नाशक के रूप में रक्तबीज का नाश करती है. शिव का ज्ञानरूप दक्षिणामूर्ति है. इसके त्रिविध विभाजन में जगन्नाथ का मूर्ति रूप ऋग्वेद, गति रूप यजुर्वेद, ज्ञान रूप सामवेद है. इन सबका स्थिर आधार अथर्व है. जगन्नाथ सहित तीन विग्रह सत चित आनंद और सत श्री आकाल का बोध कराता है. इस त्रिविध स्वरूप को लेकर कहा गया है कि उभय बीच सिय सोहति कैसी. ब्रह्म जीव बीच माया जैसी. उनको स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक का स्वामी कहा गया. वह सदैव ब्रह्मस्वरूप में होते हैं, उनका कार्य, करण और कर्तापन नहीं दिखता है. यह पता नहीं चलता कि इसका संचालक कौन है. इसे जगत के समक्ष बताने के लिए ही जगन्नाथ स्वामी के हाथ नहीं है. जगन्नाथ की शक्ति ब्रह्म की तरह है तीन रूपों में दिखती है-ज्ञान, बल और क्रिया. ज्ञानघन में वह जगन्नाथ, बलरूप में बलभद्र और क्रियारूप में वह सुभद्रा है.

कब तक ताकेंगे राह

जगन्नाथ का मास आषाढ़ है जब आकाश और धरती का मिलन होता है. यह जगत और जीव के बीच को जोड़ने का अवसर है. आषाढ़ मास आते ही आसमान में मेघ उमड़ने-घुमड़ने लगते हैं. काले-काले मनभावन. जगन्नाथ की गोपियां गीत गाती है कि-लोग पुकारे और जगन्नाथ ना आए. राह हम कब तक ताकेंगे. ऊधोजी कहियों जायें, श्याम यहां कब तक आवेंगे? भक्त बुलाए तो भगवान को निकलना ही पड़ता है. रथ की पालकी बनायी जा रही हैं, सभी भक्त लगे हुए हैं. भगवान को कोई दिक्कत नहीं हो. इसलिए नारियल की कोमल लकड़ी रखी जाती है. लाल, काले, हरा और सभी रंग में हाथ बनाना है. लोग व्याकुल हैं. अब भगवान स्नान करेंगे, फिर सवारी निकलेगी. गंडीचा जाना है.

काष्ठ में ब्रह्म

जगन्नाथ के इस जगत में वे खुद काष्ठमूर्ति में विराजते हैं. सारे जगत में ऐसा कहीं नहीं देखा गया कि काष्ठ प्रतिमाएं सिद्ध चावल का भोग ग्रहण करती हो, निश्चित तिथि पर अपने कलेवर बदलते हों तथा जिनमें ब्रह्मरूप में प्राण का स्पंदन हो. दारू यानी काष्ठ में ब्रह्म. ये प्रतिमाएं भी अपूर्ण हैं. इनके हाथ और पैर नहीं हैं, मुखमंडल का निर्माण भी पूरा नहीं है. इसके बावजूद जगन्नाथ यानी इस सृष्टि के स्वामी को सगुण स्वरूप दिया जाता है. इस कर्मकांडीय क्रिया के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि जन्म और मृत्यु से कोई वंचित नहीं है, सभी इसके अधीन हैं. चाहे वह देव हो या मानव. वैसे भी जब जगत के स्वामी इस धरती पर आये हैं, तो उनकी क्रिया और कार्यकलाप मानव की तरह ही होना चाहिए. इसलिए समय अंतराल पर एक आनुष्ठानिक क्रिया से ईश्वर को स्वरूप दिया जाता है. यह धार्मिक के साथ हिंदू जनमानस की मानसिक क्रिया है, जो सामूहिक चेतना का प्रकटीकरण करती है. यजुर्वेद में कहा गया है कि ईंशावास्य मिदं... सब कुछ उस ईश्वर का है, तो उसकी अनुभूति के लिए सामूहिक चेतना से उस अवचेतन की यात्रा करनी होगी.

धरती और मानव शरीर

भगवान जगन्नाथ का नया स्वरूप सदैव ही नीम के तनों से किया जाता है. यह एकमात्र ऐसा पेड़ है जो एंटीफंगल है. शरीर परिवर्तनशील है, लेकिन उसमें रोग लग सकता है. अतएव इससे बचाने की प्रक्रिया जीवन के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है. भगवान का शरीर भी नीम के तनों से बनता है, जो स्वस्थ और चैतन्य जीवन का वाहक होता है. जगन्नाथ ने इस धरती पर मानव शरीर धारण किया है, तो उनकी दिनचर्या है. वे तैयार होते हैं, उनको भूख लगती है, वे सोते हैं और रोजाना कपड़ा भी बदलते हैं. वह ऋतुओं का आनंद लेते हैं, उत्सव में मग्न होते हैं और अपने परिवार से भी मिलते हैं. उनका स्वरूप भक्तों के लिए एक संदेश है.

क्षणभंगुरता में शाश्वत की खोज

जगन्नाथ स्वामी का स्वरूप क्षणभंगुरता में शाश्वत की खोज है. उनकी आंखों में भक्तों को मुक्ति का आश्वासन दिखता है. वह जगत के नाथ हैं, तो कुछ भी संभव है. भगवान जगन्नाथ की पलकें, हाथ और पैर नहीं हैं, क्योंकि वे भगवान के अवतार रूप में (मानव स्वरूप) में नहीं बल्कि स्वयं भगवान रूप में इस धरती पर विराजमान हैं. यही कारण है कि अपूर्ण शरीर में भी उनके मुख पर सदा मुस्कान का वास होता है. जगन्नाथ स्वामी सदैव हमारी अपूर्णता और मानवीय दशाओं की अधूरेपन का स्मरण कराते हैं, जो जीवन में दुख, शोक, बीमारी और मृत्यु के रूप में हमको भोगना होता है. इन सब के बावजूद इस जीवन चक्र में ऋतुचक्र की तरह सबकुछ स्थायी नहीं होता है, इस अमर संदेश के साथ जीवन जीना ही भगवान जगन्नाथ की आराधना है.

सामूहिकता और सामंजस्य का दर्शन

भारतीय परंपरा की संरचना में निर्धारित मूल्यों, विश्वासों, व्यवस्थाओं एवं सामाजिक प्रक्रियाओं का अमूल्य योगदान रहता है. ये मूल्य, विश्वास, प्रक्रिया और व्यवस्थाएं ही हमारी परंपरा की आधारशिला होती हैं. जगन्नाथ रथयात्रा हो या कुंभ स्नान, होली हो या छठोत्सव, इनमें भारतीय परंपरा के अनेक रूप दिखते हैं, जो आपस में विरोधी होते है फिर भी समन्वयवादी स्वभाव और सामूहिक व्यवहार का स्वरूप प्रकट होता है. जिस प्रकार होली में अमीर-गरीब, बड़ा-छोटा सब बराबर रूपों से रंगों में सराबोर होते हैं, इसी प्रकार जगन्नाथ की रथयात्रा में संरचनात्मक विरोधी अनुष्ठान के बाद भी सामूहिकता और सामंजस्य का प्रदर्शन होता है. इस रथयात्रा में क्या राजा, क्या रंक ? सब समान रूप से श्रद्धा के सैलाब में अपनी भागीदारी करते हैं. कोई सड़क को साफ करता है, कोई पानी देकर झाड़ू लगाता है तो कोई निहारता रहता है. यह ऐसा सात्विक भाव और आत्मिक आरोहण का अवसर होता है कि भगवान जगन्नाथ भी अपने एकांत गर्भगृह से बाहर आने का लोभ संवरण नहीं कर पाते हैं. मंदिर के गर्भगृह में गुप्त पूजाविधान को छोड़कर भक्तों के बीच आ जाते हैं. अपने भक्तों, अपने दीन-हीन प्रजा और अपने लोगों की आर्तनाद को सुनने के लिए वह लकड़ी के रथों पर सवार हो जाते हैं, ताकि भक्तों के बीच उनके सुख-दुख का सहभागी हो सके.

आलू व चीनी रहित प्रसाद

वैष्णव मत में भगवान विष्णु को विशुद्ध और सात्विक गुणों का प्रतिनिधि माना जाता है. जैसे भगवान विष्णु नित्य शुद्ध हैं, वैसे ही उनका प्रसाद भी शुद्ध हैं. जगन्नाथ का प्रसाद और गंगाजल दोनों बराबर है. स्कंध पुराण के अनुसार भगवान जगन्नाथ भी इस तीर्थ में किए गए नैवेद्य का साक्षात भोजन करते हैं. यही कारण है कि जगन्नाथ स्वामी के प्रसाद की महिमा अनंत है. यहां के महाप्रसाद में उच्छिष्टता तथा स्पर्श का दोष नहीं लगता. जगत का जब स्वरूप एक है तो जगन्नाथ के समक्ष क्या ब्राह्मण और क्या छूत. सब एक साथ प्रसाद का भोग लगाते हैं. यही नहीं महाप्रसाद में कुछ भी छोड़ा नहीं जा सकता है. यह भी अनुष्ठान का एक अनूठा तरीका है. महाप्रसाद के लिए रसाई में आज भी लोकायत के तत्वों का समावेश है. महाप्रसाद में आज भी आलू और चीनी का प्रयोग नहीं किया जाता है. जगन्नाथ स्वामी का दैनिक भोज चावल के चोकर की टिकियां और सबसे साधारण उन साग-सब्जियों से बनाया जाता है, जो उड़ीसा के गरीब किसानों द्वारा उपजाया जाता है और खाया जाता है. जगन्नाथ स्वामी एक समय में गजपति राजाओं के देवता थे, बावजूद इसके उनके रथ को न ही हाथी द्वारा खींचा गया और न ही सेनाओं द्वारा या किसी भाड़े के मजदूरों द्वारा ही खींचा गया. उनके रथ को उस समय भी आमजन और भक्तों द्वारा खींचा जाता था, और आज भी भक्तजन ही खींचते हैं. यह सनातन परंपरा का परिचायक है, जिसमें भक्त और भगवान के बीच किसी प्रकार का कोई दुराव या गैप नहीं होता है.

इसी कारण ब्रह्मांड के संरक्षक जगन्नाथ स्वामी अपने भक्तों की प्रार्थनाओं को धैर्यपूर्वक सुनते हैं और फिर उन्हें कई रंग-बिरंगे त्योहारों की खुशी और भोजन की सबसे मनोरम पेशकश करते हैं. ऐसे विशिष्ट भगवान भी इस रथयात्रा में सामान्य जन की तरह अपने पद और महिमा को भुलाकर समानता का प्रदर्शन करते हैं. विशिष्ट जनों का देवता, पवित्र मंत्रों का देवता, राजाओं में राजपद का देवता एक बार सामान्य जन का देवता बन जाता है. यह भारतीय परंपरा की अनूठी व्यवस्था है जो विष्णु राजाओं का राजा है, वह शिव की तरह अघोड़दानी बन जाता है. यह ऐसा अवसर है जब हरेक व्यक्ति अपनी पीड़ा और दुख को अपने तौर-तरीके से जगत के प्रतिनिधि और सूर्य के नियामक देव के समक्ष रख सकता है. जगन्नाथ की शोभायात्रा पूरी तरह विनयशीलता और निःशब्दता की कहानी पर आधारित है, जिसमें भक्त और भगवान के बीच कुछ भी दूरी नहीं होता है. भाव और भावना की भक्ति से भगवान को विशिष्ट से सामान्य बना लिया जाता है.

जगन्नाथ स्वामी और उनकी रथ संस्कृति की मुख्य विशेषता जीवन के प्रति आदरभाव और समाज के प्रति सहकारिता का प्रदर्शन है. भगवान को समर्पित सैकड़ों कथाओं और कविताओं में उनके साथ भावपूर्ण संबंधों एवं अभिव्यक्तियों को दिखाया गया है. उड़ीसा के 17वीं सदी के यायावर भिखारी कवि सरिया विका के प्रार्थना गीत है- ओ थके मन चलें, गोल-गोल आंखें देखें. शंख-नाभि वलय में, दोनों आंख पखारें।। इसी प्रकार वनमाली की प्रसिद्ध भावगीत है- हे जगन्नाथ, नहीं मांगता मैं तुझसे कुछ, न धन और न ही जन, मांगता हूं तुझसे श्रद्धा-बाली में, बस हाथ भर जगह।। जगन्नाथ पूजा कोई हिंदू धर्म का दर्शन, संप्रदाय की मान्यता का भाग नहीं है, बल्कि यह वह सांस्कृतिक अनुष्ठान है जिसमें धर्म व दर्शन से ज्यादा संस्कृति का वृहद रूप और प्रौराणिक कथाओं की परंपरा है, जिसने संकट के समय समाज को आत्मिक जागरण का मूलमंत्र दिया. चाहे समय कितना भी जटिल क्यों न हो, अपने को नवीनीकरण के साथ उसका सामना किया जा सकता है. भारतीय स्वाभिमान की कथाओं में जगन्नाथ की पौराणिक कहानी भी है, जो देश और काल से परे है.

जनता के बीच जगन्नाथ

रथयात्रा उन भगवान जगन्नाथ को समर्पित है जिनके चरण में संपूर्ण ब्रह्मांड में फैले हैं, जिनकी नाभि असीम है. सभी दिशाएं, जिनके कान हैं, सूर्य एवं चंद्र जिनके नेत्र हैं और स्वर्ग ही जिनका मस्तक है. साल में एक बार भगवान जगन्नाथ चलकर अपने जनता के बीच आते हैं और उनके सुख-दुख में सहभागी होते हैं. जगन्नाथ का उदघोष है कि सब मनिसा मोर परजा (सब मनुष्य मेरी प्रजा है) है, इस कारण वह मनुष्य को ऋतु परिवर्तन के साथ सीख देते हैं. गरमी में व्यक्ति की सहिष्णुता, धैर्य और साहस की परीक्षा लेते हैं. फिर परीक्षा के बाद भगवान जगन्नाथ चलकर जनता के बीच आते हैं उनके सुख दुख में सहभागी होते हैं. उन्हे सांत्वना देते हैं, सलाह देते हैं और साधना के लिए पुनः वह शयन को चले जाते हैं. भगवान जगन्नाथ तो पुरुषोत्तम हैं. उनमें श्रीकृष्ण, श्रीराम, बुद्ध के साथ अद्वैत का ब्रह्म समाहित है. वह अनेक हैं, अनेक में एक हैं. इस कारण वह जगन्नाथ हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंबानी के संगीत समारोह में क्रिकेटर्स की शान में बजा सांग...लहरा दो...

मुंबई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरिमनी में शुक्रवार की रात को क्रिकेट स्टार भी पहुंचे. जब मंच पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान हार्दिक पंड्या और धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पहुंचे, तो फिल्म 83 का गाना लहरा दो...बजने लगा. फिर तो एक वक्त के लिए टी20 विश्व कप 2024 के विजेताओं को समर्पित हो गयी.वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि नीता अंबानी अपने सभी सितारों से गले मिलकर उन्हें बधाई देती हैं और आकाश अंबानी भी मंच पर मौजूद रहते हैं. मुंबई इंडियंस के मालिक फैमिली ने गजब उत्साह दिखाया और लहरो दो सॉन्ग पर रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव के साथ झूमते नजर आयीं. इस इवेंट में पूर्व कप्तान एमएस धोनी, मुंबई इंडियंस के विकेटकीपर ईशान किशन भी पहुंचे थे. जहीर खान पत्नी सागिरका घाटगे के साथ पहुंचे थे, जबकि सूर्यकुमार यादव के साथ उनकी पत्नी देविशा शेट्टी थीं.

ब्रीफ खबरें

ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ी फिट : दिनशॉ

नयी दिल्ली। मशहूर खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने शनिवार को कहा कि भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं. भारतीय ओलंपिक संघ संघ ने पारदीवाला को भारतीय दल का मुख्य चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया है. पारदीवाला ने कहा, ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अभी पूरी तरह से फिट हैं. कुछ खिलाड़ियों को मामूली परेशानी हो सकती है. मैं किसी खिलाड़ी को लगी किसी विशेष चोट के बारे में चर्चा नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन वे सभी टीम में इसलिए हैं क्योंकि वे सक्षम हैं.

लंदन टूर्नामेंट में 14वें स्थान पर रही दीक्षा

लंदन। भारत की दीक्षा डागर तीसरे और अंतिम दौर के 16वें होल में ट्रिपल बोगी कर बैठी, जिससे वह अरामको टीम सीरीज लंदन गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पायी. पेरिस ओलंपिक में खेलने की तैयारी में लगी दीक्षा ने अंतिम दौर में दो ओवर 75 का कार्ड खेला, जिससे वह 14वें स्थान पर रही. यह भारतीय खिलाड़ी एक समय शीर्ष पांच में जगह बनाने की स्थिति में दिख रही थी लेकिन आखिर में की गई गलती उन्हें भारी पड़ी. कट में जगह बनाने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी त्वेसा मलिक (75) संयुक्त 48वें स्थान पर रही. लेओना मैगुएर लेडीज यूरोपियन टूर पर जीतने वाली पहली आयरिश महिला बनीं.

गगनजीत मोरक्को में दूसरे स्थान पर रहे

रबात (मोरक्को)। ओलंपिक की तैयारी में लगे भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने दूसरे दौर में पांच अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे वह 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए. पहले दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले भुल्लर का कुल स्कोर आठ अंडर हो गया है और वह शीर्ष पर चल रहे अमेरिकी खिलाड़ी जॉन कैटलिन से केवल एक शॉट पीछे हैं. भारत के अन्य खिलाड़ियों में रेहान थॉमस (69-73) संयुक्त 15वें, वरुण चोपड़ा (71-74) और राशिद खान (70-75) संयुक्त 39वें तथा वीर अहलावत (70-76) संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं. भारत के केवल पांच खिलाड़ी ही कट में जगह बना पाए.

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहला ही मैच हार गई टीम इंडिया

जिम्बाब्वे के सामने फेल हुए आईपीएल के भारतीय धुरंधर

एजेंसी। हरारे

टी20 की वर्ल्ड चैंपियन बनने के एक हफ्ते बाद भारतीय टीम पहली बार मैदान पर उतरी. सामने उस जिम्बाब्वे की चुनौती थी, जो टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर सकी थी. भारतीय टीम में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाला कोई खिलाड़ी नहीं था, लेकिन आईपीएल के सितारे भरे थे. इसके बाद भी मेजबान टीम ने 5 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले को 13 रनों से अपने नाम किया. शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम 116 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई. इस साल टी20 इंटरनेशनल में भारत की यह पहली हार है. पहले खेलते हुए जिम्बाब्वे ने 9 विकेट पर 115 रन बनाए थे. भारतीय पारी 102 रनों पर सिमट गई.

अंत तक लड़ते रहे सुंदर : भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर अंत तक लड़ते रहे. 61 रन पर 7 विकेट गिरने के बाद आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर के बीच 23 रनों की साझेदारी हुई. आवेश 16 रन बनाकर आउट हुए तो सुंदर अकेले पड़ गए. आखिरी तीन ओवर में भारत को 30 रनों की जरूरत थी. 18वें ओवर में 12 रन बने. सुंदर सामने 11वें नंबर का बल्लेबाज होने की वजह से सिंगल भी नहीं ले सकते थे. 19वें ओवर में मुजरबानी ने सिर्फ 2 रन दिए. आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर सुंदर 27 रन बनाकर आउट हो गए.

115 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई भारतीय टीम

खास बातें

- जिम्बाब्वे ने पहले टी20 में भारत को 13 रनों से हराया
- हार के साथ शुभमन गिल की कप्तानी की हुई शुरुआत

गेंद से सुंदर और बिश्नोई चमके : लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने दबदबा बनाते हुए जिम्बाब्वे की टीम को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया. बिश्नोई (13 रन देकर चार विकेट) को ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर (11 रन देकर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे जिम्बाब्वे की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद उछाल भरी पिच पर कोई मजबूत साझेदारी करने में जूझती नजर आयी. जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में उसने दो विकेट पर 40 रन बना लिये थे. इनोसेंट काइया के मुकेश कुमार की गेंद पर आउट होने के बाद वेस्ली मधेवेरे (21 रन) और ब्रायन बेनेट (22 रन) ने तेजी से 34 रन जोड़े.छठे ओवर में बिश्नोई ने बेनेट को अपनी गुगली पर आउट कर जिम्बाब्वे की पारी का रुख ही बदल दिया. फिर जिम्बाब्वे के तीन और बल्लेबाज पवेलियन लौट गये जिसमें

मधेवेरे के अलावा ब्लेसिंग मुजारबानी और ल्यूक जोंगवे शामिल थे. कप्तान सिकंदर रजा (17 रन) के संयम से टीम ने संभलने की कोशिश की. टीम में हड़बड़ाट साफ दिख रही थी. जोनाथन कैंपबेल (शून्य) रन आउट हो गये. अब जिम्बाब्वे की उम्मीदें कप्तान रजा पर लगी थीं, उन्होंने आवेश पर सिर के ऊपर से छक्का जड़कर उम्मीद जगाई. फिर आवेश ने अतिरिक्त उछाल का पूरा फायदा उठाते हुए रजा को जल्द ही आउट कर दिया. वाशिंगटन ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट झटके. उन्होंने मायर्स (23 रन) और वेलिंगटन मास्कादूजा (शून्य) को पवेलियन भेजा.

टॉप-6 में से 5 दहाई तक भी नहीं पहुंचे

भारतीय टीम के विकेट गिरने का सिलसिला पहले ही ओवर में शुरू हो गया. अभिषेक शर्मा बिना कोई रन बनाए पवेलियन लौट गए. तीसरे नंबर पर उतरे रुतुराज गायकवाड़ भी सिर्फ 7 रन ही बना सके. रियान पराग के बल्ले से 2 रन निकले तो रिंकू सिंह का खाता नहीं खुला. पावरप्ले के बाद भारत का स्कोर 28 रन पर 4 विकेट था. 43 के स्कोर पर ध्रुव जुरेल (7) भी आउट हो गए. 31 रनों की पारी खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल जब आउट हुए तो भारत का स्कोर 47 रन था.

टीम में लगातार बदलाव करना बिल्कुल पसंद नहीं था: द्रविड़

- कोविड के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली : राहुल

भाषा। मुंबई

राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारतीय टीम के मुख्य कोच के अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें टीम में बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं था और उन्होंने हमेशा कप्तान रोहित शर्मा के सहायक की भूमिका निभाई ताकि वह अपनी रणनीति के अनुसार चल सके. भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया. द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा, मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है. मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है. क्योंकि मेरा मानना है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता. मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों. यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है. द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था. हमने काफी क्रिकेट खेला.

प्रज्ञाननंदा और गुकेश टाईब्रेकर में हारे, कारुआना ने जीता खिताब

भाषा। बुखारेस्ट (रोमानिया)

भारत के आर प्रज्ञाननंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया. कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञाननंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए. प्रज्ञाननंदा

मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे. यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती. लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने बाजियां ड्रॉ खेली.

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी विंबलडन से हो गयी बाहर

भाषा। लंदन

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए. भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनायी, लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में 6-4 4-6 3-6 से हार गए. भांबरी और ओलिवेटी ने पहले दौर में कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया था. भारत की निगाहें अब

रोहन बोपन्ना पर टिकी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ जोड़ी बनायी है. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त यह जोड़ी दूसरे दौर में जर्मनी के हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रैंटजेन से भिड़ेगी. ओलंपिक में जगह बना चुके सुमित नागल और एन श्रीराम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे.

राजावत ने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को हराया

कैलगरी (कनाडा)। भारत के उदीयमान खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीय और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने शुक्रवार रात एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया. त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई. यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी चीनी ताइपे के पेई शान हसीह और एन-त्जु हंग से 18-21 21-19 16-21 से हार गयी. राजावत ने एंटोनसेन को हरा अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की.

यूरो 2024 : स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो का सपना टूटा

पुर्तगाल को हराकर फ्रांस सेमीफाइनल में

एजेंसी। हैम्बर्ग (जर्मनी)

फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनाई और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना तोड़ दिया. इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा. दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पायी. इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया, जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल

पोस्ट से टकरा गया. इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया. फ्रांस को यूरो 2021 के अंतिम 16 में और विश्व कप 2022 के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यहां किस्मत उसके साथ थी. पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली. वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं. रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया. फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा, जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया.

स्पेन सेमीफाइनल में मेजबान जर्मनी बाहर

माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी. जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था, तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई. स्पेन सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना करेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में पुर्तगाल पेनाल्टी शूटआउट में हराया.

महिला क्रिकेट | दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 'करो या मरो' वाला मैच आज

दूसरे टी20 में वापसी करना चाहेगी भारतीय महिला टीम

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला टीम पहले मैच में 12 रन से मिली हार के बाद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में वापसी करने के लिए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना चाहेगी. भारत को शुक्रवार को हुए पहले मैच में कैच छूटने और बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे टीम दक्षिण अफ्रीका के चार विकेट पर 189 रन के जवाब में 20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन ही बना सकी.

दक्षिण अफ्रीका के इस मौजूदा दौरे में यह पहली जीत थी और इससे पहले उसे वनडे श्रृंखला में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से शिकस्त मिली थी. शुक्रवार के मैच के बाद दोनों टीमों के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं. भारत की ऋचा घोष और दक्षिण अफ्रीका की तजमिन ब्रिट्स को क्रमशः सिर में चोट और मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार ऋचा को कैच लेने में असफल रहने के बाद गर्दन में दर्द और चक्कर आया, जिससे यह गेंद उनके चेहरे पर लगी.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव.

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), तज़मिन ब्रिट्स, मीके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बॉश, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिज़ान कप्प, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने.

मैच का समय : शाम सात बजे से.

ओलंपिक पदक खिलाड़ी की जिंदगी और समाज को बदल देता है: साक्षी

मुंबई। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक का मानना है कि ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी की जिंदगी नहीं बदलती बल्कि इसका असर समाज पर भी पड़ता है. साक्षी रियो 2016 में कांस्य से ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान बनी थीं. साक्षी ने शुक्रवार को मुंबई में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ओलंपिक का सपना सिर्फ खिलाड़ी का सपना नहीं होता बल्कि यह पूरे परिवार का सपना होता है. ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी का जीवन नहीं बदलता है, बल्कि उसके परिवार, समाज का जीवन भी बदल जाता है.

भारत की 23 सदस्यीय महिला फुटबॉल टीम की हुई घोषणा

भाषा। नयी दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को म्यांमा के खिलाफ यांगून में नौ और 12 जुलाई को होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की. मुख्य कोच चाओबा देवी ने एआईएफएफ की विज्ञप्ति में कहा, टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है. मैं टीम के संयोजन से संतुष्ट हूं. पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिन अंदर अपना राष्ट्रीय शिविर शुरू कर दिया. उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ी फिट हैं जो अच्छी बात है. खिलाड़ी अपने क्लबों में ट्रेनिंग ले रही थीं.

भारतीय टीम : गोलकीपर : श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी. डिफेंडर : लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग. मिडफील्डर : नाओरेम प्रियंगका देवी, संगीता बसफोर, कार्तिका अंगमुथु, नेहा, नोंगमाईथेम रतनबाला देवी, मौसमी मुर्मू. फॉरवर्ड : काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, संध्या रंगनाथन, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइकर, लिंडा कोम सेर्टो, प्यारी खाका, ज्योति, रिम्पा हलधर.

▼ ब्रीफ खबरें

पटना को मिलेगा पहला अमृत भारत एक्सप्रेस

पटना । वंदे भारत के बाद पटनावासियों को अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने वाली है. अब पटना के लोगों के लिए दिल्ली जाना और आसान हो जाएगा. इस सुपर फास्ट ट्रेन से 1000 किमी का सफर मात्र 12 घंटे में पूरा होगा. ट्रेन में कुल 22 बोगियां होंगी. इसी साल से लोग अमृत भारत एक्स. ट्रेन का आनंद उठा सकेंगे. रेलवे ने 2024-25 में अमृत भारत के लिए 2605 जनरल कोच और 1470 स्लीपर कोच तैयार किया है. अमृत भारत एक्स. गैर एसी स्लीपर-अनारक्षित श्रेणी की सेवा है.

पारिवारिक विवाद में पत्नी ने खाया जहर

गोपालगंज । जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया किलपुर कांटा गांव निवासी एक विवाहिता ने जहर खा लिया, जिससे वह अचेत हो गई. अचेतावस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है. पीड़िता की पहचान बंधु सिंह की पत्नी रंजीता देवी के रूप में की गई. दरअसल इस संदर्भ में बताया जाता है, की यूपी के कुशीनगर जिले के गौरी शुक्ल थाना क्षेत्र के बरवा पट्टी गांव निवासी रंजीता की शादी दस वर्ष पूर्व गोपालपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया किलपुर कांटा गांव निवासी बंधु सिंह के साथ हुई थी. शादी के बाद 3 बच्चों ने जन्म लिया जिसमें एक पेटी और दो बेटा शामिल है.

नवादा में करंट लगने से अधेड़ की मौत

नवादा । नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के अकरी गांव में शनिवार को करंट से एक अधेड़ की मौत हो गई. मृतक अकरी निवासी फागु महतो के 48 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार है. बताया जाता है कि सुनील बाहर पेशाब करने के लिए निकला और समीप में ट्रांसफार्मर के पास गया. ट्रांसफार्मर के पास स्टेक में बिजली करंट प्रवाहित था. उसकी चपेट में आने के बाद उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी के बाद दल बल के साथ थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर उमाशंकर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे. घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है. स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

लगातार बारिश से कोसी समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता । पटना

कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है

बिहार में पिछले 24 घंटे में हुई मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के नदी-नाले जहां उफान पर हैं, वहीं कोसी समेत कई नदियों का जल स्तर विभिन्न जगहों पर खतरे के निशान को पार कर चुका है. बिहार के जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार जुलाई से बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, गया, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, मुंगेर, नालंदा, पटना, नवादा, पूर्णिया, सारण, शेखपुरा, सीवान और वैशाली सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई. विभाग के अधिकारियों ने कहा, राज्य के कुछ जिलों में लगातार बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं. इसके अलावा नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण भी कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान को छू रही हैं या उससे ऊपर बह रही हैं. उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ निचले इलाकों के ग्रामीणों को जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है.

डब्ल्यूआरडी की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य के कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश के कारण कोसी, बागमती, गंडक, कमला और अड़हरवा जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर पिछले कुछ दिनों से बढ़ गया है. कोसी नदी सुपौल और बसंतपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि खगड़िया और बेलदौर इलाके में भी इसने शुक्रवार को चेतावनी के स्तर को छू लिया. इसी तरह, कमला नदी का जलस्तर मधुबनी, जयनगर और झंझारपुर इलाकों में चेतावनी के स्तर तक पहुंच गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि परमान नदी शुक्रवार को अररिया जिले में खतरे के निशान को पार कर गई है, खगड़िया और बेलदौर में कोसी नदी खतरे के निशान को छू रही है. गोपालगंज और सिधवलिया इलाके में गंडक नदी खतरे को निशान को पार कर गई है. जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, लगभग सभी नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है जो अपने किनारे के निचले इलाकों को अपनी चपेट में ले रही हैं.

वज्रपात की चपेट में आने से नौ लोगों की मौत

पटना । बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान छह जिलों में वज्रपात की चपेट में आकर नौ लोगों की मौत हो गई. मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. सीएमओ द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, जहानाबाद में तीन, मधेपुरा में दो, पूर्वी चंपारण, रोहतास, सारण और सुपौल में एक-एक लोगों की वज्रपात की चपेट में आकर मौत हुई. सीएम ने लोगों से आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया.

सुगौली में पोखर में डूबने से दो की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले सुगौली प्रखंड में शनिवार की सुबह पोखर में डूबने से दो किशोर की मौत हो गई. मृतक दोनों किशोर की पहचान पंजिअरवा पंचायत परसौना निवासी उपमुखिया जय प्रकाश गुप्ता के 13 वर्षीय पुत्र दीपांशु कुमार व परसौना गांव के ही चमन साह के 12 वर्षीय पुत्र अमन कुमार के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची अंचल प्रशासन व सुगौली थाना पुलिस दोनों शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया.

दो दिनों की बारिश में झील बना रक्सौल शहर

पूर्वी चंपारण । जिले में दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही झमाझम बारिश से हर जगह जलजमाव की स्थिति देखने को मिल रही है. भारत-नेपाल का सीमाई शहर रक्सौल में तो स्थिति काफी नारकीय बन गई. नगर परिषद की अकर्मण्यता के कारण शहर के मुख्य मार्ग पर घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि निचले इलाके में लोगों के घरों तक में बरसात का पानी भर गया है. बाजारों में बाढ़ जैसी हालात बन गई है. कई दुकानों में पानी भरने के बाद लोग बाल्टी से पानी निकालते दिख रहे है. जिस कारण पूरा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. भारत नेपाल को जोड़ने वाली मेन रोड सड़क, सब्जी बाजार, मौजे, ब्लॉक रोड, रेलवे कालोनी सहित अन्य मोहल्ले में लोगों के घरों में पानी घुसने के कारण महिलाएं व बच्चे खासा परेशानी का सामना कर रहे हैं.

एनएच 139 पर औरंगाबाद-हरिहरगंज मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा

हाइवा ने बाइक सवार दंपती को रौंदा, पत्नी की मौत, पति चोटिल

संवाददाता । औरंगाबाद

घटना के बाद गाड़ियों की लगी लंबी कतारें इनसेट में भीड़ को समझाते पुलिसकर्मी.

एनएच 139 पर औरंगाबाद-हरिहरगंज मुख्य पथ स्थित मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिजौली मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित हाइवा ने ओवर टेक करने के दौरान बाइक सवार पति-पत्नी को रौंद दिया. इस घटना में घटनास्थल पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई. वैसे पति को हल्की चोट आई है. मृतका की पहचान नगर थाना क्षेत्र के करमा रोड स्थित वार्ड नं 7 के रामराजनगर मुहल्ला निवासी रामप्रवेश साहू की 60 वर्षीय पत्नी शांति देवी के रूप में हुई है. घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है.

मृतका का पति रामप्रवेश साहू ने बताया कि दोनों पति-पत्नी अपने घर से बाइक पर सवार होकर अंबा स्थित सतबहिनी मंदिर पूजा करने के लिए जा रहे थे. जैसे ही मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिजौली मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे, तभी हरिहरगंज की तरफ से औरंगाबाद जा रही एक अनियंत्रित हाइवा ओवरटेक करने के दौरान दोनों को रौंदती हुई निकल गयी. बताया जाता है कि दुर्घटना इतनी भयावह थी कि महिला के परखच्चे उड़ गए. महिला का सिर धड़ से अलग हो गया. वहीं महिला का पति रामप्रवेश साहू चोटिल हो गए. घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. विभिन्न मांगों को लेकर स्थानीय लोग हंगामा करने लगे. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मुफस्सिल थाना की पुलिस को दी. सूचना पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया.

परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे : घटना के कुछ ही देर बाद परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए. परिजन शव देख चीत्कार उठे. स्थानीय लोग व परिजन मुआवजे व सड़क पर डिवाइडर की मांग को लेकर अड़े रहे. स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई. काफी देर तक समझाने बुझाने का दौर चला. इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई. घंटों तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा.

परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल : अंततः मुफस्सिल थाना की पुलिस किसी तरह परिजनों व आक्रोशितों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे अस्पताल भेजवाया और भीड़ को नियंत्रित किया. इसके बाद बाधित आवागमन को शुरू कराया गया. परिजनों से जरूरी पूछताछ के उपरांत मुफस्सिल थाना की पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया. जैसे ही शव घर पहुंचा, शव को देखकर परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है.

गिरिराज ने कहा, लालू से कमजोर नेता कोई नहीं

पटना । राजद सुप्रीमो लालू यादव के इस बयान पर कि अगस्त के महीने में नरेंद्र मोदी की सरकार गिर जाएगी, भाजपा ने हमला बोला है. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि लालू प्रसाद से कमजोर नेता कोई नहीं है. क्योंकि, जो नेता अपने परिवार तक ही सिमट गया उससे बड़ा कमजोर कोई नहीं है. लालू यादव को सलाह देते हुए गिरिराज ने कहा कि लालू को नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करना चाहिए और नीतीश कुमार का पोतो लगा हुए एक लॉकेट गले में धारण करना चाहिए. उन्होंने कहा कि नीतीश से 2015 में एक भूल हुई कि उन्होंने लालू फैमिली को नई राजनीतिक जिंदगी दी.

ससुराल वालों ने गर्भवती महिला के पेट पर मारी लात

गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. जहां एक नव विवाहिता के ससुराल वाले ने उसे गर्भावस्था के दौरान पेट पर चोट किया है, जिससे उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत मोतिहारी सदर अस्पताल में हो गई है. गर्भावस्था के दौरान ही ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से भी निकाल दिया है. पीड़िता ने महिला थाने में पति व ससुराल के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कराई है.

इस मामले में महिला थानाध्यक्ष ने कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर पीड़िता के ससुराल वालों के विरुद्ध छापेमारी की है. हालांकि भनक लगते ही सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं. घटना में संबंध दिये आवेदन में पीड़िता ने बताया है कि उसकी शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार गोढ़वा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रहने वाले दीपू कुमार के साथ अरेराज के सोमेश्वर महादेव मंदिर में 30 अगस्त 2023 को हुई थी. वहां से विदा होकर अपने ससुराल गई. शादी के बाद मेरे पति के पिता कृष्णा प्रसाद एवं मां के द्वारा कहा गया कि अभी तुम लोगों को पढ़ाई करनी है. इस कारण मोतिहारी में ही भाड़े पर मकान लेकर रहो.

यूपी के हाथरस हादसे का मामला

पटना सिविल कोर्ट में दर्ज हुई एफआईआर

संवाददाता । पटना

फाइल फोटो

यूपी के हाथरस में बीते दिनों एक सत्संग के दौरान भगदड़ हुई थी. इस भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई. वहीं, इसको लेकर पटना सिविल कोर्ट में केस दर्ज हुआ है. भोले बाबा पर पटना में मुकदमा दर्ज किया गया है. वहीं, इस मामले में पहले ही यूपी में मामला दर्ज हो चुका है. यूपी पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. अब पटना में मुकदमा दर्ज होने के बाद भोले बाबा की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं. बता दें कि हाथरस में भगदड़ दो जुलाई को स्वयंभू संत और उपदेशक नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' के सत्संग के दौरान हुई थी. इसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं. यूपी में दर्ज एफआईआर के अनुसार, कार्यक्रम में 2.50 लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे, जबकि प्रशासन ने केवल 80 हजार लोगों को ही अनुमति दी थी. एफआईआर के अनुसार, सत्संग आयोजकों ने सबूत छिपाकर तथा बाबा के अनुयायियों की चप्पलें और अन्य सामान पास के खेतों में फेंक कर कार्यक्रम में मौजूद लोगों की वास्तविक संख्या को छिपाने की कोशिश की थी.

कारोबार

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस ने शुरू की योजना

चेन्नई । निजी क्षेत्र की श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने ग्राहकों को एक स्थिर सेवानिवृत्ति आय प्रदान करने के मकसद से एक 'डेफर्ड एन्युटी प्लान' शुरू किया है. यह योजना 60,000 रुपये प्रति वर्ष से शुरू होती है. इस योजना का लाभ 40 से 75 वर्ष की आयुवर्ग के लोग ले सकते हैं. इसमें क्रय मूल्य की वापसी के साथ या उसके बिना भुगतान शामिल है. इसमें आस्थगन अवधि पांच से 10 वर्ष है जिसके बाद वार्षिकी भुगतान शुरू हो जाएगा.

एयरटेल ने खबरों को खारिज किया

नयी दिल्ली । दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध की खबर को खारिज कर दिया. उसने कहा कि इस तरह का दावा ब्रांड की छवि को खराब करने का एक हताश प्रयास है. दूरसंचार कंपनी ने बयान में कहा, एक रिपोर्ट में एयरटेल के ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध का आरोप लगाया गया है. यह निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा एयरटेल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का एक हताश प्रयास है. हमने गहन जांच की और हम पुष्टि कर सकते हैं कि एयरटेल में ग्राहकों से जुड़े आंकड़ों में कोई सेंध नहीं लगी है.

कॉफी डे एंटरप्राइजेज ने भुगतान में चूक की

नयी दिल्ली । कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से लिए गए कर्जों का मूलधन और ब्याज भुगतान में जून तिमाही तक कुल 433.91 करोड़ रुपये की चूक की है. कैफे कॉफी डे श्रृंखला का संचालन करने वाली कंपनी सीडीईएल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी. उसने कहा कि तरलता संकट की वजह से उसे कर्ज भुगतान में विलंब का सामना करना पड़ रहा है. कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड की भुगतान चूक राशि में कोई बदलाव नहीं हुआ है क्योंकि कंपनी ने पिछली तिमाहियों में भी इसी राशि की सूचना दी थी. इसकी वजह यह है कि कंपनी वर्ष 2021 से ब्याज को बकाया भुगतान में नहीं जोड़ रही है.

चीन ने इनर्जी सोल्यूशंस की गैस टर्बाइन बिजनेस को खरीदने के लिए डील की थी

जर्मनी सरकार ने रोकी गैस टर्बाइन डील

भाषा । नयी दिल्ली

वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का सीधा मुकाबला अमेरिका से है. इसके बाद भारत से है. यही वजह है कि चीन इन देशों को छोड़कर यूरोपीय देशों के साथ व्यापारिक दोस्ती को तवज्जो देता रहा है. लेकिन यहां पर भी उसके लिए मुसीबत खड़ी होने लगी है. इसका उदाहरण जर्मनी द्वारा हाल ही में रोका गया एक डील. दरअसल चीन ने दिग्गज ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन की एक सहयोगी कंपनी को खरीदने के लिए एक डील की थी. लेकिन जर्मन सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए इस डील को रोक दिया. इस तरह से यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी ने अपने सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर चीन को एक और जोर का झटका दे दिया. यह फैसला ऐसे समय आया है जबकि यूरोपीय यूनियन ने हाल में चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ बढ़ा दिया था. चीन ने भी बदले की कार्रवाई करते हुए यूरोप से होने वाले सुअर के मांस की कीमतों पर जांच शुरू कर दी. इस तरह दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत हो चुकी है.

मिली जानकारी के अनुसार फॉक्सवैगन ग्रुप की कंपनी मैन इनर्जी सोल्यूशंस ने पिछले साल जून में कहा था कि वह अपने गैस टर्बाइन बिजनस को चीन की सरकारी कंपनी सीएसआईसी लॉन्गजियांग जीएच गैस टर्बाइन (जीएचजीटी) को बेच रही है. जर्मन सरकार ने पिछले साल सितंबर में इसकी समीक्षा शुरू की थी. इसमें आशंका जताई गई है कि चीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल वॉरशिप में कर सकता है. जर्मनी के इकॉनमी मिनिस्टर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि उनका देश विदेशी निवेश का स्वागत करता है लेकिन पब्लिक सिक्योरिटी से जुड़ी टेक्नोलॉजी ऐसे देशों के हाथ नहीं पड़नी चाहिए जिनके आपके साथ हमेशा अच्छे संबंध नहीं रहते हैं. देश की इंडिस्ट्री मिनिस्टर नैंसी फेजर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत कर सरकार के कदम के सही ठहरा दिया. वहीं चीन को एक और जोरदार झटका लग गया.

बता दें कि जर्मनी का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन है. पिछले साल दोनों देशों के बीच $275.3 अरब का ट्रेड हुआ. लेकिन हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई है. जर्मनी स्थानीय मैन्युफैक्चरर्स को बढ़ावा दे रहा है और चीन पर निर्भरता कम कर रहा है. नवंबर, 2022 में जर्मनी ने अपनी एक सेमीकंडक्टर फैक्ट्री की चीन की टेक कंपनी को बिक्री पर रोक लगा दी थी. इसमें भी सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था. चीनी विदेश मंत्रालय ने जर्मन सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह सामान्य कमर्शियल संबंधों को राजनीतिकरण के खिलाफ है.

लगा झटका

- जर्मनी का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन
- स्थानीय मैन्युफैक्चरर्स को बढ़ावा दे रहा है जर्मनी

जर्मन सरकार ने की थी समीक्षा

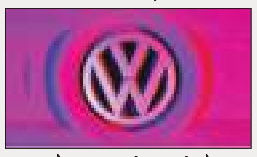

फॉक्सवैगन ग्रुप की कंपनी मैन इनर्जी सैल्यूशंस ने पिछले साल जून में कहा था कि वह अपने गैस टर्बाइन बिजनेस को चीन की सरकारी कंपनी सीएसआईसी लॉन्गजियांग जीएच गैस टर्बाइन कंपनी (जीएचजीटी) को बेच रही है. जर्मन सरकार ने पिछले साल सितंबर में इसकी समीक्षा शुरू की थी। इसमें आशंका जताई गई है कि चीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल वॉरशिप में कर सकता है। कॉनमी मिनिस्टर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि उनका देश विदेशी निवेश का स्वागत किया है.

रेमंड का शेयर 17 प्रतिशत से अधिक चढ़ा

नयी दिल्ली । कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रेमंड के शेयर में 17 प्रतिशत से अधिक उछाल आया. रेमंड लिमिटेड के शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने तथा भारतीय संपत्ति बाजार में वृद्धि की संभावनाओं का दोहन करने के लिए अपने रियल एस्टेट कारोबार को अलग करने की घोषणा के बाद कंपनी के शेयर में उछाल आया.

बीएसई पर कंपनी का शेयर 17.30 प्रतिशत बढ़कर 3,450.95 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया. एनएसई पर 16.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,434.75 रुपये प्रति पर रहा. कारोबार के दौरान रेमंड के शेयर ने बीएसई और एनएसई पर क्रमशः 3,480.35 रुपये और 3,484 रुपये के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर को छुआ. इस बीच, 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 357.95 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 79,691.72 अंक पर आ गया. निफ्टी 64.90 अंक या 0.27 प्रतिशत फिसलकर 24,240.05 अंक पर रहा. रेमंड लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि उसके निदेशक मंडल ने रेमंड लिमिटेड (अलग हुई कंपनी) और रेमंड रियल्टी लिमिटेड तथा उनके संबंधित शेयरधारकों की व्यवस्था की योजना को मंजूरी दे दी है.

स्टेनलेस स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए

सरकार ने आईएसआई मार्क किया अनिवार्य

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार ने स्टेनलेस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा यह कदम उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था. बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है. यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है. बीआईएस के अनुसार, आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो.

कल्याण ज्वेलर्स का राजस्व 27% बढ़ा, विस्तार की योजना

एजेंसी । नयी दिल्ली

कल्याण ज्वेलर्स का वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत राजस्व सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़ा. भारतीय और पश्चिम एशिया बाजारों में मजबूत प्रदर्शन इसकी मुख्य वजह रही. कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकीकृत शुद्ध राजस्व 4,376 करोड़ रुपये था. कल्याण ज्वैलर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत में उसके परिचालन में 29 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी.

पश्चिम एशिया परिचालन से राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसने एकीकृत राजस्व में 15 प्रतिशत का योगदान दिया. कंपनी के अनुसार, इस साल अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 13 नए फ्रैंचाइजी-स्व मित्व-कंपनी-संचालित (एफओसीओ) शोरूम खोले गए, जबकि डिजिटल मंच कैनडेयर ने 13 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की. कंपनी ने कहा कि वह अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद अपने कैनडेयर कारोबार को पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी में बदलने की योजना बना रही है. कल्याण ज्वैलर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 130 से अधिक नए शोरूम शुरू करना है, जिसमें भारत में कल्याण के करीब 40 शोरूम, कैनडेयर के करीब 30 शोरूम और दिवाली तक अमेरिका में पहला शोरूम खोलना शामिल है.

आई गिरावट | क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट का दावा

शाकाहारी थाली की कीमत में जून में 10% की बढ़ोतरी

रिपोर्ट के अनुसार

शाकाहारी थाली की कीमत में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि को बताया गया है

एजेंसी । मुंबई

शाकाहारी थाली की कीमत जून में औसतन 10 प्रतिशत तक बढ़ गई. प्याज, टमाटर और आलू की कीमतों में आई तेजी इसकी प्रमुख वजह रही. क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट 'रोटी राइस रेट' के अनुसार, ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में गिरावट से मांसाहारी भोजन की लागत में कमी आई है. इसमें कहा गया कि शाकाहारी थाली की कीमत जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 29.4 रुपये प्रति थाली हो गई, जो जून 2023 में 26.7 रुपये थी. मई 2024 में यह 27.8 रुपये थी. शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर तथा आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है. रिपोर्ट में शाकाहारी थाली की कीमत में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि को बताया गया है.

क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्याज के मामले में रबी की फसल के रकबे में भारी गिरावट से आवक कम रही, जबकि मार्च में बेमौसम बारिश के कारण आलू की पैदावार कम हुई. कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उच्च तापमान के कारण ग्रीष्मकालीन फसल में संक्रमण होने से टमाटर की आवक पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत कम हुई. रिपोर्ट में कहा गया, इसके अलावा रकबे में कमी के कारण चावल की कीमतों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप आवक कम रही. प्रमुख खरीफ महीनों में सूखे के कारण दालों की कीमतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

मांसाहारी थाली की कीमत जून में घटकर 58 रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसकी कीमत 60.5 रुपये थी. मई में इसकी कीमत 55.9 रुपये प्रति थाली थी. इसमें सामग्री शाकाहारी थाली के समान होती है, लेकिन दाल की जगह चिकन होता है. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में करीब 14 प्रतिशत की कमी, अधिक आपूर्ति और चारे की कम लागत के कारण मांसाहारी थाली की लागत में कमी आई है.

शादी की धूम
जस्टिन बीबर ने अनंत-राधिका के संगीत समारोह में अपने प्रसिद्ध गीतों 'पीचेस' और 'बेबी' से मचाई धूम

मुंबई । मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर ने जाने-माने उद्योगपति एवं अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुतियों से मनोरंजन जगत और खेल जगत की नामचीन हस्तियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. जस्टिन बीबर लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे थे. उन्होंने रात में प्रसिद्ध गानों 'बेबी', 'सॉरी', 'लव योर सेल्फ' और 'पीचेस' से धूम मचा दी. संगीत समारोह में सलमान खान, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, अर्जुन कपूर और जाह्नवी कपूर जैसी बॉलीवुड की हस्तियों के अलावा क्रिकेटर एमएस धौनी और टी-20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य हार्दिक पांड्या व सूर्यकुमार यादव भी शामिल हुए. सोशल मीडिया पर इस समारोह के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं. मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर को अनंत और राधिका के संगीत समारोह में प्रस्तुति देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया. वह अपनी खास प्रस्तुति देने के बाद मियामी रवाना हो गए.

ब्रीफ खबरें

कुलगाम में मुठभेड़ एक सैनिक शहीद

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के मोडरगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान प्रारंभ किया था, इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चलाईं. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में भारतीय सेना का एक सैनिक घायल हो गया.

17वीं ओडिशा विस का पहला सत्र 22 जुलाई से

भुवनेश्वर । ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के अभिभाषण के साथ 17वीं ओडिशा विधानसभा का पहला सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और यह 13 सितंबर तक चलेगा. विधानसभा सचिवालय की ओर से शुक्रवार को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में 22 जुलाई को चर्चा शुरू होगी और 24 जुलाई को समाप्त होगी. ओडिशा विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव भी 24 जुलाई को होगा. अधिसूचना के अनुसार, वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे हैं.

भूस्खलन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

गोपेश्वर (उत्तराखंड) । उत्तराखंड के चमोली जिले में शनिवार को भूस्खलन के बाद पहाड़ी से गिर रही चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई है. पुलिस ने बताया कि यह घटना बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौचर और कर्णप्रयाग के बीच स्थित चटवापीपल के पास हुई. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान निर्मल शाही (36) और सत्य नारायण (50) के रूप में हुई है. वे दोपहिया वाहन पर सवार होकर बद्रीनाथ से लौट रहे थे, तभी यह घटना हुई.

पेजेशकियन ने जीते राष्ट्रपति पद का चुनाव

दुबई। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए पिछले सप्ताह हुए मतदान में शीर्ष स्थान पर रहे दो उम्मीदवारों के बीच सीधे मुकाबले में सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियन ने सईद जलीली को हराकर शनिवार को जीत हासिल कर ली. ईरान में पिछले महीने एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु हो जाने के बाद, शुक्रवार को पेजेशकियन और जलीली के बीच मतदान हुआ था. पेजेशकियन एक करोड़ 63 लाख मतों के साथ विजयी घोषित किए गए जबकि जलीली को एक करोड़ 35 लाख वोट मिले.

छज्जा गिरने से तीन भाई-बहनों की मौत

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद जिले में सीकरी गांव में एक मकान का छज्जा गिरने से तीन भाई-बहनों की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि वे तीनों छज्जे के नीचे बैठे थे, छज्जा जर्जर था और बारिश होने से ढह गया. उसने बताया कि मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं. मकान की हालत खराब होने के बावजूद उसने मकान किराए पर दिया था. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

बाढ़ का कहर : जम्मू-कश्मीर में हीट वेव, स्कूलों में दे दी गयी छुट्टी
दिल्ली से लेकर असम तक बाढ़ का कहर

लगातार न्यूज नेटवर्क।नयी दिल्ली

झारखंड-बिहार समेत पूरे देश में मॉनसून सक्रिय है. कहीं भारी बारिश से बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है या बाढ़ आ गई है, लेकिन झारखंड, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में मॉनसून आने के बाद अब भी जोरदार बारिश का इंतजार है. हालांकि मौसम विभाग की मानें, तो कम बारिश वाले राज्यों में भी झमाझम बारिश जल्द ही होगी. उधर, एमपी और राजस्थान में भारी बारिश से बाढ़ के हालात हैं. शनिवार को दोनों राज्यों में हुई मूसलाधार बारिश से जगह-जगह बाढ़ आ गई है. जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में भारी बारिश के चलते हालात बिगड़ गए हैं. इस दौरान देश में जगह-जगह से हादसों की भी खबरें आई हैं. स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है.

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से में भारी बारिश के कारण आम जीवन प्रभावित है, जबकि असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है. पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ से करीब 22 लाख लोग प्रभावित हैं. उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है. देहरादून में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में पांच साल का बच्चा डूब गया, जबकि हरिद्वार में एक किशोर की नाला में डूबने से मौत हो गई. हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश से 64 सड़कें बंद हैं. क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने अगले 24 घंटों में कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर, मंडी, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी दी है.

पूरे उत्तर भारत में भारी बारिश

बता दें कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में समेत पूरे उत्तर भारत में भारी बारिश का दौर जारी है. राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा में 24 घंटे में 176 मिमी बारिश दर्ज की गई. राजस्थान के ही साजनगढ़ (बांसवाड़ा) में 116 मिलीमीटर, तिजारा में 107 मिमी, दानपुर में 101 मिमी, नैनवां (बूंदी) में 102 मिमी, थानागाजी में 97 मिमी, पीपल्दा (कोटा) में 90 मिमी, टपूकड़ा में 88 मिमी और जयपुर के फागी में 82 मिमी बारिश दर्ज की गई. एमपी में भी पिछले दो दिन से लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश के साथ-साथ गरज और बिजली गिरने का अनुमान जताया है. विभाग ने अगले चार से पांच दिनों के दौरान भारी बारिश का भी अनुमान जताया है. उत्तराखंड में राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि भूस्खलन के कारण 88 ग्रामीण सड़कें, दो सीमा सड़कें, एक राज्य राजमार्ग और बदरीनाथ मंदिर की ओर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है. इस बीच हिमाचल प्रदेश में जुलाई में सामान्य 27.2 मिलीमीटर के मुकाबले 43.2 मिमी बारिश हुई है जो सामान्य से 59 प्रतिशत अधिक है.

कश्मीर में हीटवेव
स्कूलों में 13 दिन की छुट्टी

एक तरफ जहां बाकी देश मॉनसूनी बारिश से सराबोर हो रहा है, वहीं गर्मियों में भी ठंडी रहने वाली कश्मीर घाटी इन दिनों तप रही है. श्रीनगर हो या गुलमर्ग, सोनमर्ग हो या फिर अमरनाथ यात्रा रूट, पहली बार पूरी घाटी लू की चपेट में है. पारा लगातार 32 डिग्री से ऊपर बना हुआ है. श्रीनगर पहली बार बीते 7 दिन से 35 डिग्री से ज्यादा तापमान झेल रहा है. शनिवार को यह 35.7 डिग्री रहा. यह सामान्य से करीब 7 डिग्री ज्यादा है. इससे पहले 9 जुलाई 1999 को श्रीनगर में 37 डिग्री तापमान था. हीटवेव के चलते घाटी के स्कूलों में 17 जुलाई तक गर्मी की छुट्टी घोषित कर दी गई है.

आईएमडी ने शनिवार के लिए 17 राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, उत्तरी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, असम, नगालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, गोवा में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. 11 राज्यों- हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है.

झारखंड में 50% कम बारिश : बादल तो आ रहे लेकिन बारिश का इंतजार

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्यभर में मानसून सक्रिय हो चुका है. झारखंड में सामान्य से 50 प्रतितश कम वर्षा अबतक रिकॉर्ड की गई है. सबसे कम वर्षा पाकुड में हुई है. यहां 78 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है. सिमडेगा की स्थिति सबसे बेहतर है. यहां 241 एमएम बारिश होनी चाहिए थी. अभी तक 245 एमएम बारिश हो चुकी है. मात्र 15 प्रतिशत की कमी है. इसके अलावा सभी जिलों में 30 से 78 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है. इधर, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 76 एमएम बारिश गढ़वा के बारडीहा में दर्ज की गई. बता दें कि मॉनसून आने के बाद से झारखंड में बारिश हो रही है, लेकिन कम या न के बराबर. रोजाना बादल छा रहे हैं. कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी या बारिश हो रही, लेकिन बादल छाने के कुछ देर बाद मौसम साफ भी हो जा रहा हा है. राजधानी रांची की बात करें, तो अब तक मॉनसून आने के बाद एक भी दिन मूसलाधार बारिश नहीं हुई है. मौसम विभाग ने बताया है कि रांची में अगले पांच दिनों तक हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा की संभावना है. दिनभर बादल छाये रहेंगे. वर्षा के कारण न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री गिरावट आ सकती है. मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी में अच्छी वर्षा की संभावना है. उन्होंने कहा कि किसानों को रोपनी की शुरुआत कर देनी चाहिए.

नीट मामले में सफेद झूठ बोल रही है सरकार : खरगे

एजेंसी।नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 के मामले में केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर शनिवार को कहा कि लाखों युवाओं से सफ़ेद झूठ बोला जा रहा है तथा उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है. दरअसल विवादों में घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि इसे रद्द करना बेहद प्रतिकूल होगा और व्यापक जनहित के लिए, विशेष रूप से इसे उत्तीर्ण करने वालों के करियर की संभावनाओं के लिए, काफी हानिकारक होगा. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया है कि नीट-यूजी में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है ! लाखों युवाओं से ये सफ़ेद झूठ बोला जा रहा है. उनके भविष्य को बर्बाद किया जा रहा है. शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि केवल कुछ जगहों पर अनियमितताएं/चीटिंग हुई हैं. यह गुमराह करने वाली बात है.

3डी फिल्म : 'कल्कि 2898 एडी'
कमाई में 800 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मुंबई । निर्देशक नाग अश्विन की 3डी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने वैश्विक स्तर पर 800 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी. कल्कि 2898 एडी फिल्म का बजट 600 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. यह फिल्म 27 जून को छह भाषाओं में विश्व स्तर पर रिलीज हुई थी. वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 ई.' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और प्रभास मुख्य भूमिका में हैं.

प्रदर्शन

सूरत । शनिवार को सूरत में फिल्म महाराज के खिलाफ एक विरोध रैली के दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के समर्थक.

प्रशासनिक चूक से सबक लें नहीं तो दुर्घटनाएं होती रहेंगी : अखिलेश

एजेंसी।लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि अगर हाथरस में हुई भगदड़ की घटना में प्रशासनिक चूक से सबक नहीं लिया गया तो भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं और होंगी. यादव ने अरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार भगदड़ की घटना में मामूली गिरफ्तारियां करके अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है. इस हादसे में 121 लोगों की जान चली गई थी. अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र शासन-प्रशासन हाथरस हादसे में अपनी नाकामी छुपाने के लिए छोटी-मोटी गिरफ़्तारियां दिखाकर सैकड़ों लोगों की मौत से अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है. उन्होंने कहा, अगर ऐसा हुआ तो इसका मतलब ये निकलेगा कि इस तरह के आयोजन में हुई शासनिक-प्रशासनिक विफलता से किसी ने कोई सबक़ नहीं लिया और ऐसी दुर्घटनाएं भविष्य में भी होती रहेंगी. उन्होंने कहा, शासन-प्रशासन किसी ख़ास मंशा से व्यर्थ में ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर रहा है जो मूल आयोजन स्थल से दूर थे और गिरफ्तारी के बाद उनको ही दोषी ठहराये जाने की तैयारी कर रहा है. ये गिरफ्तारियां स्वयं में एक षड्यंत्र हैं.

यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के विकल्प खुले हैं : व्लादिमीर पुतिन

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि यूक्रेन की मदद कर रहे पश्चिमी देश सोचते हैं कि मॉस्को ऐसा कभी नहीं करेगा तो यह उनकी गलती है. पुतिन ने यह संदेश ऐसे समय में दिया है जब यूक्रेनी सैन्य बलों को नाटो के सहयोगी देश मदद पहुंचाने के लिए कदम उठा रहे हैं. पुतिन ने इन नाटो सदस्यों को स्पष्ट संदेश दिया कि यूक्रेन को सैन्य सहायता मुहैया कराने पर उनका रूस के साथ संघर्ष हो सकता है जो परमाणु संघर्ष में बदल सकता है.

अदालत ने 12 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को 26 सप्ताह के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति दी

एजेंसी।हैदराबाद

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 12 वर्षीय एक बलात्कार पीड़िता को 26 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात कराने की अनुमति दी है. अदालत ने राज्य सरकार द्वारा संचालित गांधी अस्पताल के अधीक्षक को पीड़िता का गर्भपात 48 घंटे में कराने के लिए आवश्यक इंतजाम करने का निर्देश दिया. न्यायमूर्ति बी विजयसेन रेड्डी ने आदेश दिया कि बच्ची के गर्भपात की प्रक्रिया अस्पताल की वरिष्ठतम स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा की जाएगी और डीएनए एवं अन्य जांच के लिए भ्रूण के ऊतक और रक्त के नमूने एकत्र किए जाएंगे. इससे पहले, गांधी अस्पताल के चिकित्सकों ने पीड़िता की मां (याचिकाकर्ता) से कहा था कि चूंकि पीड़िता को गर्भधारण किए 24 सप्ताह से अधिक समय हो चुका है, इसलिए गर्भ का चिकित्सकीय समापन (संशोधन) विधेयक, 2021 के प्रावधानों के तहत उसका गर्भपात नहीं किया जा सकता. इसके बाद पीड़िता की मां ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था. न्यायमूर्ति रेड्डी ने गांधी अस्पताल के अधीक्षक को एक मेडिकल बोर्ड गठित करने और पीड़िता का गर्भपात कराने की संभावना का पता लगाने तथा लड़की की पहचान उजागर किए बिना एक सीलबंद लिफाफे में अदालत को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था. याचिकाकर्ता की वकील वसुधा नागराज ने तर्क दिया कि पीड़िता से कई लोगों ने बलात्कार किया था और यदि उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो इससे उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा. उन्होंने यह भी तर्क दिया कि न केवल पीड़िता, बल्कि जन्म लेने वाले बच्चे को भी शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा.

जम्मू से 5,800 तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए 5,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था शनिवार सुबह जम्मू के दो आधार शिविर से रवाना हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बीच शनिवार सुबह वाहनों के दो अलग-अलग काफिलों में 1,118 महिलाओं और 18 बच्चों समेत कुल 5,876 तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ. अधिकारियों ने बताया कि 3,759 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 134 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ, जबकि 111 वाहनों पर सवार 2,117 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था बालटाल के लिए रवाना हुआ. अमरनाथ यात्रा 52 दिन की है.

साक्षात्कार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनावी दौर से बाहर होने के अटकलों पर लगाया विराम
'सर्वशक्तिमान ईश्वर' ही मुझे चुनावी दौड़ से बाहर कर सकता है

एजेंसी।वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुई पहली बहस में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके चुनावी दौड़ से बाहर होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें मुकाबले से बाहर होने के लिए राजी कर सकते हैं. बाइडन (81) ने यह बात एक टेलीविजन चैनल से साक्षात्कार के दौरान कही. राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत अटलांटा में 27 जून को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन की लोकप्रियता की 'रेटिंग' गिर गई है, जिसके बाद उन्हीं की पार्टी (डेमोक्रेटिक पार्टी) के कुछ नेताओं ने उनसे राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया था. बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई अपनी पहली बहस से पहले वह थके हुए और बीमार थे. अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने साथ ही कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं. बाइडन ने दावा किया कि वह दुनिया को चला रहे हैं'' और राष्ट्रपति बनने के लिए उनसे ज्यादा योग्य कोई नहीं है.

राष्ट्रपति जो बाइडन

बाइडन ने ट्रंप पर आदतन झूठा होने का आरोप लगाया

दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का लक्ष्य लिए चुनावी मैदान में उतरे बाइडन ने ट्रंप पर आदतन झूठा होने का आरोप लगाया. बाइडन ने 'एबीसी न्यूज' से साक्षात्कार के दौरान राष्ट्रपति पद के चुनाव के तहत हुई अपनी पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कहा, मैं थक गया था. मैंने तैयारी के दौरान अपने मन की बात नहीं सुनी. अपनी पहली बहस के बाद किसी टेलीविजन चैनल के साथ उनका पहला साक्षात्कार था. उन्होंने कहा, मैं बीमार था. मैं बहुत अस्वस्थ महसूस कर रहा था. चिकित्सक मेरे साथ थे. मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मेरी कोविड-19 संबंधी जांच की है. वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि मेरे बीमार होने का कारण क्या है. उन्होंने मेरी कोविड जांच की लेकिन मुझे संक्रमण नहीं हुआ था. मुझे बस सर्दी लगी थी. बाइडन ने कहा कि बहस में उनके खराब प्रदर्शन में किसी और की नहीं बल्कि मेरी गलती थी. बाइडन ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के किसी भी प्रमुख नेता ने उनसे चुनाव से हटने के लिए नहीं कहा है. उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से तभी हटेंगे जब सर्वशक्तिमान ईश्वर उनसे ऐसा करने के लिए कहेंगे. उन्होंने कहा, अगर सर्वशक्तिमान ईश्वर धरती पर आकर कहेंगे कि 'जो (बाइडन), दौड़ से बाहर हो जाओ', तो मैं चुनावी दौड़ से बाहर हो जाऊंगा.

इजराइल का गाजा पर एयर स्ट्राइक
दो बच्चे समेत छह की मौत

एजेंसी।दीर अल-बलाह (फिलिस्तीन)

इजराइल और गाजा के बीच युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. इजराइल ने एक बार फिर मध्य गाजा के अलग-अलग जगहों पर हवाई हमला किया है. इस हमले में छह लोगों की मौत हो गयी. इसमें संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मी और दो बच्चे भी शामिल है. इस हमले में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है.

फलस्तीनी अस्पताल (अल अक्सा शहीद) के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है. हालांकि इजराइली सेना ने इन हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. अस्पताल के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इजराइल ने गाजा के सलाह अल-दीन मार्ग पर स्थित मघाजी शरणार्थी शिविर के पास हमला किया. जिसमें तीन व्यस्कों की मौत हो गयी. जबकि कई लोग घायल हो गये. इनमें से संयुक्त राष्ट्र का कर्मी बताया जा रहा है. वहीं नुसेरात शरणार्थी शिविर में हुए हमले में भी एक वयस्क और दो बच्चों की मौत हो गयी. इन हमलों के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली वार्ताकारों का एक दल हमास के साथ संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली के समझौते पर अगले सप्ताह फिर से वार्ता शुरू करेगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)